जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 21 अक्टूबर, 2026

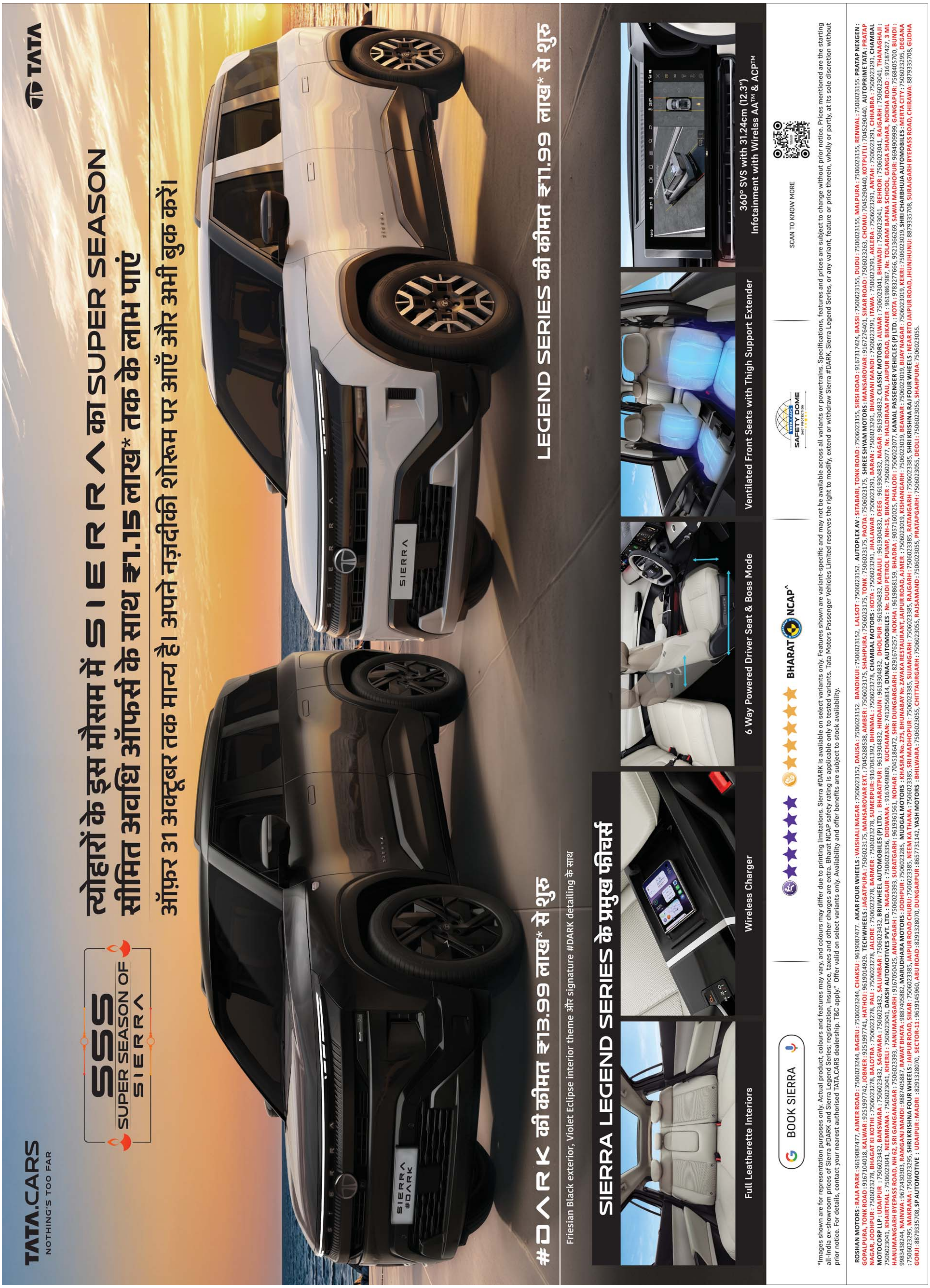

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

देशी पर्वों व उत्सवों पर हावी होती बाज़ार संस्कृति

दशहरे के साथ त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। ये हमारे सांस्कृतिक पर्व हैं। लेकिन उनका सांस्कृतिक महत्व अब बाज़ार ने हमसे छीन लिया है। हर कहीं गरबा के व्यावसायिक ईवेंट हो रहे हैं। राजस्थान का घूमर विस्मृत हो गया है, क्योंकि उसका कोई प्रायोजक नहीं है। हमारी स्थानीय लोक संस्कृतियों को गुमनामी के अंधेरे में धकेलने में राज्य भी पीछे नहीं है। राज्य कभी कला और संस्कृति की पवित्रता का संरक्षक हुआ करता था वह भी नासमझी में ईवेंट के जाल में फंस कर उसे बिगाड़ने में लगा है। हमारे त्यौहार उत्सव होते हैं। उनमें सुकून भरा मनोरंजन होता है। औपचारिकताओं से मुक्त खुशियों भरा आपसी मिलन त्यौहारों का माहौल बनाता है। मगर अब सिर्फ प्रायोजित धमाल होता है जिसमें उत्पादों और सेवाओं के ग्राहक होते हैं। पैसा कमा कर बाज़ार का पेट भरने की अंधी दौड़ में उलझे लोग ईवेंट में पैसा खर्च करके अपनी उदासियां दूर करने आते हैं। बाज़ार की अपनी संस्कृति होती है जिसमें मुनाफे के अलावा कुछ नहीं होता। उसमें धैर्य भी नहीं होता। मुनाफा भले ही अपराध करके कमाया जाय, मगर उसे तुरंत कमाना होता है। संस्कृतियां एक-दूसरे पर असर डालती रही हैं। इतिहास में कभी-कभी कोई संस्कृति किसी दूसरी पर हावी हुई भी लगती है। यह एक धीमी सामान्य सामाजिक प्रक्रिया रही है। लेकिन आज के समय में बाज़ार की ताकतें अपने हिसाब से सांस्कृतिक रुझान बनाती हैं और उन्हें बेचती हैं। समाजशास्त्री इसे मोनोकल्चर मार्केटप्लेस कहते हैं, जहां स्थानीय पहचान को कमोडिटी बना दिया जाता है। सुपरमार्केट के गलियारों, स्ट्रीमिंग एल्गोरिदम और हमारे शहरों के फास्ट-फ़ैशन बुटीक में इसे स्पष्ट देखा जा सकता है। सांस्कृतिक लेन-देन अब माइग्रेशन, भूगोल या आध्यात्मिक खोज से नहीं होता, बल्कि वह बाज़ार की ताकतों से चलता है। आधुनिक बाज़ार कल्चरल ट्रेंड्स थोपता है, और चतुराई से स्थानीय संस्कृति को विस्मृत होने की ओर धकेलता है। कॉर्पोरेट-ड्रिवन मोनोकल्चर विरासतों को एफिशिएंसी, स्केल और प्रॉफिट की वेदी पर बलि चढ़ा देता है। संस्कृति ब्रांड नहीं होती। मगर ईवेंट के लिये ब्रांड जरूरी होता है और हम स्पष्ट देख रहे हैं कि कैसे बाज़ार अपने मुनाफे के लिये संस्कृति को ब्रांड में बदल दे रहा है। पहले, संस्कृतियों के मेलजोल में सदियां लगती थीं, जिससे समुदायों को खुद को ढालने, फिर से समझने और अपनी मुख्य पहचान बनाए रखने का समय मिलता था। आज, एक एल्गोरिदम कुछ ही घंटों में किसी भी एस्थेटिक ट्रेंड को पॉपुलर बना सकता है। जब कोई स्थानीय परंपरा मल्टी-बिलियन-डॉलर मार्केटिंग सिस्टम से टकराती है, तो यह बराबरी की लड़ाई नहीं होती है। स्थानीय संस्कृति इसलिए पीछे नहीं रह जाती क्योंकि वह कमतर होती है, बल्कि इसलिए पिछड़ जाती है क्योंकि उसे व्यवस्थित तरीके से किनारे किया गया होता है। बड़ी टेक कंपनियों से नियंत्रित जिस डिजिटल-इकोसिस्टम में हम रहते हैं उसे विज्ञापन की आय से मुनाफा कमाने के लिये डिज़ाइन किया जाता है। वे आसानी से पचने वाले कंटेंट के लिए ऑप्टिमाइज़्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। स्टैंडर्डाइज़्ड प्रोडक्ट बनाना सस्ता होता है; मार्केट में उसे वितरित करना और बेचना भी आसान होता है। कला, संगीत या कहानी कहने के बारीक, स्थानीय तरीकों को परे धकेल दिया जाता है। हाइपरमार्केट और ग्लोबल रिटेल चेन धीरे-धीरे पारंपरिक हाट-बाज़ार, स्वतंत्र कारीगर और स्थानीय खुदरा दुकानों की जगह लेती जाती है। इस तरह आधुनिक एयर-कंडीशन्ड मॉल या डिजिटल क्विक-कॉमर्स ऐप लेन-देन का एटमाइज़ेशन ले आते हैं। बाज़ार शहरीकरण की होड को भी बढ़ाता है क्योंकि ज़मीन-जायदाद के सौदों में सबसे अधिक मुनाफा होता है।

राजस्थान जैसे कठोर भौगोलिक पारिस्थितिकी में 'एस्थेटिक' का जलवा इंसानी हिम्मत की जीत थी। मरु प्रदेश की रंगीन चमकीली पगड़ियां और घाघरे सोशल मीडिया फ़ीड के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए थे; वे एक बेरहम रेगिस्तान को चुनौती देते हुए खुश रहने के मानवीय प्रयास थे। राजस्थानी संगीत कोई एम्बिएंट लाउंज ऑडियो नहीं था। वह ओरल लिटरेचर था जिसमें सदियों की रिश्तों, त्याग, मौसम और बारिश की स्मृतियां बसती थीं। हमारी संस्कृति में संगीत कभी भी पैसिव मनोरंजन नहीं रहा; वह विविधता वाले जीवंत समुदायों की आध्यात्मिक अनुभूति होती थी। लेकिन बाज़ार को असली सांस्कृतिक विविधता नहीं भाती है, क्योंकि इसमें ऐसे मूल्य शामिल होते हैं जिन्हें मोनेटाइज़ नहीं किया जा सकता। बाज़ार अलग-अलग एस्थेटिक्स की इजाज़त तो देता है, लेकिन एक जैसा बिहेवियर चाहता है। स्थानीय कला संस्कृति के रचनाकार को पश्चिमीकृत, अंग्रेजी केंद्रित टेम्पलेट में फिट होने के लिए अपने स्टाइल, भाषा और थीम को बदलने को मजबूर होना पड़ता है। अब सामुदायिक ज़िम्मेदारियां बाज़ार की मुनाफे की सोच और खुली अर्थव्यवस्था ने हथिया ली हैं, जिसमें सोशल सेफ्टीनेट नष्ट हो गया है। ग्लोबल कॉर्पोरेशन सदियों की कम्युनिटी की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी से प्योर सरप्लस वैल्यू निकालते हैं। फाइव-स्टार हेरिटेज होटलों या लग्ज़री रेगिस्तानी कैंपों में कॉकटेल पीने वाले पर्यटकों के लिए घंटों चलने वाली पवित्र गाथाएं दस मिनट के बैकग्राउंड मनोरंजन में बदल दी जाती हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म रेगिस्तान के असली संगीत की जगह छोटे, ऑटो-ट्यूयून हुक की मांग करते हैं। पारंपरिक संगीतकारों की नई पीढ़ी को आम कमर्शियल बीट्स की ओर जाने को ललचाया जाता है। मौसम के हिसाब से चलने वाले खाने का खत्म होना अपनी आंखों के सामने सबने देखा है। ज़बरदस्त मार्केटिंग ने प्रोसेस्ड स्नैक्स को गांव-गांव, बस्ती-बस्ती में फैला दिया है। यहां तक कि राजस्थानी देशी खाने की चीजों का भी व्यवसायीकरण हो गया है। उन्हें महंगी दावतों में परोस कर आम आदमी की थाली से छीन लिया गया है। देशी भवन निर्माण का जो हुनर स्थानीय आब-ओ-हवा के हिसाब से सदियों में विकसित हुआ था, जिसमें चूना पत्थर की दीवारें सांस लेती थी, बीच के आंगन कुदरती हवा आने देते थे। सब समाप्त हो गया हैं। उनकी जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। बाज़ार के हिसाब से बनने वाले निर्माण फेक्टरियों में बने कंक्रीट और बड़े कांच के बाहरी हिस्सों पर इतराते हैं जो गर्म जलवायु के लिए बिल्कुल मुफीद नहीं होते हैं। उन्हें रहने लायक बनाने के लिये ज़्यादा ऊर्जा की खपत वाली एयर कंडीशनिंग की ज़रूरत होती है। इस प्रकार स्थानीय संस्कृति में रचे-बसे आर्किटेक्चर की जगह बाहर के आर्किटेक्चरल टेम्पलेट सर्वत्र पसर गये हैं। राज्य भी बाज़ार की पूरी गिरफ्त में है, जो सांस्कृतिक विरासत को बचाने का सिर्फ दिखावे के तौर पर प्रदर्शन करता है। राज्य कॉर्पोरेट टूरिज्म का समर्थन करता है जो बड़े शहरों और कस्बों के असली ऐतिहासिक मोहल्लों को सजावटी बैकग्राउंड की तरह काम में लेता है। रिहायशी जगहों को, बुटीक, होम-स्टे और एस्प्रेसो और कॉन्टिनेंटल ब्रेकफास्ट बेचने वाले टूरिस्ट कैफों में बदल दिया जाता है। पुराने शहर के बाशिंदे बाहर निकल रहे हैं क्योंकि मोहल्लों को व्यावसायिक मंच में तब्दील किया जा रहा है। बाज़ार की ताकतें स्थानीय संस्कृति को महलों में होने वाली शादियों, आम यादगार चीज़ों की दुकानों और स्क्रीन-प्रिंटेड फ्लेक्स के एक चुने हुए खेल के मैदान में बदल कर संस्कृति को इतिहास में धकेल देती हैं। तब समुदाय इकोलॉजिकल तालमेल, आपसी निर्भरता और कारीगरी के हुनर को खो देते हैं। अलग-अलग संस्कृतियां समस्याओं को हल करने, दुख को समझने और खुशी महसूस करने के अलग-अलग तरीके बताती हैं, मगर बाज़ार एक बना बनाया खांचा देता है।

सांस्कृतिक लेन-देन अब माइग्रेशन, भूगोल या आध्यात्मिक खोज से नहीं होता, बल्कि वह बाज़ार की ताकतों से चलता है। आधुनिक बाज़ार कल्चरल ट्रेंड्स थोपता है, और चतुराई से स्थानीय संस्कृति को विस्मृत होने की ओर धकेलता है। कॉर्पोरेट-ड्रिवन मोनोकल्चर विरासतों को एफिशिएंसी, स्केल और प्रॉफिट की वेदी पर बलि चढ़ा देता है।

संस्कृति को बाज़ार की चक्की से बचाने का मतलब यह नहीं है कि इसके लोगों को गरीबी में धकेल दिया जाए या उन्हें आधुनिकरण से दूर रखा जाए। इसके लिए एक ऐसा इकोनॉमिक इकोसिस्टम बनाने की ज़रूरत है जहां स्थानीय पहचान की सॉवरेन वैल्यू कॉर्पोरेट ट्रेंड्स से ज़्यादा हो। असली गांव के कामों की मदद करना, पवित्र जगहों का सम्मान करना और असली हाथ से बने सामान की सही कीमत देना इन परंपराओं को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है। इसमें राज्य और समाज दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में नीति निर्माताओं से यह पूछना हमारा फ़र्ज़ बनाता है कि क्या हमारी जीवंत विरासतों की किस्मत तय करने की इजाज़त कॉर्पोरेट बैलेंस शीट को देनी चाहिए? यह पूछा जाना सामयिक है कि राजस्थान को ऐसी कॉर्पोरेट-स्पॉन्सर्ड परछाई क्यों बनाया जा रहा है जिसमें सिर्फ दरबारी और सामंती परंपराओं का महिमामंडन होता है। ऐसे सवाल पूछे जाने का यही समय है। यह पैसिव नॉस्टैल्जिया से आगे बढ़कर स्ट्रक्चरल डिफेंस में शामिल होने का समय है। सरकारों को बाध्य करना होगा कि वे सांस्कृतिक विरासत को उसी प्रकार ज़रूरी 'पब्लिक गुड' (सार्वजनिक कल्याण) माने जिस प्रकार साफ़ हवा या पानीको माना जाता है। स्थानीय इतिहास, स्थानीय भाषाओं और ट्रेडिशनल इकोलॉजिकल नॉलेज पर ज़ोर देने के लिए शिक्षा पाठ्यक्रम को उपनिवेशी नज़रिये से बाहर निकालना होगा। युवा पीढ़ी को सिखाना होगा कि वे अपनी विरासत को अतीत की पुरानी निशानी के तौर पर नहीं, बल्कि भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए एक एडवांस्ड टूल के तौर पर देखें। सांस्कृतिक विविधता उतनी ही ज़रूरी है जितनी बायोडायवर्सिटी इस धरती के बने रहने के लिए जरूरी है। जब बाज़ार की ताकतें किसी स्थानीय संस्कृति को खत्म करती हैं, तब समुदाय ज़िंदगी को देखने का अपनी कलेक्टिव जीनियस का एक हिस्सा खो देता है। अब समय आ गया है कि बाज़ार के अनदेखे हाथ को रोका जाए और उन अलग-अलग संस्कृतियों को बचाने वाला हाथ बढ़ाया जाए, जो हमारी दुनिया को रहने लायक बनाती हैं। नीति निर्माताओं को समझना होगा कि ऐसा करके ही राजाओं के शासन से लेकर औपनिवेशिक दौर और आजादी के बाद के दशकों तक चला आ रहा गरीबी का भूगोल बदला जा सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

हम स्वतंत्र व निष्पक्ष पंचायत चुनाव हेतु प्रतिबद्ध

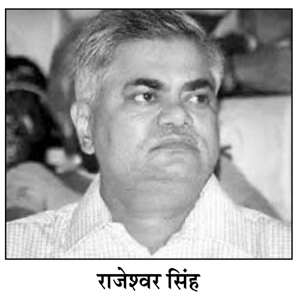

राजेश्वर सिंह

प्रश्न –सर्वप्रथम नगरीय निकायों के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आपको बधाई। इसके मुकाबले पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को आप कितना चुनौतीपूर्ण मानते हैं ?

उत्तर: नगरीय चुनाव कुल 309 नगरीय निकायों के 10845 पार्षद पदों के लिए हुए थे जबकि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 41 जिला परिषदों 457 पंचायत समितियों एवं 14403 ग्राम पंचायतों के कुल 155138 जन प्रतिनिधि पदों के लिए संपन्न होंगे। इस प्रकार यह चुनाव ज्यादा विशद, व्यापक और चुनौतीपूर्ण है।

प्रश्न – पंचायती राज चुनाव कितने चरणों में कराने की योजना है और इसके लिए क्या तैयारियाँ की गई हैं?

उत्तर: ये चुनाव चार चरणों में संपन्न होंगे। इसके लिए लोक सूचना क्रमशः 8 अक्टूबर, 13 अक्टूबर, 19 अक्टूबर तथा 31 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित होगी। प्रथम चरण में पोलिंग पार्टी 21 से 25 अक्टूबर, द्वितीय चरण में 26 से 31 अक्टूबर, तृतीय चरण में 2 से 6 नवंबर तथा चतुर्थ चरण में दीपावली के तुरंत बाद 13 से 17 नवंबर 2026 तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रहकर चुनाव कराएगी। जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य पद की मतगणना दिनांक 20 नवंबर 26 को जिला मुख्यालय पर होगी जबकि जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान,पंचायत समिति एवं उप प्रधान, पंचायत समिति का चुनाव क्रमशः 25, 26, 27 एवं 28 नवंबर 2026 को संपन्न होगा।

प्रश्न – ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पोलिंग पार्टी का पाँच दिवसीय कार्यक्रम किस प्रकार निर्धारित किया गया है?

उत्तर: पहले दिन पोलिंग पार्टी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पहुँचेगी। दूसरे दिन जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य के लिए ईवीएम के माध्यम से मतदान होगा। तीसरे दिन सरपंच व वार्ड पंच के लिए नामांकन लिया जाएगा व चुनाव चिन्ह आवंटित होगा। चौथे दिन इन पदों के लिए बैलट पेपर द्वारा मतदान व मतगणना होगी तथा चुनाव परिणाम घोषित होगा। पांचवें दिन प्रातः काल वार्ड पंचों के द्वारा उपसरपंच का अप्रत्यक्ष रीति से चुनाव कराकर पोलिंग पार्टी मुख्यालय हेतु प्रस्थान करेगी।

प्रश्न – जिला परिषद एवं पंचायत समिति का चुनाव ईवीएम से तथा सरपंच व वार्ड पंच का चुनाव बैलट पेपर से क्यों कराया जा रहा है ?

उत्तर: राजस्थान में मात्र 10 हजार ईवीएम उपलब्ध है। शेष ईवीएम केंद्रीय चुनाव आयोग व मध्य प्रदेश राज्य चुनाव आयोग से प्राप्त की गई है जो मात्र जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य का चुनाव कराने के लिए ही पर्याप्त है। इस वजह से सरपंच व वार्ड पंच का चुनाव बेलट पेपर से कराया जा रहा है।

प्रश्न – सरपंच एवं वार्ड पंच को अपने चुनाव चिह्न के प्रचार-प्रसार के लिए अत्यल्प समय दिया गया है। इस संबंध में आप क्या कहेंगे?

उत्तर: जब से सरपंच एवं वार्ड पंच का पद श्रेणी विशेष के लिए आरक्षित हुआ है, तब से ही संभावित उम्मीदवारों द्वारा चुनाव प्रचार किया जा रहा है। सोशल मीडिया के इस युग में चुनाव चिन्ह को मतदाताओं तक पहुंचाना बहुत बड़ी समस्या नहीं है। मात्र 10 समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम के बल पर यह कार्य बखूबी किया जा सकता है। इसके अलावा सभी मतदान केंद्र ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्थित है अतः इसमें ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। 2015 तक इसी पद्धति से चुनाव होते थे। उस समय तो सोशल मीडिया का भी इतना प्रचलन नहीं था।

प्रश्न – आपने 457 पंचायत समिति मुख्यालयों पर 10 अक्टूबर, 26 को एक साथ प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशालाएं आयोजित की। इसकी जरूरत क्यों पड़ी और इससे क्या लाभ हुआ है ?

उत्तर: आयोग मुख्यालय पर तथा मेरे सोशल मीडिया पेज पर सैकड़ों की संख्या में नामांकन के साथ लगने वाले डाक्यूमेंट्स एवं योग्यता / निर्योग्यता के संबंध में प्रश्न पूछे जा रहे थे। अतः उचित समझा गया कि एक साथ एक जगह पर सारी जिज्ञासाओं का समाधान कर दिया जावे।यह नवाचार सफल रहा और इसकी अत्यधिक सराहना हुई।

प्रश्न – आचार संहिता की पालना के लिए क्या दिशा निर्देश दिए गए हैं ?

उत्तर: वर्तमान में आचार संहिता ग्रामीण क्षेत्रों में लागू है। इस दौरान नई घोषणाओं एवं नई नियुक्तियों पर प्रतिबंध है। जो विकास कार्य पूर्व से चल रहे हैं, वे चलते रहेंगे परंतु नवीन कार्यादेश जारी नहीं किये जा सकते। राजकीय भवनों पर पोस्टर बैनर लगाना प्रतिबंधित है जबकि निजी भवनों पर भी भवन मालिक की अनुमति से ही पोस्टर बैनर लगाया जा सकेंगे। रात्रि 10:00 बजे से प्रातः काल 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग प्रतिबंधित है। दिन में भी लाउडस्पीकर का प्रयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति से ही किया जा सकेगा। नामांकन जुलूस व विजय जुलूस बैन किए गए हैं।

प्रश्न – चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं?

उत्तर: प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिस बल एवं होमगार्ड की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील मतदान केंद्रों व क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा ग्राम पंचायत के समूह पर जोनल मजिस्ट्रेट, प्रत्येक पंचायत समिति में एरिया मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी की व्यवस्था की गई है। आयोग मुख्यालय एवं प्रत्येक जिला कलेक्ट्रेट में 24 घंटे कार्यरत नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

प्रश्न – अधिकतम मतदान व मतदाता जागरूकता के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर: जिला प्रशासन तथा स्कूल, कॉलेज के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के सहयोग से मतदाता जागरूकता रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एक खेल लोकतंत्र के नाम, एक दीप लोकतंत्र के नाम, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन मेकिंग, आशुभाषण, निबंध आदि प्रतियोगितायें तथा पंचायत प्रश्नोत्तरी आदि गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिससे निश्चित रूप से मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रश्न – दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए क्या विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं?

उत्तर: दिव्यांग मतदाताओं को घर से लाने ले जाने की व्यवस्था की गई है, जबकि वरिष्ठ मतदाताओं के लिए पृथक कतार, कुर्सी व पेयजल की व्यवस्था की गई है। इसके लिए एनसीसी / एनएसएस का सहयोग भी लिया जाएगा।

प्रश्न – ग्रामीण मतदाताओं के लिए आपका क्या संदेश है?

उत्तर: ग्रामीण मतदाता किसी भी अनुचित दबाव या प्रलोभन में आए बिना जाति, धर्म से ऊपर उठकर बुद्धिमान, विचारवान, भविष्यदृष्टि संपन्न, कुशल एवं कर्मठ पंचायत प्रतिनिधियों के चुनाव हेतु कृत संकल्प हों ताकि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की संकल्पना को मूर्त रूप दिया जा सके।

-राजेश्वर सिंह,
राज्य निर्वाचन आयुक्त, राजस्थान

देवी के चरण, बेटी का मान

बेटे की चाह में बेटी के महत्व को भूल जाना हमारी सामाजिक सोच का ऐसा विरोधाभास है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। संतान का लिंग नहीं, उसका स्वास्थ्य, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

डॉ. अर्चना गोदारा

नवरात्रि में नौ छोटी बच्चियों को चुनरी ओढ़ाकर उनके चरण छूते समय शायद ही कोई यह सोचता हो कि जिन पैरों में आज देवी के दर्शन किए जा रहे हैं, उन्हीं पैरों से चलकर आने वाली बेटी का जन्म कुछ घरों में उदासी क्यों ले आता है। जिन कन्याओं को घर बुलाकर भोजन कराया जाता है, उनके सम्मान में कोई कमी नहीं रखी जाती, उन्हीं जैसी किसी बच्ची के अपने घर में जन्म लेने पर कभी-कभी परिवार की खुशियाँ फीकी क्यों पड़ जाती हैं? यह प्रश्न धर्म या आस्था पर नहीं, हमारी सामाजिक मानसिकता पर है। देवी की पूजा हमारी संस्कृति की एक सुंदर परंपरा है। उसमें शक्ति, समृद्धि, साहस और मातृत्व के प्रति श्रद्धा के भाव जुड़े हैं। लेकिन इस परंपरा के बीच दिखाई देने वाला एक विरोधाभास सोचने को विवश करता है। नवरात्रि में कन्या को देवी मानने वाला समाज वर्ष के बाकी दिनों में बेटी को बेटे के बराबर मानने में संकोच क्यों करता है? बेटे की कामना में व्रत रखने वाली स्त्री की आस्था पर प्रश्न उठाना उचित नहीं, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि उसके मन में बेटे को लेकर इतनी गहरी आकांक्षा पैदा कहाँ से होती है। क्या यह केवल उसकी अपनी इच्छा है, या पीढ़ियों से चली आ रही सामाजिक अपेक्षाओं ने उसके भीतर यह धारणा बैठा दी है कि बेटे के बिना परिवार अधूरा है? मेरे आसपास के कस्बों और छोटे शहरों में दिखाई देने वाले ऐसे अनेक दृश्य इस प्रश्न को और गहरा कर देते हैं।

इस मानसिकता की जड़ें केवल किसी एक स्त्री की सोच में नहीं, बल्कि परिवार, परंपरा, सामाजिक प्रतिष्ठा और पीढ़ियों से चले आ रहे व्यवहार में छिपी हैं। कई घरों में सास अपनी बहू से सीधे या परोक्ष रूप से बेटे की अपेक्षा करती है। कभी कहा जाता है कि वंश आगे बढ़ाने वाला चाहिए, कभी बुढ़ापे का सहारा बेटे को बताया जाता है और कभी परिवार की प्रतिष्ठा को पुत्र से जोड़ दिया जाता है। बहू के गर्भवती होने पर परिवार की निगाहें संतान के स्वस्थ जन्म से अधिक इस प्रश्न पर टिक जाती हैं कि बेटा होगा या बेटी। बेटी जन्म ले तो सांत्वना के स्वर सुनाई देते हैं कि कोई बात नहीं, अगली बार बेटा हो जाएगा। इन शब्दों में छिपा संदेश उस माँ तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि घर की बड़ी हो रही बेटियों के मन तक भी पहुँचता है। वे धीरे-धीरे समझने लगती हैं कि उनके जन्म से परिवार की कोई इच्छा अधूरी रह गई थी। मनोविज्ञान की दृष्टि से यह स्थिति महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि बच्चे अपने बारे में केवल कही गई बातों से नहीं, बल्कि अपने साथ किए जाने वाले व्यवहार से भी धारणा बनाते हैं। यदि भाई को बेहतर भोजन, अधिक स्वतंत्रता, पढ़ाई के अधिक अवसर और अपनी पसंद चुनने का अधिकार मिलता है, जबकि बहन से त्याग और समझौते की अपेक्षा की जाती है, तो उसके भीतर हीनता, असुरक्षा या अपने ही परिवार में कम महत्त्वपूर्ण होने का भाव विकसित हो सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि कई सासें और घरेलू महिलाएँ स्वयं इसी सोच के बीच पली-बढ़ी होती हैं। उन्होंने अपने जीवन में बेटे को परिवार का गौरव और बेटी को दूसरे घर की अमानत मानते देखा है। इसलिए वे कभी अनजाने में, तो कभी सामाजिक दबाव में, वही व्यवहार आगे बढ़ा देती हैं जो उन्होंने स्वयं सहा था। इसका अर्थ यह नहीं कि हर सास ऐसी होती है या हर माँ बेटे को ही प्राथमिकता देती है। अनेक महिलाएँ इस सोच को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। लेकिन बदलाव के लिए यह स्वीकार करना जरूरी है कि स्त्री केवल इस मानसिकता की शिकार ही नहीं, कई बार अनजाने में उसकी वाहक भी बन जाती है।

इस सोच का सांस्कृतिक पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। हमारे व्रतों, त्योहारों और धार्मिक कथाओं की लोकप्रिय व्याख्याओं में अक्सर पुत्र प्राप्ति, पुत्र की दीर्घायु और पुत्र के माध्यम से परिवार की उन्नति की कामना प्रमुखता से सुनाई देती है। अनेक परिवारों में संतान के सुख और स्वास्थ्य की प्रार्थना करने के बजाय विशेष रूप से बेटे के जन्म की मन्नत माँगी जाती है। यह कहना उचित नहीं होगा कि हमारी सभी धार्मिक परंपराएँ बेटियों को कमतर मानती हैं। भारतीय संस्कृति में स्त्री शक्ति की आराधना और विदुषी, साहसी तथा स्वतंत्र महिलाओं की अनेक परंपराएँ भी मौजूद हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब हम अपनी परंपराओं के उन्हीं अर्थों को अधिक महत्त्व देते हैं जो बेटे को प्राथमिकता देते हैं, जबकि समानता और करुणा का संदेश पीछे छूट जाता है। नवरात्रि में कन्या पूजन करने वाले परिवारों में से कुछ ऐसे भी होते हैं जहाँ घर की अपनी बेटी से भाई की इच्छा के लिए त्याग करने को कहा जाता है। पूजा के दिन छोटी बच्चियों के लिए पकवान बनाए जाते हैं, उनके चरण छुए जाते हैं, लेकिन त्योहार समाप्त होते ही वही समाज बेटी की शिक्षा, उसके खानपान, उसकी स्वतंत्रता और उसके भविष्य को लेकर सीमाएँ तय करने लगता है। यह किसी पूजा की आलोचना नहीं, बल्कि उसके सामाजिक व्यवहार में उतरने की आवश्यकता की ओर संकेत है। साहित्य भी हमें रिश्तों की इसी जटिलता को समझने में सहायता करता है। मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं में पारिवारिक संबंधों, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानवीय संवेदना के बीच का संघर्ष बार-बार दिखाई देता है। जीवन में आगे चलकर कौन माता-पिता का सहारा बनेगा, यह उसके लिंग से तय नहीं किया जा सकता। अनेक बेटियाँ अपने माता-पिता की बीमारी में उनकी देखभाल करती हैं, आर्थिक जिम्मेदारियाँ उठाती हैं और कठिन समय में उनके साथ खड़ी रहती हैं। अनेक बेटे भी पूरी निष्ठा से अपने माता-पिता की सेवा करते हैं। इसलिए तुलना का प्रश्न ही गलत है। जरूरत इस बात की है कि हर बच्चे को इतना सक्षम बनाया जाए कि वह अपना जीवन सम्मान से जी सके और अपनी इच्छा से परिवार तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभा सके। हमें बच्चों को इस आधार पर नहीं परखना चाहिए कि वे हमारे बुढ़ापे में क्या देंगे, बल्कि इस आधार पर उनका पालन-पोषण करना चाहिए कि हम उन्हें कैसा मनुष्य बना रहे हैं। माता-पिता के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि उनकी संतान स्वस्थ हो, आत्मनिर्भर हो, अपने निर्णय लेने में सक्षम हो और अपने काम से समाज में पहचान बनाए? यदि वह आगे चलकर सुविधासंपन्न जीवन जीती है, तो यह उसके परिश्रम और अवसरों का परिणाम होगा। यदि जीवन में कठिनाइयाँ आएँ, तो भी उसके पास उनसे जूझने की क्षमता होनी चाहिए। यह लक्ष्य बेटे और बेटी, दोनों के लिए समान है। जिस दिन घर में बच्चों का मूल्य उनके लिंग के बजाय उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, संवेदनशीलता और संभावनाओं से तय होने लगेगा, उस दिन यह मानसिकता सचमुच बदलने लगेगी।

जिस दिन हम बेटे की मन्नत से आगे बढ़कर संतान के सुख की कामना करने लगेंगे, उस दिन हमारी पूजा का अर्थ भी अधिक व्यापक होगा और हमारी संस्कृति का मानवीय पक्ष भी अधिक उज्ज्वल दिखाई देगा।

–डॉ. अर्चना गोदारा,
सहायक आचार्य एवं लेखक

महानवमी चिंतन – वृति के परिष्कार का संदेश देती है दुर्गा सप्तशती

संदीप जोशी

सनातन परंपरा में शाक्त उपासना का महापर्व नवरात्रि अपनी पूर्णाहुति की ओर अठासर है। दुर्गाष्टमी, महानवमी का पुण्य अवसर और इसके साथ ही असत्य पर सत्य की विजय का महान प्रतीक विजयादशमी पर्व है। बंगाल के भव्य पूजा पंडालों से लेकर गुजरात की गरबा रास की झंकारों तक, और देश के कोने-कोने में स्थापित शक्तिपीठों से लेकर घर-घर के अनुष्ठानों तक-समूचा भारतवर्ष माँ जगदम्बा की भक्ति में सराबोर है। नवरात्रि के इन पावन दिनों में अनगिनत साधकों ने व्रत-उपवास किए हैं और दुर्गा सप्तशती के मंत्रों का सस्वर पाठ किया है। दुर्गा सप्तशती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या स्तुति-संठाह मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के सर्वांगीण विकास, नैतिक आचरण और सामाजिक संतुलन का एक अत्यंत व्यावहारिक एवं उच्च दार्शनिक ठांथ है। श्रीमद्भगवद्गीता में सात सौ श्लोक है और दुर्गा सप्तशती में भी सात सौ श्लोक हैं। जिस प्रकार भागवत गीता शौर्य पराक्रम उत्साह के साथ जीवन दर्शन का ठांथ है, उसी प्रकार दुर्गा सप्तशती भी शौर्य पराक्रम उत्साह के साथ-साथ जीवन का दर्शन भी सिखाती है। सात्विक सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देती है दुर्गा सप्तशती।

इस ग्रंथ के पाँचवें अध्याय में माँ भगवती की एक प्रसिद्ध और अत्यंत लोकप्रिय स्तुति आती है- नमस्तस्यै नमस्तस्यै। इसमें देवी की लक्ष्मी रूप में, शक्ति रूप में, मातृ रूप में इत्यादि अनेक रूप में वंदना की गई है। इसी स्तुति का एक श्लोक है–

या देवी सर्वभूतेषु वृत्ति रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

अर्थात्, जो भगवती समस्त प्राणियों में वृत्ति के रूप में विराजमान हैं, उन आद्यशक्ति को बारंबार नमस्कार है। दुर्गा सप्तशती की यह एक पंक्ति हमें दुनियादारी के प्रपंच से ऊपर उठाकर जीवन के सबसे महत्वपूर्ण विषय हमारे आचरण और हमारी आजीविका पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करती है। यदि एक श्लोक को साध लिया जाए जीवन में उतार लिया जाए तो भ्रष्टाचार एवं नैतिक स्खलन जैसी व्यापक बड़ी चुनौतियों और समस्याओं का समाधान हो सकता है।

वृत्ति के दो आयाम: स्वभाव और आजीविका का दर्शन-

शास्त्रों और भाषा-विज्ञान के दृष्टिकोण से देखें तो वृत्ति शब्द के दो मूल अर्थ अत्यंत प्रचलित हैं-पहला स्वभाव या मनोवृत्ति (व्यक्ति का आंतरिक चिंतन और आचरण, जिससे प्रवृत्ति शब्द बना है) और दूसरा आजीविका (जीवन-निर्वाह, व्यवसाय, नौकरी या धन-उपार्जन का साधन)। दुर्गा सप्तशती के दार्शनिक धरातल पर मनुष्य को जगदम्बा की ही चेतना का अंश माना गया है। सनातन परंपरा में माँ भगवती की आराधना त्रिगुणात्मक शक्ति के रूप में की जाती है- महाकाली: शक्ति, ऊर्जा, संकल्प और तामसिक वृत्तियों के शमन की प्रतीक। महालक्ष्मी: समृद्धि, ऐश्वर्य, भौतिक साधन और राजसिक वृत्तियों के नियमन की प्रतीक। महासरस्वती: ज्ञान, विवेक, कला और सात्विक वृत्तियों के संवर्धन की प्रतीक। हमारे शास्त्र इस बात का आ ान करते हैं कि मनुष्य का स्वभाव भी इन तीनों दैवीय गुणों का एक संतुलित स्वरूप होना चाहिए। हमारे कर्म में महाकाली का संकल्प हो, जीवन में महालक्ष्मी की समृद्धि हो, और हमारे विचार व व्यवहार में महासरस्वती का ज्ञान और विवेक हो। जब इस त्रिगुणात्मक संतुलन में बिगाड़ आता है, तभी व्यक्ति का स्वभाव और उसकी सामाजिक प्रवृत्तियाँ विकृत होने लगती हैं। हमारी सनातन परंपरा में एक अत्यंत प्रसिद्ध कहावत है- "जैसा खाए अन्न, वैसा होए मन।" जब आजीविका का साधन ही अशुद्ध और अनैतिक होगा, तो उससे प्राप्त धन से निर्मित भोजन और सुख-सुविधाएँ मनुष्य के भीतर कभी शांति नहीं ला सकतीं। भ्रष्टाचार की कमाई से व्यक्ति भौतिक साधन तो जुटा सकता है, लेकिन वह अपने घर में लोभ, अहंकार, पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति को ही निमंत्रण देता है। आज समाज में दिखाई दे रहा नैतिक पतन और बड़े-बड़े घोटाले वास्तव में इसी धन प्रदूषण का दुष्परिणाम हैं। दुर्गा पूजा और विजयादशमी का यह पर्व केवल बाहरी उत्सवों, पंडाल भ्रमण या केवल अनुष्ठान तक सीमित रहने का विषय नहीं है। यह पर्व अपने भीतर झाँकने, आत्म-मंथन करने और अपने भीतर के रावण रूपी विकारों का संहार करने का अवसर है। यदि हमने नवरात्रि में माँ की आराधना की है, तो इस पूजा की सार्थकता तभी है जब हम तीन मूल संकल्प लें: स्वभाव का परिष्कार: अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार रूपी असुरादि भावों का शमन करके अपने स्वभाव को सात्विक और संतुलित बनाना। आजीविका की शुद्धता: अपने कार्यक्षेत्र, व्यवसाय या नौकरी में पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा बनाए रखना। धन प्रदूषण से मुक्ति: भ्रष्टाचार और अनैतिक साधनों से दूर रहकर अपने परिवार को सात्विक कमाई का अन्न खिलाना।माँ जगदम्बा संपूर्ण सृष्टि की शक्ति हैं। यह संकल्प लें कि हम अपने स्वभाव को संतुलित रखेंगे, अपनी आजीविका को पूरी तरह सात्विक बनाएंगे यही माँ जगदम्बा की सच्ची पूजा होगी।

–संदीप जोशी, जालोर,
(लेखक - शिक्षाविद एवं विचारक है)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 21 अक्टूबर, 2026

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत–2083, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 7:48 तक, गंड योग रात्रि 12:33 तक, गर करण दिन 2:12 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 7:00 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 7:48 तक है। भद्रा रात्रि 2:30 से आरम्भ होगी। आज नवरात्रोत्थापन, नवरात्र व्रत पारणा, भरत मिलाप है। पंचक प्रातः 7:00 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया– लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:22 तक, शुभ 10:47 से 12:11 तक, चर 3:00 से 4:25 तक, लाभ 4:25 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 12:00 से 1:30 तक, सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 5:50

मेष
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक नहीं रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कुंभ
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
घर-परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद हो सकते हैं। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Hindu Community on the Volga — Accounts of Dimandas's fortune at the time of his death put it at around three lakh Russian roubles, an enormous sum in the context of the period

Everyone Writes Day

A Print? A Living Textile Tradition!

छात्र आंदोलन का असर सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने की भारत की कोशिशों पर भी पड़ेगा

सरकार द्वारा आंदोलन से निपटने के तरीके से लोकतंत्र के संबंध में भारत के दावे कमज़ोर पड़ रहे हैं

- प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों, जैसे एसोसिएटेड प्रैस, गार्जियन, रॉयटर्स व अल जज़ीरा ने भारत के इस छात्र आंदोलन को व्यापक कवरेज दी है।
- इस कवरेज में पुलिस द्वारा पत्रकारों व छात्रों को पकड़ने, उन्हें पीटने तथा एसआईआर के मुद्दे को प्रमुखता दी गई है।
- भारत, यूएन में बड़ी भूमिका के लिए हमेशा यह दावा करता रहा है कि वह विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन, छात्र आंदोलन से डील करने के तरीकों से सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था होने का भारत का यह दावा कमज़ोर पड़ा है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए छात्र प्रदर्शनों से निपटने के भारत के तरीके ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान बनाने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (युनाइटेड नेशन्स सिक्युरिटी काउन्सिल-यूएनएससी) में स्थायी सीट पाने की कोशिश कर रहा है, इस घटना ने नई दिल्ली की छवि के लिए एक चुनौती खड़ी कर दी है।

"द गार्डियन", "रॉयटर्स", "एसोसिएटेड प्रेस" (एपी) और "अल जज़ीरा" जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने अपनी रिपोर्टों और टिप्पणियों में कुई मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया है। इनमें पुलिस द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लेना, पत्रकारों पर हमले, प्रदर्शनों पर पाबंदियां और मतदाता सूची में संशोधन से जुड़े विवाद शामिल हैं।

इस कवरेज ने नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक जवाबदेही के मामले में भारत के घरेलू रिकॉर्ड को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के केन्द्र में ला दिया है। भारत अक्सर वैश्विक शासन में बड़ी भूमिका के अपने दावे को मजबूत करने के लिए खुद को "दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र" बताता है। ऐसे में, ये घटनाएं भारत की अंतर्राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और उसके घरेलू संस्थानों के कामकाज के बीच के संबंध पर सवाल खड़े करती हैं।

सबसे तीखी आलोचना "द गार्डियन" की ओर से आई है। अखबार ने 12 अक्टूबर के अपने संपादकीय में तर्क दिया कि सरकार की प्रतिक्रिया से लोकतांत्रिक संकट और गहरा हो सकता है। अखबार ने इस कार्रवाई को चुनाव की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक संस्थानों की विश्वसनीयता से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ते हुए कहा कि सरकार केवल प्रदर्शनों को दबाकर लोकतांत्रिक जवाबदेही से जुड़े सवालों का समाधान नहीं कर सकती।

वहीं, "रॉयटर्स" और एपी ने उन आरोपों को प्रमुखता से उठाया, जिनमें कहा गया है कि प्रदर्शनों को कवर कर रहे पत्रकारों को हिरासत में लिया गया और उन्हें पीटा गया। उनकी रिपोर्टों में, प्रेस द्वारा पुलिस के कामकाज की निगरानी की क्षमता तथा राजनीतिक रूप से संवेदनशील घटनाओं पर स्वतंत्र रूप से रिपोर्ट कर सकने की क्षमता पर चिंता जताई गई।

"अल जज़ीरा" ने राष्ट्रीय राजधानी में लगाई गई सुरक्षा पाबंदियों पर ध्यान केन्द्रित किया। इनमें परिवहन और इंटरनेट सेवाओं में रुकावटें, और प्रदर्शनकारियों के इकट्ठा होने से पहले ही उन्हें हिरासत में ले लिया जाना शामिल है। अपनी कवरेज में उन्होंने इन प्रदर्शनों को मतदाता सूची में संशोधन से जुड़े विवाद और युवा भारतीयों की शिकायतों के व्यापक संदर्भ में देखा।

हालांकि इन मीडिया संस्थानों के दृष्टिकोण अलग-अलग थे, लेकिन उनकी रिपोर्टिंग में एक बात समान थी: क्या प्रशासन द्वारा सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर दी गई दलीलों के अनुपात में उनकी प्रतिक्रिया उचित थी? और क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिग्विजय सिंह ने "सत्य सनातन स्वाभिमान" यात्रा शुरु की

उज्जैन, 20 अक्टूबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' मंगलवार को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हो गई है। करीब 950 किमी की यह यात्रा लगभग 70 दिन में अयोध्या के श्रीराम मंदिर पहुंचेगी।

- उज्जैन से शुरु हुई यात्रा 950 किलोमीटर चल कर 70 दिन में अयोध्या पहुँचेगी।

विजयादशमी के अवसर पर यात्रा के शुभारंभ से पहले, दिग्विजय सिंह ने अपनी पत्नी अमृता राय के साथ चिंतामन गणेश के दर्शन किए। इसके बाद वे बालाजी गार्डन में पार्थिव शिवलिंग बनाने पहुंचे और यहां शिवलिंग का पूजन किया। यहां पर बड़ी संख्या में संत समाज एकत्रित था। बालाजी गार्डन में उपस्थित जन समहू ने शिवलिंग का निर्माण किया, इस दौरान राम और शिव धुन के भजन के साथ लोगों ने पूजन-अर्चन किया।

बालाजी गार्डन में दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह भी आयोजन की देखरेख में लगे रहे। कन्या पूजन और भोजन प्रसादी समेत अन्य धार्मिक अनुष्ठान में भाग के बाद दिग्विजिय ने करीब सवा एक बजे यात्रा की शुरुआत की। यात्रा में आगे शिव पार्वती की झांकी एलईडी वेन, डीजे, भजन मण्डली, बेंड दल, राष्ट्रीय ध्वज, धर्म ध्वज, ढ ोल, साधु-संत का करवा शामिल है।

यूसुफ पठान को तृणमूल से बगावत का तोहफा मिला

गुजरात सरकार ने उन्हें वडोदरा में उनके घर के पास का वह भूखंड मात्र आधी कीमत में दे दिया है, जिसे वे 2012 से मांग रहे थे

- ज्ञातव्य है कि 2012 से ही इस जमीन के लिए राज्य सरकार से उनका विवाद चल रहा था, लेकिन तृणमूल छोड़कर एनडीए को समर्थन देने के बाद उन्हें आधी कीमत में जमीन दे दी गई है।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। क्रिकेटर से नेता बने यूसुफ पठान के राजनीतिक निष्ठा बदलने के कुछ ही महीनों बाद गुजरात सरकार ने उन्हें एक तोहफा दिया है। वडोदरा में पठान परिवार के घर के पास स्थित जमीन का एक टुकडा अब आखिरकार उन्हें मिल जाएगा। यूसुफ पठान 2012 से इस जमीन को हासिल करना चाहते थे और इसके लिए लंबी कानूनी तथा प्रशासनिक लड़ाई भी चली थी।

इस साल जून में, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के तुरंत बाद, यूसुफ पठान तृणमूल कांग्रेस के उन 20 सांसदों में शामिल थे, जिन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ बगावत की और कम चर्चित एनसीपीआई में शामिल होकर संसद में एनडीए का साथ दिया। पठान 2024 में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में बहरामपुर लोकसभा सीट पर विजयी हुए थे।

विवादित जमीन लगभग 1,000 वर्ग मीटर में फैली है और वडोदरा के तांडलजा इलाके में पठान परिवार के घर के पास स्थित है। उन्होंने, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के कारण सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए, 2012 में पहली बार इस जमीन पर कब्जा दिए जाने की मांग की थी। यूसुफ और इरफान पठान अपने माता-पिता और परिवार के साथ इसी घर में रहते हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, हाल ही में मंजूर की गई नई व्यवस्था के तहत, इस जमीन के मामले में एक तय समझौता किया गया है। आधिकारिक दिशा-निर्देशों के मुताबिक, जमीन की कीमत का आधा हिस्सा उन विशेष कल्याणकारी नीतियों के तहत समायोजित किया जाएगा, जो गुजरात से देश का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए बनाई गई हैं।

इसका मतलब है कि पठान को राज्य सरकार की ओर से तोहफे के रूप में आधी जमीन मुफ्त मिलेगी और उन्हें जमीन की आधी कीमत, यानी 10 करोड़ रु. ही चुकाने होंगे।

अब राज्य के राजस्व विभाग और नगर निगम के विभागों को जमीन हस्तांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी दी गई है। स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों ने बताया कि आमतौर पर नगर निगम की संपत्तियों की खुली व्यावसायिक नीलामी होती है, लेकिन खेलों को बढ़ावा देने संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत विशेष छूट देकर इस तरह का सीधा समझौता किया जा सकता है।

पठान ने 2012 में सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए इस जमीन को 99 साल की लीज पर देने की मांग की थी। शुरुआत में स्थानीय नगर निगम ने आवास की सुरक्षा के उद्देश्य से जमीन हस्तांतरित करने के प्रस्ताव दिए थे। लेकिन बाद में राज्य के उच्च अधिकारियों ने यह कहते हुए इस कदम को मंजूरी नहीं दी कि सार्वजनिक संपत्तियों के लिए पारदर्शी सार्वजनिक बोली जरूरी है।

समय के साथ यह मामला और जटिल होता गया और इस दौरान प्रशासनिक तथा राजनीतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी के सभी जिलों में सरदार पटेल की जयंती मनाएगी भाजपा

कुर्मी जाति के असंतुष्ट मतदाताओं को रिझाने के लिए भाजपा ने यह निर्णय किया है

- सरदार पटेल, जो गुजरात के लेऊवा पाटीदार समुदाय से आते हैं, यूपी के कुर्मी समुदाय में बेहद सम्मानीय माने जाते हैं।
- यूपी में कुर्मी जाति का प्रभाव 48 से 50 सीटों पर है, इसलिए भाजपा कोई कसर छोड़ना नहीं चाहती है।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनावों को देखते हुए, भाजपा ने 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने का फैसला किया है। इसके अन्तर्गत, उत्तर प्रदेश के सभी 98 संगठनात्मक जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के साथ-साथ, 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कुर्मी समुदाय तक पहुंचने की कोशिश भी की जाएगी।

पार्टी के ओबीसी मोर्चा के नेतृत्व में होने वाले इन कार्यक्रमों में, राष्ट्रीय एकीकरण और आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका को उजागर किया जाएगा। पार्टी नेताओं की योजना है कि वे भारत के लौह पुरुष को उचित सम्मान न देने के लिए कांग्रेस की आलोचना करें और इसकी तुलना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' बनाने के फैसले से करें। भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने राजनीतिक कारणों से पटेल के योगदान को कम करके दिखाया है, जबकि मोदी सरकार ने उनके वैश्विक कद को फिर से स्थापित किया है।

सरदार पटेल, जो गुजरात के लेउवा पाटीदार समुदाय से आते थे, उत्तर प्रदेश के कुर्मी समुदाय के बीच बहुत सम्मानित हैं। कुर्मी एक प्रभावशाली खेतिहर ओबीसी समुदाय है तथा राज्य की कुल आबादी में इनकी भागीदारी 5-7 प्रतिशत है। पूर्वांचल, अवध, मध्य उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पटाखा मुक्त दिवाली के लिए पूरे देश में अभियान

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। दिवाली पर वायु प्रदूषण कम करने और पर्यावरण अनुकूल उत्सव को बढ़ ावा देने के लिए, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया ने देशव्यापी हरित दिवाली अभियान शुरू किया है। यह अभियान 20 अक्टूबर से 8 नवंबर तक चलेगा। इसके तहत लोगों से पटाखे नहीं जलाने, दीये और ऊर्जा दक्ष रोशनी अपनाने तथा कचरे का उचित निपटान करने की अपील की गई है।

- डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया यह अभियान 20 अक्टूबर से 8 नवम्बर तक चलायेगी।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के कार्यक्रम केन्द्र और संसाधन भागीदार ने यह पहल शुरू की है। अभियान के तहत, स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षिणक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका गांधी करेंगी, अखिलेश के साथ सीट शेयरिंग वार्ता

पार्टी के अतरंग सूत्रों ने बताया कि नवम्बर तक सीटों के बंटवारे को फाइनल कर लिया जाएगा

- इस बार, कांग्रेस के 2024 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव के डेटा के आधार पर सीटों की लिस्ट तैयार की गई है। इनमें से 100 सीटों को "ए" श्रेणी में रखा गया है। 40 से 50 को "बी" श्रेणी में और 25 से 55 को "सी" श्रेणी में।
- कांग्रेस अमेठी, सहारनपुर व रायबरेली की विधानसभा सीटों पर भी दावा कर रही है, जहाँ अभी सपा के विधायक हैं। इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की सीटों पर भी दावा किया गया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में 125 सीटें हासिल करने की कोशिश कर रही है।

समाजवादी पार्टी के साथ बातचीत शुरू करने के उद्देश्य से, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ सीटों के बँटवारे को लेकर तीन घंटे लंबी बैठक की। बैठक में लगभग 175 सीटों पर चर्चा हुई।

कांग्रेस ने करीब 100 'श्रेणी ए' सीटों, 40 से 50 'श्रेणी बी' सीटों और 25 से 35 'श्रेणी सी' सीटों की सूची तैयार की है।

प्रियंका गांधी और उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के बीच इस सप्ताह एक और बैठक होनी है। इसके बाद कांग्रेस समाजवादी पार्टी को लगभग 125 से 150 सीटों की सूची सौंप सकती है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि इस कवायद का उद्देश्य नवंबर तक सीटों के बँटवारे को अंतिम रूप दे देना है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीटों के बँटवारे की बातचीत में प्रियंका गांधी की अहम भूमिका होगी। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस के असफल चुनाव अभियान का नेतृत्व किया था। उस समय कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ा था और केवल दो सीटें जीत पाई थी।

इस बार, कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों और 2017 के विधानसभा चुनावों के आँकड़ों के आधार पर अपनी सीटों की सूची तैयार कर रही है। पार्टी का लक्ष्य हर लोकसभा क्षेत्र में कम से कम एक विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ना है।

2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। इन चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन में अप्रत्याशित सुधार हुआ और उसने कुल 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उनमें से छह पर जीत हासिल की थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस 38 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही और 42 अन्य क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही। इन सभी 80 सीटों को पार्टी की इच्छित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पावटा में 50 फीट ऊंचे रावण का दहन, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा कस्बा

75 साल पुरानी परंपरा का भव्य उत्सव, आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में निकली भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा, रावण दहन देखने उमड़ा जनसैलाब

पावटा(निसं)। असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व पावटा में श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मैदान से शाम को भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद दशहरा मैदान पावटा में 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण दहन के दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इस ऐतिहासिक परंपरा से जुड़े आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, बच्चे और आसपास के ग्रामीण पहुंचे। भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा ने कस्बे में धार्मिक उत्सव का माहौल बना दिया। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते श्रद्धालु और रामभक्ति में लीन लोग आकर्षण का केंद्र रहे। जगह-जगह लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। भगवान श्रीराम के

आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मैदान से भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

आदर्शों, मर्यादा और धर्म की विजय का संदेश देती शोभायात्रा ने लोगों को रामायण के प्रसंगों की याद दिलाई। पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। विजयादशमी के अवसर पर 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। जैसे ही रावण दहन हुआ, उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के जयकारों के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में आयोजन को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। रावण दहन के साथ ही लोगों ने समाज में व्याप्त बुराइयों, अहंकार, अन्याय और अधर्म को त्यागकर सत्य एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश ग्रहण किया। आदर्श रामलीला मंडल पावटा की रामलीला क्षेत्र की पुरानी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में शामिल है। मंडल की ओर से लगभग 75 वर्षों से रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही इस परंपरा के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, त्याग, मर्यादा और धर्म के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और धार्मिक मूल्यों को जीवंत रखने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी है।

रामलीला के प्रसंगों ने दिया धर्म और मर्यादा का संदेश: रामलीला मंचन के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया। राम जन्म, सीता विवाह, वनवास, केवट प्रसंग और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के आदर्श जीवन से परिचित कराया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को रामकथा से जोड़ने का प्रयास किया। रामलीला के समापन पर रावण दहन के साथ बुराई के अंत और सत्य की विजय का संदेश दिया गया। पावटा में रामलीला और रावण दहन का आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक मेल-मिलाप का भी प्रतीक बना। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों से जुड़ने का अवसर मिलता है।

आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। रावण दहन केवल एक पुतले का दहन नहीं, बल्कि अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय जैसी बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प है।

अलवर पंचायत चुनाव में 141 नाम वापसी, अब 451 उम्मीदवार मैदान में

■ **नाम वापसी के बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए, राजनीतिक दलों को उन्हीं की पार्टी के चुनाव चिन्ह मिले हैं, बाकी निर्दलीय उम्मीदवारों को गुब्बारा, आलमारी, कोट, सेब, बाल्टी, चारपाई समेत कई चुनाव चिन्ह आवंटन हुए**

अलवर(निसं)। अलवर में पंचायती राज चुनाव के द्वितीय चरण के लिए अब 451 उम्मीदवार मैदान में हैं। सोमवार को 141 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए हैं। इसी के साथ प्रमुख राजनीतिक दलों के कुछ उम्मीदवारों को भी राहत मिली है। क्योंकि टिकट न मिलने के कारण कई बागियों ने नामांकन करा दिए थे, जिसमें पार्टियां कुछ को मनाने में कामयाब रहीं। नाम वापसी के बाद चुनाव चिन्ह का आवंटन भी किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि द्वितीय चरण के चुनाव में पांच पंचायत समितियां शामिल हैं, जिनमें पंचायत समिति उमरैण, मालाखेड़ा, लक्ष्मणगढ़, राजगढ़ व थानागाजी शामिल हैं। उमरैण पंचायत समिति सदस्य के पद के लिए 28 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए। अब यहां 25 वार्डों से 104 प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। पंचायत समिति मालाखेड़ा से 25 प्रत्याशियों की नाम वापसी के बाद अब 112 अभ्यर्थी मैदान में हैं। इसी तरह पंचायत समिति लक्ष्मणगढ़ से 36 लोगों ने नाम वापस लिए। अब यहां से 68 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में हैं। पंचायत समिति राजगढ़ से 30 अभ्यर्थियों के नाम लेने के बाद 93 उम्मीदवार बचे हैं। पंचायत समिति थानागाजी में 22 अभ्यर्थियों के नाम वापस लेने के बाद 74 अभ्यर्थी चुनाव लड़ेंगे।

नाम वापसी के बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। राजनीतिक दलों को उन्हीं की पार्टी के चुनाव चिन्ह मिले हैं। बाकी निर्दलीय उम्मीदवारों को गुब्बारा, आलमारी, कोट, सेब, बाल्टी, चारपाई समेत कई चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। राजनीति में कई ऐसे किस्से होते हैं, जो लंबे समय तक चर्चा में बने रहते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम वर्ष 2015 में देखने को मिला, जब भाजपा के टिकट पर पंचायत समिति सदस्य बनीं मंजू पटेल अगले ही दिन कांग्रेस के टिकट पर पंचायत समिति प्रधान बन गई थीं। वर्ष 2015 में मंजू पटेल भाजपा के टिकट पर पंचायत समिति सदस्य का चुनाव जीतकर आई थीं। इसके बाद प्रधान पद के चुनाव के समय भाजपा ने ऐन मौके पर उन्हें अपना उम्मीदवार नहीं बनाया। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस ने राजनीतिक परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए मंजू पटेल को प्रधान पद का उम्मीदवार बना दिया। अगले ही दिन सुबह हुए प्रधान पद के चुनाव में मंजू पटेल प्रधान बन गईं। उस समय अलवर में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष टीकाराम जूली थे, जबकि भाजपा की ओर से क्षेत्रीय विधायक जयराम जाटव थे। प्रधान पद के चुनाव में हुए इस घटनाक्रम को स्थानीय राजनीति के उन किस्सों में गिना जाता है, जहां टिकट वितरण और ऐन मौके पर लिए गए फैसलों ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए।

सार-समाचार

अवैध जुआ-सट्टा खेलते हुए चार आरोपी गिरफ्तार

टोंक(निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में उनियारा वृताधिकारी एवं थानाधिकारी सोप राजकुमार के नेतृत्व में गठित अलग-अलग थाना टीमो द्वारा कार्यवाही करते हुए सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्ते से जुआं खेलते पाये जाने पर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 हजार 400 रूपये नगद जप्त किये। इस कार्यवाही में पुलिस ने आरोपी संजय तेली पुत्र कल्ला कंजर उम्र 46 साल, रिक्की पुत्र कालू कंजर उम्र 24 साल, लखन तेलीवाल पुत्र श्री ख्याली कंजर उम्र 33 साल निवासी कंजर बस्ती सोप, व हनुमान पुत्र शंकरलाल खटीक उम्र 42 साल निवासी बरडा बस्ती सोप को गिरफ्तार किया जाकर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

निधन के बाद नेत्रदान व देहदान कर भटनागर परिवार ने पेश की मिसाल

अलवर(निसं)। अलवर निवासी सुरेन्द्र स्वरूप भटनागर (ऋषि भटनागर) के निधन के बाद उनके परिजनों ने नेत्रदान और देहदान कर समाज के सामने सेवा और मानवता की मिसाल पेश की। भटनागर का निधन 19 अक्टूबर को हुआ था। उनके परिजनों ने उसी दिन श्रॉफ आई हॉस्पिटल, अलवर को नेत्रदान किया। इसके बाद 20 अक्टूबर को उनकी देह ईएसआई मेडिकल कॉलेज, अलवर को दान की गई। भटनागर की देहदान की प्रक्रिया में महावीर इंटरनेशनल केंद्र, अलवर के केंद्र संरक्षक एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुरेन्द्र जैन का विशेष सहयोग रहा। परिजनों के इस निर्णय से चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान का मार्ग प्रशस्त हुआ है। नेत्रदान से जरूरतमंद लोगों को दृष्टि मिलने की संभावना भी बनी है। महावीर इंटरनेशनल केंद्र के सदस्यों ने भटनागर के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनके परिजनों के इस निर्णय की सराहना की। केंद्र की ओर से दिवंगत आत्मा की शांति और सद्गित के लिए प्रार्थना की गई। यह जानकारी केंद्र अध्यक्ष वीर जिनेन्द्र जैन ने दी

बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश के साथ जिलेभर में मनाया दशहरा

टोंक(निसं)। विजयादशमी के पर्व पर मंगलवार को जिला मुख्यालय पर दो स्थानों पर रावण दहन किया गया। जिसमें मुख्य आयोजन खेल स्टेडियम के पास हाट बाजार (दशहरा मैदान) में श्रीरामलीला व दशहरा महोत्सव समिति, नगर परिषद के तत्वावधान में हुआं। इस दौरान करीब 4.50 लाख रुपए की लागत से बने 51 फीट ऊंचे रावण व 45-45 फीट के कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया। इस पावन पर्व पर श्रीराम सेना की शोभायात्रा रामकृष्ण मंदिर नौशेमियां के पुल से बैंड बाज व आतिशबाजी के साथ गांधी खेल मैदान में पंहुचा। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला, जहां गांधी खेल मैदान में पहुंचने के बाद रावण के पुतले का दहन किया गया। पुतला दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। इसी प्रकार टोडारायसिंह मुख्यालय पर रावण दहन के दौरान श्रीराम की शोभायात्रा बीसलपुर मार्ग से होकर कटला प्रांगण से जुलूस, देवी-देवताओं की झांकियां और राम-रावण संवाद आयोजन के साथ निकाली गई।

अलवर में पहली बार रिर्मोट से रावण दहन किया गया

अलवर(निसं)। इस बार भी बुराई का प्रतीक रावण धू धू करके जला जलने से पहले रावण के पुतले की आखों से चिंगारियां निकली तो श्री राम से युद्व करने की नीयत से उसने तलवार भी चलाई और अपनी जीब को भी हिलाया लेकिन अपने अन्त को नही बचा सका आज पहली बार अलवर में रिमोंट द्वारा रावण का दहन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयदशमी का पर्व आज उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर शहर के अलग-अलग गली-मोहल्लों में रावण के पुतलों का दहन किया। वहीं, अलवर शहर के दशहरा मैदान में पुरुषार्थी समिति की ओर से विशेष समारोह आयोजित हुआ। समिति की ओर से तीनों पुतले सोमवार को दशहरा मैदान पहुंचाए गए। इन्हें क्रेन की सहायता से खड़ा किया गया है। इस बार रावण दहन पारंपरिक तरीके से तीर चलाकर नहीं, बल्कि रिमोट के जरिए किया जाएगा। आयोजन को खास बनाने के लिए मैदान में आकर्षक लाइटिंग और ग्रीन आतिशबाजी की व्यवस्था भी की गई। विजयदशमी पर होने वाले इस कार्यक्रम में रावण दहन मुख्य आकर्षण रहा इस बार दशहरा मैदान में रावण का पुतला 65 फीट ऊंचा बनाया गया। वहीं, कुंभकर्ण का पुतला 60 फीट और मेघनाद का पुतला 55 फीट ऊंचा। रावण के पुतले में विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसकी मदद से रावण के हाथ हिलते हुए और तलवार चलाते हुए नजर। इस तरह पुतले को पहले से ज्यादा आकर्षक बनाया गया। रिमोट से दहन की व्यवस्था भी इस बार के आयोजन की खास बात है।

निजी अस्पतालों और लैब की बनेगी डिजिटल आईडी

टोंक(निसं)। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत जिले में निजी स्वास्थ्य संस्थानों और स्वास्थ्य पेशेवरों को डिजिटल व्यवस्था से जोडऩे के लिए 15 से 30 अक्टूबर तक सघन ड्राइव अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोडऩे के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित संस्थानों और पेशेवरों की डिजिटल पहचान तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अभियान के दौरान निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों एवं अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों की एचपीआईडी (हेल्थकेयर प्रोफेशनल आईडी) बनाई जाएगी। वहीं, पात्र निजी अस्पताल, क्लीनिक, फार्मेसी, लैब और सोनोग्राफी सेंटर की एचएफआईडी (हेल्थकेयर फैसिलिटी आईडी) बनाई जाएगी। इसके माध्यम से निजी स्वास्थ्य संस्थानों और उनमें सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य पेशेवरों को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

रावण दहन पर किशनगढ़ बास के विकास के लिए 50 लाख की घोषणा

किशनगढ़ बास(निसं)। विजयदशमी पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में हर साल की तरह इस साल भी नगर पालिका का मंच सजा, हजारों की भीड़ जुटी, नेता आए और भगवान श्री राम ने तीर से रावण, मेघनाद, कुंभकर्ण के पुतलों में आग लगाकर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। लेकिन इस जीत के शोर में हर बार कला मंच के जर्जर भवन के निर्माण के लिए नहीं पूरे शहर के विकास के लिए 50 लाख रुपए की घोषणा नगर पालिका को दिए जाने की घोषणा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने की है। उन्होंने कहा है नगर पलिका अध्यक्ष शहर में कहीं भी विकास के काम में लें सकते हैं। इससे पहले किशनगढ पीजी ग्राउंड में करीब 15 दिन से चल रही रामलीला के कलाकारों ने विजयदशमी पर भगवान राम की भव्य बारात निकाली।

किशनगढ़ बास दशहरा मैदान पर कार्यक्रम के दौरान व्यास पीठ पर रामायण की आरती करते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

पीजी ग्राउंड से निकली बारात शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई दशहरा मैदान पहुंची। ट्रैक्टर-गाड़ियों में राम, हनुम दशहरा मैदान में कला मंच के कलाकारों ने रावण वध की लीला का इतना प्रभावी मंचन किया कि पूरा ग्राउंड जयकारों से गूंज उठा। हजारों की भीड़ के बीच पहुंचे केंद्रीय मत्री भूपेंद्र यादव ने मंच से असत्य पर सत्य की जीत का संदेश दिया, रामायण जी और भगवान श्री राम की आरती की, शहरवासियों को विजयदशमी की बधाई दी।

पद के अनुरूप कार्य आवंटन की मांग

भरतपुर (निसं)। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (रूक्टा) ने राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग से आगामी पंचायत चुनावों में राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत सहायक आचार्यों एवं आचार्यों को उनके पद एवं वेतनमान के अनुरूप निर्वाचन कार्य आवंटित करने की मांग की है। रूक्टा के अध्यक्ष प्रो. रघुराज परिहार एवं महामंत्री प्रो. बनय सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग, जयपुर को पत्र प्रेषित कर बताया कि सवाई माधोपुर, सिरोही एवं डूंगरपुर जिलों में निर्वाचन अधिकारियों द्वारा महाविद्यालयों में कार्यरत सहायक आचार्यों, सह आचार्यों एवं आचार्यों को रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया गया है। संगठन ने इसे अधिकारियों को पद एवं वेतनमान के अनुरूप चुनाव कार्य आवंटित निर्धारित करने के चुनाव आयोग के निर्देशों के विपरीत बताया है। भारत निर्वाचन आयोग के दिनांक 07 जून 2023 के दिशा-निर्देशों का उल्लेख करते हुए पत्र के माध्यम से मांग की गई है।

टिकट की दावेदारी को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ा कांग्रेस कार्यकर्ता

पूर्व विधायक पर टिकट बेचने के लगाए आरोप

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में मंगलवार को भाजपा कार्यालय के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब कांग्रेस का एक कार्यकर्ता पानी की टंकी पर चढ़ गया। जिला परिषद के वार्ड नंबर 21 से टिकट नहीं मिलने की आशंका के चलते नाराज कार्यकर्ता ने पूर्व विधायक अमर सिंह पर टिकट बेचने का आरोप लगाया। करीब ढ़ाई घंटे तक चले समझाइश के दौर के बाद कांग्रेस नेताओं के आश्वासन पर कार्यकर्ता टंकी से नीचे उतर आया।

भरतपुर में जिला परिषद चुनाव को लेकर कांग्रेस में टिकट की दावेदारी के बीच मंगलवार को एक कार्यकर्ता की नाराजगी सामने आई। भाजपा कार्यालय के पास बनी पानी की टंकी पर चढ़े कांग्रेस कार्यकर्ता योगेंद्र सिंह ऐलू ने पूर्व विधायक अमर सिंह पर टिकट वितरण में भ्रष्टाचार करने और टिकट बेचने के आरोप लगाए। कार्यकर्ता का कहना था कि वह पिछले 18 वर्षों से कांग्रेस से जुड़ा हुआ है और संगठन में विभिन्न पदों पर काम कर चुका है, लेकिन इसके बावजूद उसे टिकट देने से इनकार किया जा रहा है। योगेंद्र सिंह ऐलू ने बताया कि उसने पहले जिला परिषद के वार्ड नंबर 22 से टिकट मांगा था। उसका आरोप है कि उस समय भी टिकट किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया गया। इस बार वह वार्ड नंबर 21 से टिकट की दावेदारी कर रहा है, लेकिन उसे मना कर दिया गया। योगेंद्र ने आरोप लगाया कि जिस व्यक्ति को वार्ड नंबर 21 से टिकट देने की चर्चा है, वह भाजपा का कार्यकर्ता रहा है। उसने टिकट वितरण की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की।

टोंक में श्मशान घाट पर सफाई अभियान चलाया

टोंक(निसं)। नगर परिषद की पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन के जन्मदिन के अवसर पर कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन को सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अनूठी पहल करते हुए बहीर श्मशान घाट पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया, जहां उन्होने जुनून, मेहनत और उत्साह के साथ मात्र दो घंटे में श्मशान घाट की तस्वीर ही बदल गई।

जहां कार्यकर्ताओं ने हाथों में झाड़ू, फावड़े और सफाई के उपकरण लेकर श्रमदान किया। कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सफाई कर यह संदेश दिया कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि समाज के लिए कुछ अच्छा करने का भी अवसर है।

जिसके बाद उन्होने सिंघीवाल के जरूरतमंद बच्चों को मिठाइयां वितरित की, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान देखकर कार्यकर्ताओं में भी विशेष उत्साह नजर आया। इस अवसर पर सामाजिक समरसता और जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने का संदेश दिया गया।

55 फीट ऊंचा रावण धू-धू कर जला, कुंभकरण-मेघनाद का भी दहन

मनोहरपुर(निसं)। बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक दशहरा पर्व पर मनोहरपुर कस्बे में उल्लास और उत्साह का माहौल रहा। अंबेडकर नगर स्थित शिव गंगा माता मंदिर परिसर से भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमान की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

■ **राम-लक्ष्मण-हनुमान की भव्य शोभायात्रा निकली, तलवारबाजी और डांड-पट्टा के हैरतअंगेज करतबों ने मोहा मन**

धार्मिक भजनों और डीजे की धुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु गांधी चौक होते हुए माधोवेणी नदी तट स्थित दशहरा मैदान पहुंचे। यहां शाम करीब 6:15 बजे हजारों लोगों की मौजूदगी में 55 फीट ऊंचे रावण तथा 45-45 फीट ऊंचे कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। रावण दहन के साथ ही पूरा मैदान जय श्रीराम के

हजारों लोगों की मौजूदगी में 55 फीट ऊंचे रावण तथा 45-45 फीट ऊंचे कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया।

जयकारों से गूंज उठा।

शोभायात्रा में राम दरबार की सजीव झांकी ने लोगों का मन मोह लिया। भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमान के स्वरूपों की अगुवाई में निकली शोभायात्रा में श्रद्धालु धार्मिक भजनों पर झूमते नजर आए। युवाओं ने रंग-गुलाल उड़ाकर पर्व की खुशियां मनाईं। दशहरा मैदान में रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित पहुंचे। शोभायात्रा के दौरान दादू आश्रम के कलाकारों ने डांड-पट्टा, तलवारबाजी सहित कई रोमांचक करतब दिखाए। कलाकारों के हैरतअंगेज प्रदर्शन को देखकर दर्शक दांतों तले अंगुलियां दबाने को मजबूर हो गए। अखाड़ेबाजों के प्रदर्शन ने शोभायात्रा को और भी आकर्षक बना दिया।

शाम करीब 6:15 बजे दशहरा मैदान में रावण दहन का कार्यक्रम हुआ। भगवान राम और लक्ष्मण के स्वरूपों ने बाण चलाकर रावण के पुतले का दहन किया। इसके साथ ही कुंभकरण और मेघनाद के पुतले भी धू-धू कर जल उठे। इस दौरान मैदान में मौजूद लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए।

ऑपरेशन संकल्प नशा मुक्त अभियान में दो युवक गिरफ्तार

■ **कार्यवाही में 7.50 ग्राम स्मैक व 1.700 किलो के पांच गांजे के पौधे जब्त**

टोंक(निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना डिग्गी पुलिस टीम व कोतवाली थाना पुलिस के साथ जिला स्पेशल टीम ने जिले केअलग-अलग स्थानो पर दबिश देकर स्मैक तस्करी और गांजे की अवैध खेती का खुलासा किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम कार्यवाही डिग्गी थाना क्षेत्र के कलमंडा गांव में की जाकर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में टीम ने डिग्गी थाना क्षेत्र में करीब डेढ्र लाख रुपए कीमत की 7.50 ग्राम स्मैक जब्त की है तथा टीम ने कार्यवाही कर आरोपी आमिर उर्फ इम्मू (उम्र 25 साल) पुत्र शाहजादा निवासी बहीर कोतवाली थाना टोंक को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी के पास से करीब 7.50 ग्राम स्मैक के साथ 3 हजार 400 रुपए नकद व एक इलेक्ट्रिक कांटा, मोबाइल और मोटरसाईकिल भी जब्त की है। इसी प्रकार अन्य टीम में कोतवाली थाना पुलिस टीम व डीएसटी ने टोंक शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अभियान में कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में स्थित एक मकान पर छापा मारकर गांजे के पांच पौधे जब्त किए। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने आरोपी अब्दुल वली खान उम्र 19 साल निवासी सिवाली, मछली मार्केट को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 किलो 700 ग्राम गांजे के पांच पौधो जप्त किये।

संघ के स्थापना दिवस पर पावटा में भव्य पथ संचलन निकला

विजयादशमी उत्सव एवं विराट पथ संचलन का आयोजन उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में हुआ।

पावटा(निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पावटा के तत्वावधान में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 101वां स्थापना दिवस, विजयादशमी उत्सव एवं विराट पथ संचलन का आयोजन उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में नगर के स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों का अनुशासित कदमताल और एकरूपता आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में मुख्य बौद्धिक कर्ता के रूप में नवनीत गौड़ उपस्थित रहे। अपने बौद्धिक संबोधन में उन्होंने संघ की स्थापना के उद्देश्यों, राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका तथा सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति के विचारों पर प्रकाश डाला। पथ संचलन का प्रारंभ आदर्श विद्या मंदिर, पावटा से हुआ। स्वयंसेवकों ने नगर के प्रमुख मार्गों से अनुशासित रूप से संचलन किया। मार्ग में नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक पथ संचलन का स्वागत किया। पूरे आयोजन में सामाजिक समरसता, संगठन, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश देखने को मिला। विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन ने नगर में उत्साह और राष्ट्रभक्ति का वातावरण निर्मित किया। पद संचलन के मार्ग में मातृशक्ति द्वारा जगह-जगह रंगोली बनाई गई और नगर वासियों को द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संघ के स्वयंसेवक एवं नगरवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संघ के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में खंड कार्यवाह रघु मिश्रा, मनीष सैन, रामसिंह जाट, अंकित, पंकज जिंदल, संजय सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

करणी माता मेले के बाद वन विभाग ने बंद किया गेट, स्थानीय लोगों में आक्रोश

नवमी की तिथि को लेकर श्रद्धालुओं और वन विभाग के बीच विवाद की स्थिति बन गई और कुछ समय तक हंगामा हुआ

अलवर(निसं)। किले पर स्थित करणी माता मंदिर के दर्शन के लिए मंगलवार को पहुंचे श्रद्धालुओं को उस समय परेशानी का सामना करना पड़ा, जब वन विभाग ने गेट बंद कर दिया। गेट बंद होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान नवमी की तिथि को लेकर श्रद्धालुओं और वन विभाग के बीच विवाद की स्थिति बन गई और कुछ समय तक हंगामा हुआ।

वन विभाग का कहना था कि नवरात्र के दौरान करणी माता मंदिर के दर्शन के लिए गेट निर्धारित अवधि में केवल नवमी तक खोला जाता है। विभाग के अनुसार, नवमी सोमवार को ही संपन्न हो गई थी, इसलिए मंगलवार को गेट बंद कर दिया गया। वहीं, मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे कुछ श्रद्धालुओं का कहना था कि वे मंगलवार को नवमी मना रहे हैं और शास्त्र सम्मत तिथि के अनुसार दर्शन

करणी माता मंदिर के दर्शन के लिए गेट पर खड़े लोग, वन विभाग ने बंद किया गेट।

के लिए आए हैं। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। करणी माता मंदिर के महंत उमेश शर्मा ने बताया कि मेले के आयोजन को लेकर पहले बैठक होती है, जिसमें व्यवस्थाओं और गेट बंद रखने की अवधि पर निर्णय लिया जाता है। उन्होंने कहा कि बैठक में स्पष्ट रूप से तय किया जाना चाहिए कि गेट कब से कब तक बंद रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए समय-सीमा स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि उन्हें परेशानी का सामना नहीं करना पडे। महंत के अनुसार, गेट बंद किए जाने के विरोध में ही स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया।

चांदपोल के रामचंद्र जी मंदिर में शस्त्र पूजन

जयपुर। विजयादशमी पर मंगलवार को चांदपोल बाजार स्थित ठिकाना मंदिर रामचंद्रजी में रियासतकालीन परंपरा के अनुसार आयुध-शस्त्र पूजन किया गया। शाम छह बजे महंत परिवार की ओर से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धनुष, बाण, तलवार, खड्ग, कटार, भाला, गदा, बंदूक और फरसा सहित विभिन्न प्राचीन शस्त्रों की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिर में ठाकुरजी का राजसी दरबार सजाया गया। हवाई आतिशबाजी और बधाई उत्सव के बीच श्रद्धालुओं ने विजयादशमी का पर्व मनाया।

महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि मंदिर में रियासतकाल से ही विजयादशमी के दिन शस्त्र पूजन की परंपरा निभाई जा रही है। उनके अनुसार, जयपुर में इस मंदिर में विशेष रूप से आयुध पूजन किया जाता है। प्राचीन शस्त्रों को सुरक्षित रखने के लिए मंदिर में अलग से शस्त्रागार भी बना हुआ है। दशहरे के दिन इन शस्त्रों को बाहर निकालकर विधि-विधान से पूजा जाता है। मंदिर के शस्त्रागार में कई ऐतिहासिक और प्राचीन आयुध सुरक्षित हैं। इनमें करीब 10 किलो वजन और तीन फीट लंबा धनुष विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसे वर्ष 1882 में माजी साहब गुलाब कंवर ने भेंट किया था।

विजयादशमी पर सामाजिक समरसता एवं संगठन शक्ति को सुदृढ़ करने का आह्वान

स्वयंसेवकों ने शारीरिक प्रदर्शन के माध्यम से सामूहिकता और संगठन शक्ति का परिचय दिया

जयपुर। गोविन्द नगर, गालव भाग में विजयादशमी उत्सव एवं त्रिवेणी पथ संचलन का आयोजन प्रात: 7.15 पर मुंशी राम दास जी के गार्डन गंगापोल पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सचिन जी टिम्बले , ग्रुप कैप्टन भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत एवं अशोक जैन माननीय भाग संघ चालक का सानिध्य प्राप्त हुआ। बौद्धिक कर्ता दिनेश जी, जयपुर प्रान्त सह व्यवस्था प्रमुख रहे। कार्यक्रम में शस्त्र पूजन, शारीरिक प्रदर्शन एवं बौद्धिक के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, संगठन शक्ति और भारतीय परिवार व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

बौद्धिक में वक्ता ने कहा कि विजयादशमी केवल भगवान श्रीराम की रावण पर विजय का पर्व नहीं है, बल्कि यह असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपने भीतर की दुर्बलताओं को दूर कर समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।

गोविन्द नगर, गालव भाग में विजयादशमी उत्सव एवं त्रिवेणी पथ संचलन का आयोजन किया ।

■ 'विजयादशमी केवल भगवान श्रीराम की रावण पर विजय का पर्व नहीं है, बल्कि यह असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है'

वक्ता ने कहा कि इतिहास में भारत की पराधीनता के प्रमुख कारणों में सामाजिक बिखराव और संगठन के अभाव की भूमिका रही। विदेशी आक्रांताओं एवं अंग्रेजी शासन के दौरान भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक गौरव और पारिवारिक परंपराओं को कमजोर करने के प्रयास हुए। स्वतंत्रता के बाद भी भारतीय इतिहास के गौरवशाली पक्षों को समुचित महत्व देने की आवश्यकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी भारत को अस्थिर करने वाले विभिन्न प्रकार के प्रयासों के प्रति समाज को सजग रहना होगा।

शस्त्र पूजन की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में शस्त्र और शास्त्र दोनों का विशेष महत्व रहा है। शस्त्र शक्ति, सुरक्षा और आत्मरक्षा के प्रतीक हैं, जबकि शास्त्र विवेक, ज्ञान और उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। समाज को इन दोनों के महत्व को समझते हुए शारीरिक एवं बौद्धिक रूप से सशक्त बनना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए वक्ता ने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाले, नि:स्वार्थ भाव से कार्य करने वाले तथा शारीरिक और बौद्धिक रूप से सशक्त व्यक्तियों का निर्माण करना आवश्यक है। संगठन का उद्देश्य समाज को एकजुट करना और हिंदू समाज में आपसी विश्वास, सहयोग तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि पिछले 100 वर्षों में संघ के कार्य के माध्यम से ऐसे स्वयंसेवकों का निर्माण हुआ है, जो जाति-पाति और भेदभाव से ऊपर उठकर समाज एवं राष्ट्र के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं।

न्याय की मांग से ज्यादा नेतृत्व की होड़ में लगे कांग्रेस नेता : जोगाराम

जयपुर। भाजपा ने जयपुर पुलिस आयुक्तालय में कांग्रेस नेताओं के धरना-प्रदर्शन को नौटंकी करार दिया है। विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राहुल गांधी के इशारों पर पर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं में अपने नंबर बढ़ाने के लिए होड़ लगी हुई है, यही कारण है कि धरना-प्रदर्शन कर राजनीतिक स्वांग रचाया जा रहा है। इतना ही नहीं, कांग्रेस नेताओं में यह मामला न्याय की मांग से अधिक नेतृत्व की लड़ाई बन गई है।

पटेल ने कहा कि दिल्ली में पहले ही परिवाद प्रस्तुत किए जाने के बावजूद उसी घटनाक्रम को लेकर जयपुर पुलिस आयुक्तालय में धरना देना कांग्रेस की राजनीति की दिशा और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। राहुल गांधी के आदेश पर कांग्रेस नेता तथ्यों और कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार कर तमाशा करने में जुटे हैं, जबकि मामले में दिल्ली पुलिस पहले से ही कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच कर रही है। लेकिन कांग्रेस देश-प्रदेश में अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को तलाशने का कुत्सित प्रयास कर रही है।

■ दिल्ली पुलिस कर रही कार्रवाई, कांग्रेस क्यों हो रही बेचैन ? - जवाहर सिंह बेढम

वहीं, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि जब शिकायत पहले ही दिल्ली पुलिस के समक्ष प्रस्तुत की जा चुकी है और जांच जारी है, तो जयपुर में उसी मामले को लेकर धरने का औचित्य क्या है, आखिर कांग्रेस इतनी बेचैन क्यों हो रही है। कांग्रेस नेताओं को स्पष्ट करना चाहिए कि जयपुर में धरना देकर किस बात का दबाव बनाया जा रहा है? कानून और जांच प्रक्रिया पर भरोसा करने की बजाय राजनीतिक प्रदर्शन का रास्ता चुनना कांग्रेस की दोहरी राजनीति को उजागर करता है। किसी भी आरोप की सच्चाई का फैसला धरने, नारेबाजी या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और साक्ष्यों से होता है। बेढ़म ने कहा कि कानून सबके लिए समान है। यदि आरोप लगाए गए हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

कैफे की आड़ में चल रहा हुक्का बार का खुलासा

जयपुर। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के राजापार्क स्थित एक कैफे में सोमवार देर रात पुलिस ने छापा मारकर हुक्का बार का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार कैफे की आड़ में हुक्का बार संचालित किया जा रहा था, जहां युवक-युवतियां हुक्का पी रहे थे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 26 युवक-युवतियों को राउंडअप किया। मौके से 20 हुक्के, 60 पाइप और तंबाकू के विभिन्न फ्लेवर के डिब्बे जब्त किए गए हैं। जयपुर स्पेशल कमिश्नर ओम प्रकाश के अनुसार सीएसटी टीम ने राजा पार्क स्थित नाइन्स बींस कैफे में दबिश दी। सूचना के आधार पर टीम ने देर रात कार्रवाई की। पुलिस के पहुंचते ही कैफे में मौजूद युवक-युवतियों में हड़कंप मच गया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से हुक्का बार में इस्तेमाल होने वाला सामान जब्त किया। पुलिस ने कैफे मैनेजर विक्रम सिंह निवासी राजापार्क आदर्श नगर के खिलाफ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कौशल विकास से आजीविका संवर्धन का माध्यम बन रही पीएम विश्वकर्मा योजना

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में संचालित पीएम विश्वकर्मा योजना कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल को आधुनिक तकनीक एवं वित्तीय सहायता से जोड़कर उनके आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण, प्रशिक्षण से लेकर ऋण स्वीकृति तक उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 2 लाख 30 हजार से अधिक कारीगरों का पंजीकरण हो चुका है तथा इस श्रेणी में राजस्थान पूरे देश में चौथे स्थान पर है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के माध्यम से कारीगरों को पारंपरिक कौशल को निखारने, आधुनिक उपकरणों के उपयोग, कार्य की गुणवत्ता में सुधार तथा उद्यमशीलता की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करने के लिए बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाता है। राजस्थान में 2 लाख 22 हजार 473 लाभार्थियों का बेसिक प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। प्रदेश में बढ़ई श्रेणी में 45 हजार 958 और राजमिस्त्री में 38 हजार 450 कारीगरों का सर्वाधिक पंजीकरण हुआ है।

■ 2.30 लाख से अधिक कारीगरों के रजिस्ट्रेशन के साथ देशभर में चौथे स्थान पर राजस्थान
■ देशभर में 30 लाख पंजीकरण का कीर्तिमान स्थापित
■ प्रदेश में 62 हजार से अधिक ऋण स्वीकृत, 2.17 लाख ई-वाउचर जारी

योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को अधिकतम 3 लाख रुपये तक का ऋण रियायती ब्याज दर पर उपलब्ध करवाया जाता है तथा टूलकिट के लिए 15 हजार रुपये तक सहायता प्रदान की जाती है। इसके तहत राजस्थान में 62 हजार से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं। वहीं पात्र कारीगरों को टूलकिट सहायता उपलब्ध कराने के लिए 2 लाख 17 हजार 84 ई-वाउचर जारी किए गए हैं। इससे कारीगरों को आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, कच्चे माल की खरीद के साथ ही कार्यकुशलता में वृद्धि के साथ व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता मिलती है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत केन्द्र सरकार ने देशभर में वर्ष 2028 में 30 लाख कारीगरों एवं शिल्पकारों के पंजीकरण का लक्ष्य रखा था, जिसे निर्धारित समय से पहले ही हासिल किया जा चुका है। इसमें 30 सितंबर 2026 तक पंजीकृत 30 लाख 3 हजार 925 कारीगर एवं शिल्पकारों में से 24.39 लाख से अधिक कारीगरों का बेसिक प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है। वहीं, देशभर में लगभग 5 हजार 350 करोड़ रुपये के 6.23 लाख से अधिक ऋण स्वीकृत एवं 26.17 लाख से अधिक टूलकिट ई-वाउचर जारी किए जा चुके हैं। आईआईएम मुंबई के एक समवर्ती मूल्यांकन के अनुसार इस सर्वे में शामिल लाभार्थियों में से 93 प्रतिशत लाभार्थियों की आय में प्रशिक्षण के बाद उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

महापौर कोठारी ने सड़क किनारे कचरे का ढ़ेर देखकर लिया संज्ञान

जयपुर। नगर निगम महापौर सुनील कोठारी मंगलवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विद्याधर नगर जा रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे कचरे का ढेर देखकर उन्होंने तत्काल संज्ञान लिया और अपना वाहन रुकवाकर मौके का निरीक्षण किया।

■ निजी कार्यक्रम में जाते समय विद्याधर नगर में दिखा कचरे का ढेर, जेसीबी एवं डंपर की सहायता से तत्काल हटवाया कचरा

महापौर कोठारी ने मौके पर ही संबंधित उपायुक्त को फोन कर निर्देश दिए। सीएसआई एवं सफाई टीम को बुलाकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर जेसीबी, डंपर सहित अन्य संसाधनों की सहायता से कचरे के ढेर की सफाई करवाई। जिस स्थान पर कचरा एकत्रित होने से डिपो जैसी स्थिति बन गई थी, वहां तत्काल सफाई करवाकर कचरे को हटाया गया।

नगर निगम महापौर सुनील कोठारी ने मौके पर खड़े रहकर निरीक्षण कर सफाई करवाई।

महापौर की इस त्वरित कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया कि शहर की स्वच्छता नगर निगम की प्राथमिकता है और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे का जमाव किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी के साथ-साथ आमजन भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

राजस्थान संघचालक ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया

जयपुर। करधनी नगर के विजयादशमी उत्सव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्रमुख रहा। अपने उद्बोधन में डॉ अग्रवाल ने विजयादशमी के सांस्कृतिक महत्त्व, संगठन की भूमिका तथा समाजजीवन में एकता, समरसता एवं राष्ट्रभाव को सुदृढ़ करने के विषय को प्रमुखता दी।

जयपुर महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में अनेक पदाधिकारियों एवं वक्ताओं ने स्वयंसेवकों और समाजबंधुओं का मार्गदर्शन किया। मधुबन बस्ती में राजस्थान क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख डॉ. श्रीकांत ने विचार रखे। विद्याधर नगर में जयपुर महानगर बौद्धिक शिक्षण प्रमुख अशोक गर्ग ने मार्गदर्शन किया। भगत सिंह बस्ती, सरदार पटेल नगर में नगर बौद्धिक शिक्षण प्रमुख रुबिन माथुर का बौद्धिक हुआ।

'एसीएस गृह और प्रमुख वित्त सचिव पेश होकर बताए, क्यों नहीं की आदेश की पालना'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिसकर्मियों के पदोन्नित सहित अन्य लाभ देने से जुडे आदेश की पालना नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने तीस अक्टूबर को प्रमुख गृह सचिव और प्रमुख वित्त सचिव को हाजिर होकर बताने को कहा है कि अदालती आदेश की पालना क्यों नहीं की जा रही है।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि आदेश की पालना होने पर दोनों अफसरों को पेश होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश महेन्द्र कुमार शर्मा व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा और विज्ञान शाह ने आदेश की पालना के लिए समय मांगा। वहीं अदालत में हाजिर एडीजी कार्मिक बीजू जॉर्ज जोसफ ने भी कहा कि पालना के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने तीस अक्टूबर तक का समय देते हुए पालना नहीं होने पर दोनों अफसरों को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। अवमानना याचिका में अधिवक्ता आमिर खान ने बताया कि एकलपीठ ने 30 मई, 2025 को याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला देते हुए 18 साल की सेवा पूरी होने पर पदोन्नित का लाभ, हायर ग्रेड पे सहित अन्य वित्तीय लाभ देने को कहा था। गत बीस अगस्त को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से आदेश की पालना के लिए एक माह का समय मांगा गया था, लेकिन अभी तक पालना नहीं की गई।

युवक का अपहरण कर मारपीट और अश्लील वीडियो बनाने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर थाना पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते एक युवक का अपहरण कर उसके साथ मारपीट करने, निर्वस्त्र कर प्रताड़ित करने और अश्लील वीडियो व फोटो बनाकर धमकाने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को कुछ ही घंटों में मुक्त करा लिया। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, आर-15 बाइक और डंडे जब्त किए गए हैं। डीसीपी जयपुर पूर्व रंजिता शर्मा ने बताया कि परिवादी अल्फेज खान ने 18 अक्टूबर को सांगानेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, गौशाला कट के पास से उसका अपहरण कर आरोपी उसे रिंग रोड की तरफ एक सुनसान स्थान पर ले गए। वहां उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। आरोपियों ने उसके चेहरे पर बेल्ट से वार किए और पसलियों पर लातें मारीं। इसके बाद कपड़े उतरवाकर उसके साथ मारपीट की तथा अश्लील वीडियो और फोटो बना लिए। आरोपियों ने पुलिस या प्रशासन के पास जाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।

सांगानेर थाना पुलिस ने युवक का अपहरण मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया ।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी हरबेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान करीब 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज की मदद से आरोपियों के आने-जाने के रास्तों का पता लगाने में सफलता मिली। थाना पुलिस ने जयपुर पूर्व की तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल संजय राहड़ के सहयोग से आरोपियों की पहचान कर मकसूद खान (21) निवासी मलारना चौड़, सवाई माधोपुर, लोकेश मीणा उर्फ मैक्स (20) निवासी दौसा, अमरसिंह मीणा (20) निवासी लालसोट, दौसा, करण मीणा (23) निवासी कोटखावदा और मनीष प्रजापत उर्फ एमके (24) निवासी माधोराजपुरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने सवाई माधोपुर की पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों के जयपुर में सांगानेर सदर और प्रतापनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में रहने की जानकारी भी सामने आई है।

■ पूछताछ में आरोपियों ने सवाई माधोपुर की पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया

पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार, आर-15 बाइक और डंडे जब्त किए हैं। परिवादी ने मकसूद खान के अलावा सोशल मीडिया के जरिए उसके दोस्त कृष्ण मीणा के भी वारदात में शामिल होने की बात कही थी। पुलिस इस पहलू सहित अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों से वारदात के कारणों, घटनाक्रम और अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में पूछताछ जारी है।

जयपुर में ई-रिक्शा पर पुलिस का शिकंजा

जयपुर । राजधानी में यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जयपुर यातायात पुलिस ने अवैध और नियम विरुद्ध संचालित ई-रिक्शा, ई-ऑटो और ऑटो के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत दो दिनों में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध 5261 कार्रवाई की गईं। वहीं विशेष अभियान के दौरान अब तक 614 ई-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 239 ई-रिक्शा जब्त किए गए हैं।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि यातायात पुलिस की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर रही हैं। इस अभियान के दौरान यातायात पुलिसकर्मियों ने ई-रिक्शा और ई-कार्ट चालकों की पहचान संबंधी जानकारी, वाहन का पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की गई।

सार-समाचार

मुरलीपुरा में 451 कन्या-बटुक पूजन महोत्सव संपन्न

जयपुर। शारदीय नवरात्र के समापन एवं विजयादशमी के उपलक्ष्य में गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा की ओर से विकासनगर स्थित राधा कृष्ण शिव मंदिर में कन्या पूजन महोत्सव आयोजित किया गया। लखेरा समाज के प्रदेशाध्यक्ष गोवर्धन लखेरा, मुख्य यजमान प्रकाश चंद लखेरा-सुनीता लखेरा ने वेदमाता गायत्री और गुरु सत्ता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सालासर बालाजी धाम के पुजारी विष्णुदत्त पुजारी और गायत्री परिवार, मुरलीपुरा के मनु महाराज के सान्निध्य में 421 कन्याओं और बटुकों का पूजन कर भोजन प्रसादी कराई गई। विष्णुदत्त पुजारी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। इसलिए सभी सनातनी प्रतिदिन कॉलोनी के मंदिर में सुबह-शाम हनुमान चालीसा का पाठ करें। वार्ड नंबर 11 के पार्षद शैलेन्द्र शर्मा, भाजपा नेता जयंत कुमावत अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राधा कृष्ण शिव मंदिर के पुजारी श्याम सुंदर चतुर्वेदी, विकासनगर विकास समिति के अध्यक्ष पन्नालाल तंवर ने अतिथियों का स्वागत किया। विकास नगर समिति के कोषाध्यक्ष सुल्तान सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया।

तीन हजार श्रद्धालुओं ने दुर्गा गायत्री महामंत्र से 72 हजार आहुतियां दीं

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार के छह केन्द्रों और शाखाओं पर मंगलवार को नवरात्र लघु अनुष्ठान की पूर्णाहुति हुई। इस दौरान करीब तीन हजार श्रद्धालुओं ने करीब 72 हजार आहुतियां प्रदान की। सभी केन्द्रों पर शस्त्र पूजन भी हुआ। मुख्य आयोजन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में व्यवस्थापक सोहन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। यहां नौ कुंडीय गायत्री हवन हुआ। विजयादशमी के उपलक्ष्य में शस्त्र पूजन किया गया। पांच पारियों में सैंकड़ों लोगों ने यज्ञ भगवान को आहुतियां प्रदान की। इस अवसर पर 27 कार्यकर्ताओं ने झोला पुस्तकालय संचालित करने का संकल्प लिया। प्रांतीय ट्रस्टी एवं जोनल प्रतिनिधि डॉ. प्रशांत भारद्वाज ने सभी संकल्पित कार्यकर्ताओं को मंत्र पट्टिका ओड़ाकर सम्मानित किया। झोला पुस्तकालय के माध्यम से घर-घर तक उपयोगी साहित्य पहुंचाने और जनजागरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ वाटिका और गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़, गायत्री चेतना केन्द्र जनता कॉलोनी, वैशालीनगर में भी शारदीय नवरात्र अनुष्ठान की पूर्णाहुति हुई।

सूने मकान के ताले तोड़कर चोरी करने वाला शातिर नकबजन गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने सूने मकानों और वाहनों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का माल बरामद किया है। आरोपी दिन में कॉलोनियों और गोदामों की रेकी करता था और ताला लगा देखकर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने सूने मकानों और वाहनों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले एक शातिर नकबजन विष्णु बंजारा उर्फ बसत्या (22) निवासी दौलतपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का माल बरामद किया है। हरमाड़ा थानाधिकारी नरेंद्र भड़ाना अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है। वह दिन के समय कॉलोनियों और गोदामों में घूमकर सूने मकानों की पहचान करता था। इसके बाद ताले तोड़कर सामान चोरी कर लेता और उसे औने-पौने दामों में बेच देता था। चोरी से मिली रकम नशे की लत और मौज-मस्ती पर खर्च करता था। पुलिस आरोपी से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने विद्यालय की सफाई की

जयपुर। पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां की पावन मानवता भलाई की शिक्षाओं पर चलते हुए जयपुर की साध-संगत ने एक बार फिर समाज के सामने सेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। जयपुर टीम द्वारा गलता गेट, आदर्श नगर क्षेत्र में स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में बढ़े स्तर पर स्वच्छता सेवा अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 20 से अधिक सेवादारों ने पूरे स्कूल परिसर की कायाकल्प कर दी। जानकारी के अनुसार, जब डेरा सच्चा सौदा के सेवादार इस राजकीय विद्यालय में पहुंचे, तो वहां परिसर में चारों तरफ गंदगी और झाड़-झंकड़ फैले हुए थे। सेवादारों ने महसूस किया कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा और उनके मानसिक विकास के लिए एक स्वच्छ वातावरण का होना बेहद जरूरी है। गंदगी के बीच बच्चे न तो सही से पढ़ सकते हैं और न ही खेल सकते हैं। इसी पावन उद्देश्य को लेकर सेवादारों ने विद्यालय की प्रधानाचार्या सोनल सेजरा से सफाई की अनुमति लेकर अपने स्तर पर ही सफाई के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की। सेवादार स्वयं अपने साथ फावड़ा, तसला, पंजा, कुल्हाड़ी और कचरा लोड करने के लिए गाढ़ियां आदि लेकर विद्यालय पहुंचे और कंटीली झाड़ियों और अनचाही घास को हटाया, वहीं सालों से जमा कूढ़े-कचरे के ढेरों को साफ कर गाड़ियों में भरकर बाहर भिजवाया।

खोले के हनुमान मंदिर में श्रीराम कथा

जयपुर। नरवर आश्रम सेवा समिति की ओर से खोले के हनुमान जी मंदिर में पं. राधेलाल चौबे जी महाराज की स्मृति में मंगलवार से श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। व्यासपीठ से संत मुरलीधर जी महाराज ने व्यास पूजन के बाद कथा का श्रवण कराया। उन्होंने कहा कि विजयादशमी अंदर के दुर्गुणों पर सद्गुणों के माध्यम से विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देने का पर्व है। प्रारंभ में नरवर आश्रम सेवा समिति के अध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा, महामंत्री बृजमोहन शर्मा एवं अन्य ने आरती के साथ कथा का शुभारंभ किया। कथा 28 अटूबर तक प्रतिदिन दोपहर एक से शाम 5 बजे तक होगी।

कन्याओं का पूजन कर दिए उपहार

जयपुर। शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि मंगलवार को भी कई घरों में कन्या-बटुक पूजन किया गया। कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनके चरण पखारे, चुनरी ओढ़ाई। हलवा, पूरी और चने का प्रसाद खिलाया। दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। विजयादशमी का अवकाश होने के कारण ज्यादातर घरों में मंगलवार को कन्या-बटुक पूजन हुआ।

Everyone Writes Day

Everyone Writes Day is a special occasion that celebrates the joy and importance of writing. It encourages people of all ages to express their thoughts, ideas, feelings, and imagination through words. Writing helps us communicate better, become more creative, and understand ourselves and others. On this day, students can write stories, poems, essays, or even personal journals. Teachers can organize fun writing activities and competitions to inspire young writers. Everyone Writes Day reminds us that every person has a unique voice and a story to share. It motivates us to write freely, confidently, and creatively.

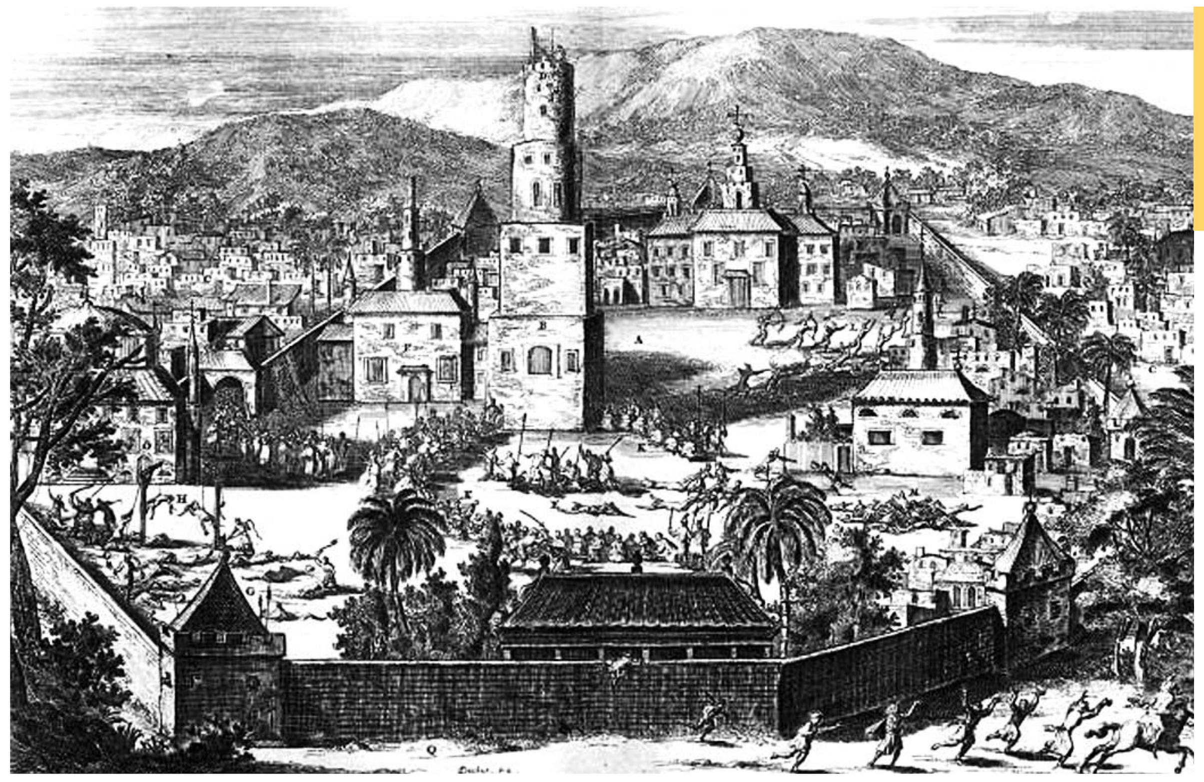

Historical accounts describe an Indian commercial establishment known as the Indianskiy Gostiny Dvor, an Indian merchant courtyard or trading house. It became associated with the Indian community in Astrakhan. There was even a street connected with the Indian merchants. Inside their commercial establishment was something even more remarkable: a Hindu place of worship.

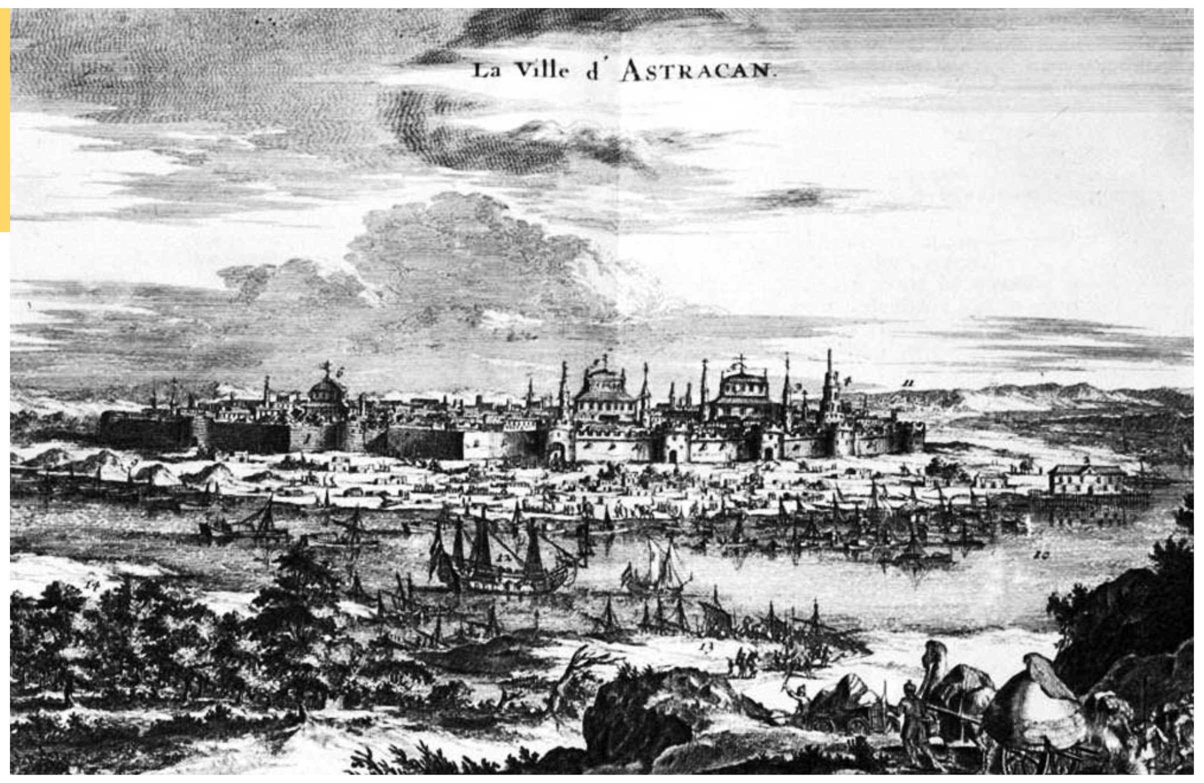

The Hindu Community on the Volga

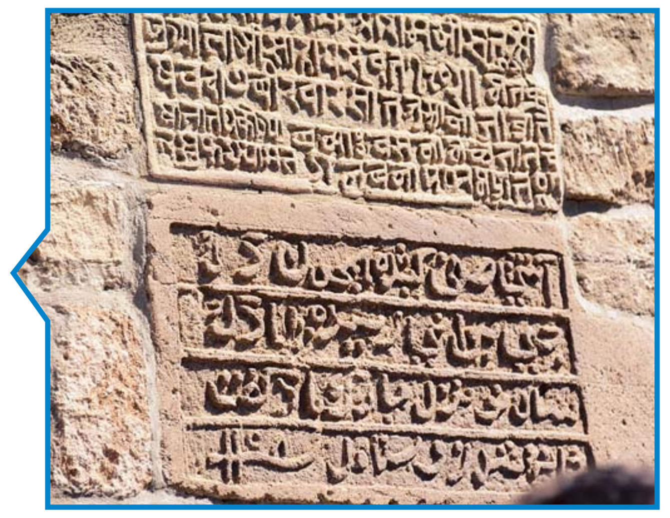

#ASTRAKHAN

● Kshema Jatuhkarna

Imagine walking through a Russian city on the banks of the Volga River and discovering, four centuries ago, a street associated with Indian merchants.

Imagine entering a building used by Indian traders and finding a Hindu temple inside it, with images of Rama, Lakshmi and Hanuman, sacred stones brought from India, and merchants who had travelled thousands of kilometers from the Indian subcontinent through Afghanistan and Persia.

This is not a scene from modern times. It happened in Astrakhan, a city in southern Russia where the Volga River reaches the Caspian Sea. For centuries, Astrakhan was one of the great crossroads between Russia and the East. And among the merchants who arrived there were Indians, particularly traders from Multan and north-western India, along with Marwari and Sindhi merchants.

Their story is one of the most fascinating and largely forgotten chapters in the history of India's connections with Russia.

Astrakhan: Russia's doorway to the East

Astrakhan occupies an extraordinary geographical position.

The Volga, Europe's great river, flows southward through Russia and eventually empties into the Caspian Sea. Because of this position, Astrakhan became a meeting point between Russia, Persia, Central Asia and the wider eastern world. Russia captured Astrakhan in 1556 under Ivan the Terrible.

That changed the city's importance dramatically.

Astrakhan became a Russian gateway towards the Caspian and Central Asia. Ships and caravans connected the city with Persia, Afghanistan, Central Asia and, through long-distance trade routes, the Indian subcontinent.

And sometime around the beginning of the seventeenth century, Indian merchants began establishing themselves there.

They had not arrived by an easy journey. Merchants travelling from India had to cross enormous distances through Afghanistan and Persia, following some of the oldest commercial routes linking South Asia with the Eurasian world.

Among them were Khatri merchants from Multan, as well as Marwari and Sindhi traders. Many were Hindus. They came for one reason above all: trade.

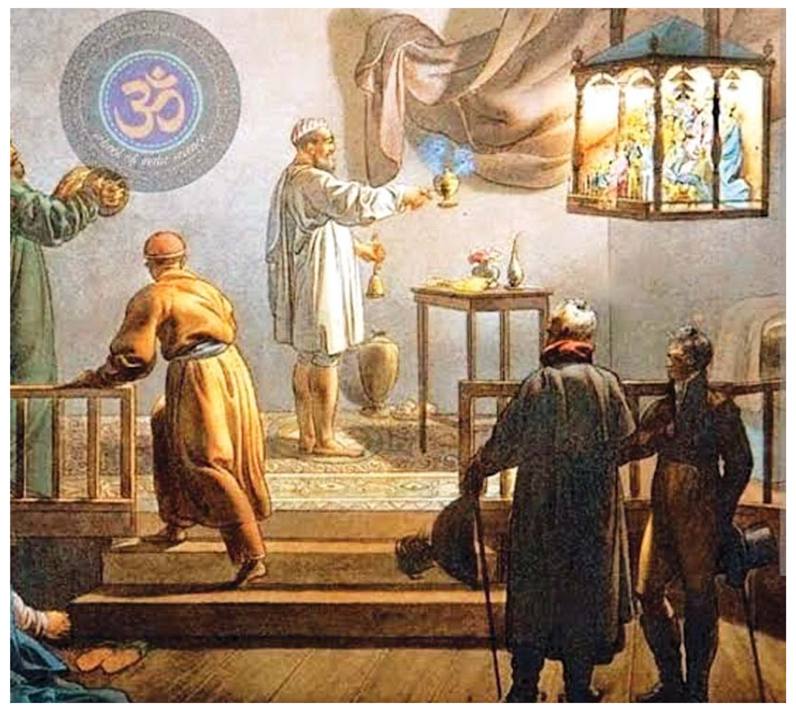

An Indian business quarter on the Volga

The Indian merchants did not simply pass through Astrakhan. They established a community.

Historical accounts describe an Indian commercial establishment known as the Indianskiy Gostiny Dvor, essentially an Indian merchant courtyard or trading house. It became associated with the Indian community in Astrakhan.

There was even a street connected with the Indian merchants.

Inside their commercial establishment was something even more remarkable: a Hindu place of worship. For traders living thousands of kilometers from India, the temple was more than a religious building.

It was a piece of home.

The merchants could conduct business in a foreign land, negotiate with Russian officials, buy and sell goods and travel across the empire, but within their community, they could still worship according to their traditions.

Rama, Lakshmi and Hanuman beside the Volga

One of the most fascinating accounts of the Astrakhan temple comes from the eighteenth-century traveller and naturalist Peter Simon Pallas.

Pallas visited Astrakhan and recorded observations about the Indian community and its religious practices. According to descriptions associated with his account, the Hindu temple contained images of Rama, Lakshmi and Hanuman. There were also sacred black stones associated with the Ganges.

For the merchants, these objects carried enormous religious significance.

Think about the symbolism. The Ganges was thousands of kilometers away. Yet, stones associated with India's sacred geography had travelled all the way to the Volga.

The temple therefore represented something larger than religion alone. It was a physical connection between the merchants' homeland and the distant world in which they had chosen to live and work.

What were the Indians selling?

These merchants were part of a much larger international trading network.

Indian traders brought goods from the subcontinent and surrounding regions into the Russian market. Among the commodities associated with their trade were cloth, indigo and sugar. In return, they could obtain goods that were valuable in South Asian markets, including furs, metals and leather.

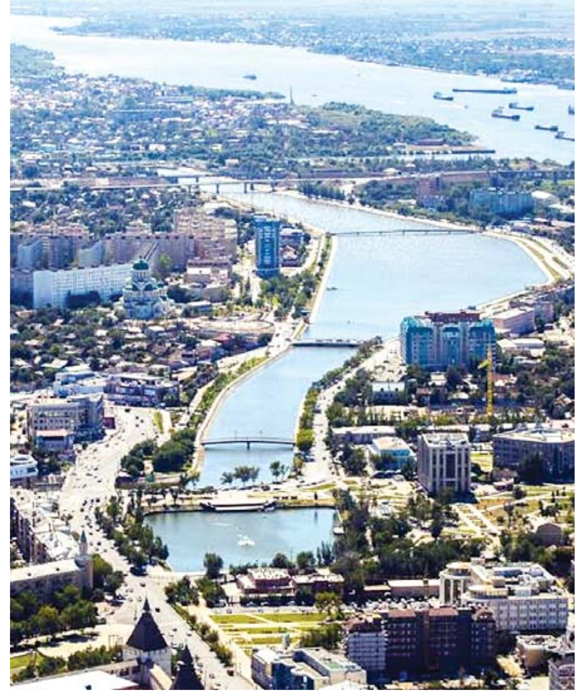

The Volga route gave them access to an enormous commercial world. And Astrakhan was only the beginning.

Indian merchants did not necessarily remain confined to the city. Their trading connections extended northward into the Russian Empire, reaching major commercial centres such as Moscow and St Petersburg. Some traders even travelled much farther north, towards Arkhangelsk, the important port on Russia's White Sea. That means an Indian merchant who had begun his journey in Multan could find himself conducting business thousands of kilometers away in northern Russia.

The extraordinary story of Sukhanand Dimandas

Among the merchants associated with this world was Sukhanand Dimandas, who is described in historical accounts as having travelled from Multan to Russia at a young age. According to accounts of the Indian merchant community, he arrived when he was about 17 years old. His career illustrates the extraordinary opportunities available to successful merchants in the Russian Empire.

By the eighteenth century, Indian traders could accumulate considerable wealth through their commercial networks.

Accounts of Dimandas's fortune at the time of his death put it at around three lakh Russian roubles, an enormous sum in the context of the period. His story is a reminder that these were not isolated travellers selling a few goods in a foreign marketplace. Some had become substantial international businessmen. They had employees, commercial relationships, capital and connections extending across enormous distances.

The Russian rulers and the Indian merchants

The Indian traders were not operating outside the Russian political system. They developed relationships with Russian authorities and, according to historical accounts, received privileges that helped their community conduct business.

A particularly interesting moment came during the reign of Peter the Great.

Peter visited Astrakhan in 1722 during his Persian campaign. The Indian merchants had established themselves strongly enough by then to attract official attention.

Historical accounts describe arrangements under which Indian merchants were permitted to settle commercial disputes according to their own customs and laws, rather than being forced to resolve every internal matter according to Russian practice.

For a community living so far from its homeland, such recognition was significant. It allowed the merchants to preserve aspects of their own social and legal traditions while operating inside the Russian Empire. In effect, Astrakhan had become a small bridge between two worlds.

A community thousands of kilometres from India

There is something especially striking about this community. The merchants were geographically distant from India, but culturally, they remained connected to it. They had their temple. They had their religious images. They had their sacred objects. They had their own community institutions. And they continued to maintain commercial connections with other Indian merchants.

Astrakhan was therefore not simply a place where Indians happened to live. For a period, it functioned as an Indian commercial outpost inside Russia. The Volga carried their goods north and south. Caravan routes connected them with Persia and Central Asia. Their businesses connected them with Moscow and St Petersburg.

Then the world changed

But communities built around international trade are vulnerable to changes in government policy. During the nineteenth century, Russia increasingly changed the way it regulated foreign commerce. Restrictions on foreign merchants and international trade made the old Indian commercial system increasingly difficult to sustain.

The Indian trading establishment in Astrakhan eventually declined. By around 1840, the historic Indian merchant house had closed. And once the economic reason for the community's existence disappeared, the community itself began to disappear. Some families left. Others remained. Over time, some Indian families married locally and became part of Russian society. Generations passed. The distinctive Indian merchant community gradually dissolved.

The strangest ending

And that is perhaps the most haunting part of the story. The community did not necessarily disappear because every Indian merchant packed his belongings and returned to India. Some stayed. Some formed families. Their descendants became part of the population around them.

The Indian faces and names that once marked a distinct merchant community slowly became harder to recognize. A person living in Astrakhan generations later could carry a completely Russian surname while having ancestors who had travelled from South Asia centuries earlier. The temple disappeared. The merchant house disappeared. The Indian street disappeared. But the memory of the community survived in historical records.

An Indian chapter in Russian history

The story of Astrakhan's Indian merchants challenges the way we usually imagine India's historical connections with the world. We often think of Indian merchants travelling to East Africa, Southeast Asia, the Middle East or Europe. But India also had commercial links reaching deep into Russia.

Four centuries ago, merchants from the Indian subcontinent crossed mountains, deserts and political borders to reach a city on the Volga. They established businesses. They traded goods. They created a community. They built a place of worship. Long before modern Indian migration to Russia, before airplanes, before railways and before modern globalisation, Indian businessmen had already established a community on the banks of the Volga.

Their journey from Multan and other parts of South Asia to Astrakhan was an early example of globalization, powered not by the internet or multinational corporations, but by caravans, rivers, ships, merchants and an extraordinary willingness to travel into the unknown. Their temple may have vanished. Their merchant house may have closed. But for centuries, on the banks of the Volga, there was a little piece of India.

rajeshsharma1049@gmail.com

A Print? A Living Textile Tradition!

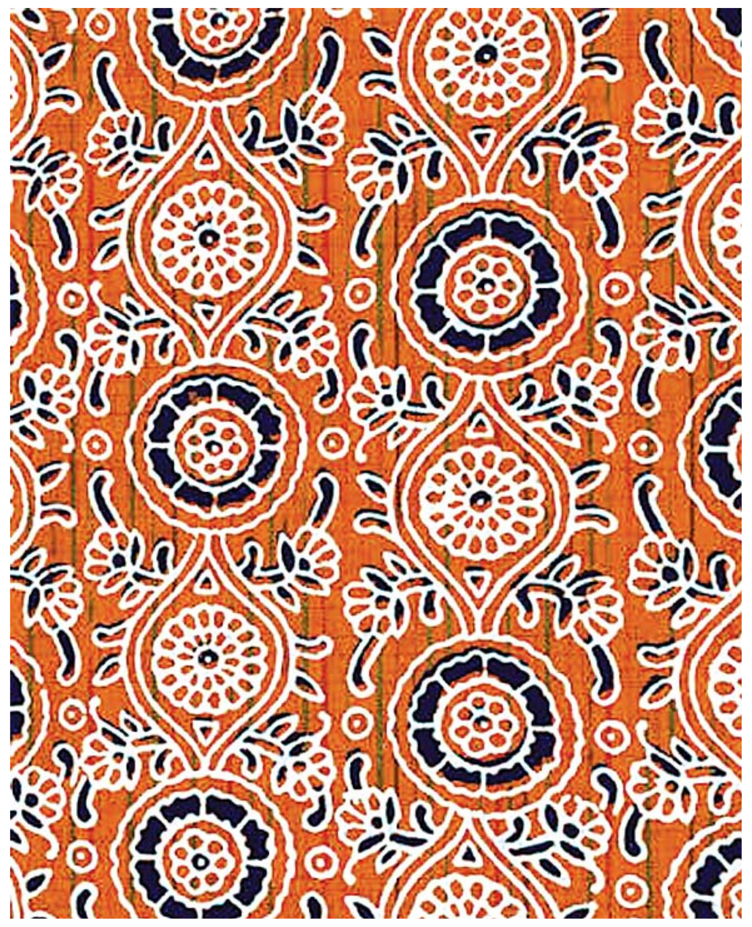

There is also a characteristic tonal quality to traditionally made Ajrakh. The colours do not necessarily appear as a flat, uniform layer sitting on top of the fabric. Instead, there is a depth created by the repeated processes of dyeing, resist, printing, washing, and fixing.

#AJRAKH

● Bulbul Joshi

Ajrakh is often described simply as a form of hand block printing. But this description does not fully capture what makes the textile so distinctive. Ajrakh is not merely a print; it is a complete textile technique involving the treatment of fabric, natural dyeing, resist processes, block printing, washing, and finishing. The beauty of authentic Ajrakh lies not in a single stage of production, but in the relationship between all these processes.

From Natural Elements to Colour

One of the defining characteristics of traditional Ajrakh is its use of natural materials to prepare and colour the fabric. Ingredients such as pomegranate skins, rust and other natural substances are used at different stages to create colours and prepare the fabric.

The fabric goes through extensive preparation before the characteristic Ajrakh patterns appear on its surface. This treatment is essential because the final quality of the textile depends as much on how the fabric has been prepared and dyed as on the printing itself.

The process can involve natural dyeing, resist dyeing, block printing, washing, and post-treatment with natural fixing agents. Each stage contributes to the final colour, depth, softness, and character of the textile. This is why calling Ajrakh simply a "hand block print" misses an important part of the story. It is better understood as a complete system of textile treatment and surface design.

The Character of Authentic Ajrakh

Authentic Ajrakh has a distinctive tactile quality. A well-made piece feels soft and comfortable, rather than stiff or excessively coated.

One of the interesting ways to understand an authentic piece is to observe how it behaves. When the fabric is crumpled or wrinkled, the creases do not remain rigidly pressed into the textile for a long time. The fabric relaxes naturally.

There is also a characteristic tonal quality to traditionally made Ajrakh. The colours do not necessarily appear as a flat, uniform layer sitting on top of the fabric. Instead, there is a depth created by the repeated processes of dyeing, resist, printing, washing, and fixing.

Look at the Reverse

One of the simplest ways to examine an Ajrakh textile is to turn it over. The reverse side can reveal how deeply the dye has penetrated the fabric. In a traditionally processed Ajrakh textile, the colour penetration can be substantial, because dyeing is an integral part of the process rather than merely a surface application.

The blocks used in Ajrakh are also significant. Because the fabric undergoes repeated dyeing and printing processes, the final impression can have a subtle variation in scale and character.

This can help distinguish traditional block printing from certain forms of screen printing. With screen printing, the printed area can appear more uniformly deposited on the surface. In Ajrakh, the interaction between the block, fabric, dye, resist, and repeated processing creates a different visual depth and quality.

A Cottage Industry Rooted in Kutch

Ajrakh is deeply connected to the Kutch region of Gujarat, where it has been practiced within artisan families for generations. The knowledge is not simply a set of instructions written down in a manual. It is a craft tradition transmitted through practice, observation, and family knowledge.

Ajrakh production is largely a cottage industry, with different stages of the process often carried out within an artisan-based production system.

The result is a textile that carries the landscape and culture of Kutch within it, not only through its distinctive geometric patterns and colours, but through the hands and histories of the people who make it.

A Craft of Survival and Resilience

The story of contemporary Ajrakh is also a story of resilience. Many of the artisans associated with Ajrakh production were affected by the devastating 2001 Bhuj earthquake. In its aftermath, artisan communities were relocated and a new settlement, Ajrakhpur, became an important centre for the continuation and revival of the craft.

The development of Ajrakhpur is often seen as an example of how rehabilitation can go beyond rebuilding homes. By supporting the continuation of traditional livelihoods, communities can rebuild their economic independence, cultural identity, and collective future.

The craft survived because the artisans survived, and because the knowledge of Ajrakh continued to be practiced.

Why Cottage Industries Need Our Support

Ajrakh represents something larger than a beautiful textile. It demonstrates the importance of India's cottage and artisan industries, where traditional knowledge, livelihoods, and cultural heritage are closely intertwined.

When we support authentic hand-crafted textiles, we are not simply purchasing fabric. We are supporting the people who carry the knowledge behind that fabric. A machine can reproduce a pattern, but it cannot independently carry the accumulated knowledge of generations of artisans, the understanding of natural materials, fabric preparation, resist processes, dye behaviour, washing, fixing, and finishing. Ajrakh therefore deserves to be understood not as just another block print, but as a living textile tradition.

And perhaps, one of the most beautiful ways to experience it is simply to hold an authentic Ajrakh saree in your hands. Feel the softness, look at both sides, observe the depth of the colour, and notice its natural, earthy fragrance.

There should be no harsh synthetic smell competing with the textile. Instead, there is the quiet sensory evidence of a fabric made through natural materials, water, dye, wood, cloth, and human hands.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

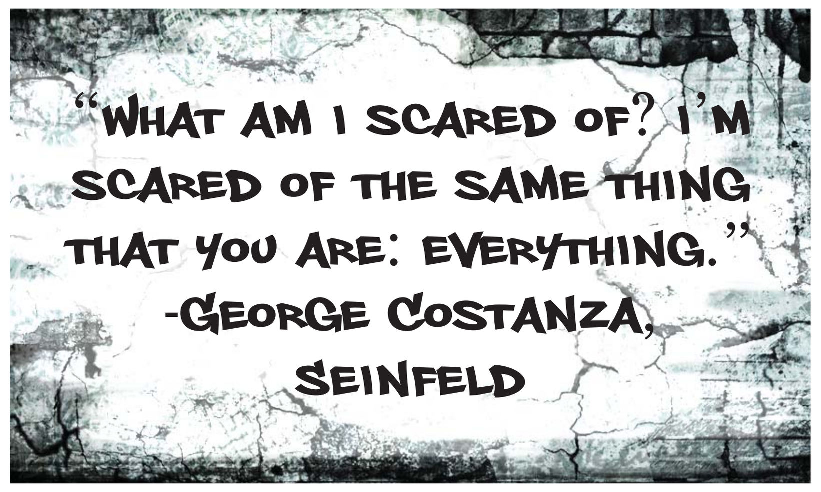

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

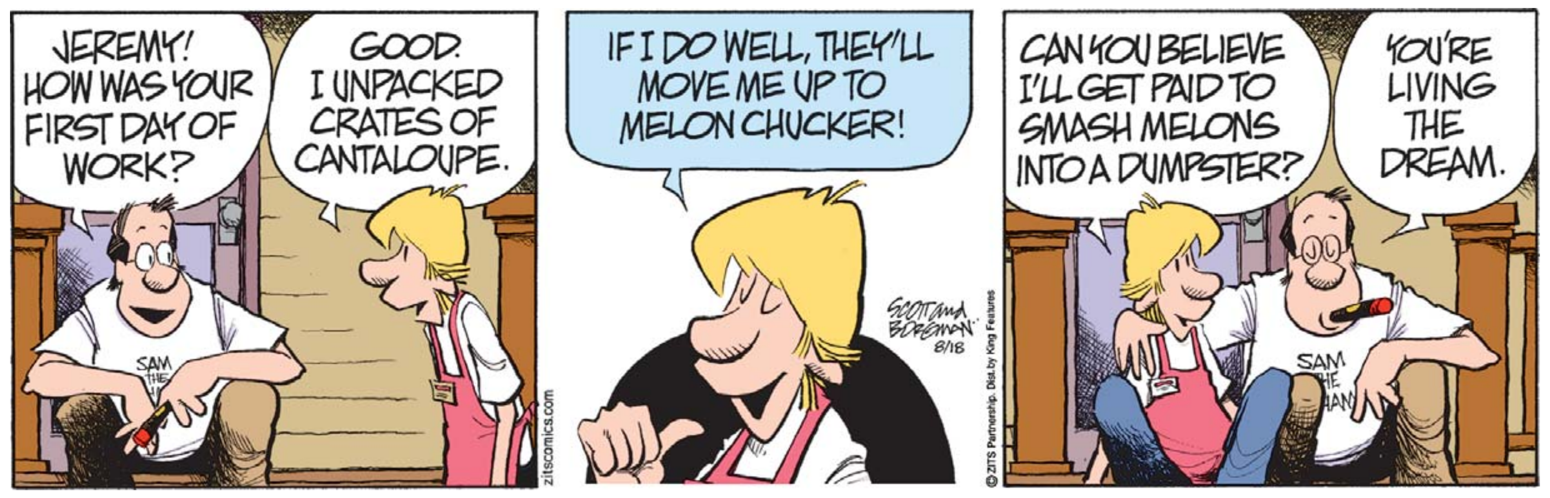

किशनगढ़ बास के बेड़ा का बास में मावे से बनी मिठाई बनाने वाले दो कारखानों पर छापा

120 किलो नकली घी जब्त, सैम्पल जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाए

किशनगढ़ बास। दीपावली पर लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध जिले में चलाए गए अभियान के तहत मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग और जिला स्पेशल पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए किशनगढ़ बास के बेड़ा के बास में दो बड़े मिठाई के कारखानों पर छापा मारकर बदबू मारता 220 किलो से ज्यादा दूषित मावे से बनी मिठाई मौके पर ही नष्ट कराई और 120 किलो संदिग्ध देसी घी जब्त कर जांच के लिए भिजवाया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर चलाए जा रहे शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत मंगलवार को किशनगढ़ बास क्षेत्र के बेड़ा का बास में मिठाई बनाने वाले दो जगहों पर अलग-अलग कार्रवाई की गई।पहली कार्रवाई मैसर्स कमरुद्दीन के यहांटीम ने मौके पर पहुंचते ही दुकान पर रखा सामान चेक किया तो करीब 120 किलो कलाकंद में से तेज बदबू आ रही थी और 100 किलो मिश्रित दूध भी बदबूदार और दूषित मिला।

किशनगढ़बास में जिला कलेक्टर के निर्देश पर चलाएं अभियान के तहत बेड़ा का बास कारखाने पर कार्रवाई की गई। टीम अधिकारी।

■ **120 किलो बदबूदार कलाकंद और 100 किलो दूषित दूध नाले में बहाया**

जिसे देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। टीम ने तुरंत दूध, कलाकंद और मिल्क पाउडर के सैंपल लिए और करीब 120 किलो दूषित कलाकंद और 100 किलो दूध को मौके पर ही नष्ट करवाने की कार्रवाई की।दूसरी कार्रवाईटीम ने मैसर्स सुमरदिन के यहां पर की जहांसे भी दूध, कलाकंद और पोद्दार ब्रांड देसी घी के सैंपल लिए गए। जांच के दौरान करीब 120 किलो देसी घी (पोद्दार) संदिग्ध मिलने पर उसे जब्त कर लिया गया। दोनों जगहों से 6 सैंपल लेकर खाद्य प्रयोगशाला भिजवाए गए हैं। डॉ. गेट ने बताया कि सैंपलों के परिणाम आने के बाद एफएसएसएआई 2006 अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत यादव, पुलिस निरीक्षक जिला स्पेशल टीम गौरव कुमार, महिपाल सिंह सहित पूरी डीएसटी टीम मौजूद रही। विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र मेंहड़कंप मचा हुआ है।

दो पक्षों के बीच हुए खुनी संघर्ष का पर्दाफाश 7 आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बपावरकलां पुलिस टीम ने दो पक्षों के बीच हुए खुनी संघर्ष के मामले मे कार्यवाही करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 17 अक्टुबर को फरियादी जीतमल भील ने थाना बपावर कलां में अपने बड़े भाई मोनू भील के साथ उपस्थित होकर थाने मे रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसको सूचना मिली कि कुछ जने उनके माता-पिता के साथ मारपीट कर रहे है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे तो उनकी मां केदार बाई और पिता रमेश भील के साथ धर्मा, अजय, अर्जुन, मिथुन, कन्या, मोहन, रामबाबु, दिनेश, लखन नायक ने मारपीट की और बीच-बचाव करने लगा तो मेरे साथ और मेरे भाई मोनु के साथ मारपीट की, ग्रामीण एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में मारपीट में घायल केदार बाई की ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। ग्रामीण एसपी ने कहा कि घटना की गम्भीरता को देखते पुलिस उप अधीक्षक नरेन्द्र कुमार जैन के सुपरविजन में सुरेश मीणा उनि.थानाधिकारी थाना बपावर कलां के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए हमले के सात आरोपी अर्जुन नायक, धर्मराज नायक, कन्हैयालाल नायक, घनश्याम नायक, अजय भोपा, मिथुन भोपा और रामबाबु नायक को गिरफ्तार कर लिया गया।

स्ट्रॉंग रूम की सुरक्षा में तैनात आरएसी जवान की मौत

अजमेर। माखुपुरा स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में पंचायती राज चुनाव के लिए बनाए गए ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में तैनात आरएसी कांस्टेबल नरेंद्र गोदारा (31) की गोली लगने से हुई मौत के मामले में पुलिस जांच कर रही है। मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं, मृतक के परिजनों ने घटना को लेकर किसी तरह की आशंका जाहिर नहीं की और इसे हादसा माना है। एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि जवान की मौत गोली लगने से हुई थी।

प्रारंभिक जांच में मामला प्रथम दृष्टया हादसा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। आदर्श नगर थाना पुलिस के अनुसार, 9वीं आरएसी बटालियन टोंक की ए-कंपनी के गार्ड प्रभारी की ओर से इस संबंध में मर्ग दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, माखुपुरा स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में पंचायती राज चुनाव के लिए ईवीएम रखने का स्ट्रॉंग रूम बनाया गया है। इसकी सुरक्षा के लिए 9वीं आरएसी टोंक की ए-कंपनी को 16 अक्टूबर से तैनात किया गया था। इसी कंपनी में कांस्टेबल नरेंद्र गोदारा पुत्र नाथूराम ड्यूटी कर रहे थे। सोमवार शाम करीब 5:15 बजे ड्यूटी की पारी बदलने के दौरान उन्हें गोली लग गई। गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद जवानों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर आदर्श नगर थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। एफएसएल और एमओबी टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। मृतक के साढू नानूराम जाट ने बताया कि नरेंद्र ने ड्यूटी ज्वाइन करते समय अपनी करीब 10 महीने की बेटी से पत्नी के मोबाइल पर वीडियो कॉल के जरिए बात की थी। उस समय परिवार को किसी तरह की परेशानी का आभास नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि नरेंद्र ने कुछ दिन पहले ही कार खरीदी थी। परिवार में भी किसी तरह की परेशानी की जानकारी नहीं थी। ऐसे में परिजन घटना को हादसा मान रहे हैं और उन्होंने किसी पर संदेह नहीं जताया है। नरेंद्र गोदारा वर्ष 2018 में महाराणा प्रताप बटालियन, प्रतापगढ़ में भर्ती हुए थे। वह मूल रूप से नागौर जिले के मेड़ता रोड के निवासी थे और वर्तमान में अजमेर में रह रहे थे। उनकी पत्नी महेंद्र भी जिला पुलिस में कांस्टेबल हैं और शहर यातायात पुलिस में तैनात हैं। दंपती की करीब एक साल की बेटी है। नरेंद्र के साढू नारायण सिंह एएसआई हैं और दरगाह थाने में तैनात हैं, जबकि उनके बड़े भाई वायुसेना में कार्यरत हैं। मंगलवार को पोस्टमार्टम के दौरान आरएसी के अधिकारी और जवान भी अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है ।

■ **प्रारंभिक जांच में हादसे की आशंका**

डांडिया नाईट का आयोजन

कोटा, (निसं)। मोदी ग्रुप ऑफ एजूकेशनल इंस्टिट्यूशन द्वारा मोदी कॉलेज कैंपस में डांडिया नाईट-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि कोटा शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम, ग्रुप के चेयरमैन सुशिल मोदी, ग्रुप डाइरेक्टर राघव मोदी, कोटा बार कौंसिल के अध्यक्ष भरत सिंह अडसेला सहित संस्थान की सरंक्षक बिमला देवी मोदी की गरिमामयी उपस्थिती रही। पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवरात्रि का त्यौहार देवी मां की नौ दिन तक विशेष पूजा करने के साथ ही गरबा और डांडिया भी भक्ति का एक प्रारंपारिक तरीका है। मोदी ग्रुप के चेयरमेन सुशील मोदी ने बताया कि डांडिया नाईट में प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा में रंग-बिरंगी छटा बिखेरी और डांडिया की धुनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करना और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना हैं। ग्रुप डाइरेक्टर राघव मोदी ने बताया धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए लोगों तक आपसी भाईचारे का संदेश पहुंचता है, लोगों को प्रेम का संदेश देने के लिए इन आयोजनों को अहम माना जाता है। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथियों मे प्रवीण भार्गव परीक्षा नियंत्रक कोटा विश्वविद्यालय, पारस जैन डिप्टी कमांडेंड आरएसी, प्रोफेसर दिनेश बिरला सहित डॉ.एन के जोशी कमलेश राजोरा प्राचार्य मोदी आईटीआई, चेतना नामा प्राचार्य मोदी चेंप्स भी शामिल रहे।

बूंदी महोत्सव का शुभारंभ

बूंदी । जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव की पहल पर बूंदी महोत्सव में जन सहभागिता बढ़ाने एवं महोत्सव से मातृ शक्ति, युवा वर्ग एवं सर्व समाजों को जोड़ने हेतु अनेक नवाचार किए जा रहे है। पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक शरद व्यास ने बताया कि इसी कड़ी में 21 अक्टूबर (बुधवार) को अपरान्ह चार बजे जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा एवं नगर परिषद सभापति भरत शर्मा तथा जिले के गणमान्य नागरिकों की अगुआई में प्रशासन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सर्व समाजो एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पर्यटन के हितधारकों द्वारा गढ़ पैलेस स्थित श्री गणेश भगवान को सर्वप्रथम महोत्सव हेतु न्यौता दिया जाएगा। उसके उपरांत गढ़ से नाहर चौहट्टा होते हुवे बूंदी के ईष्ट देव श्री रंगनाथजी के मंदिर तथा वहां से श्री चारभुजा नाथजी के मंदिर तक जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

धूमधाम से माता रानी की प्रतिमा का विसर्जन

अजमेर। शहर में नौ दिवसीय नवरात्र महोत्सव के समापन पर धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। नगर निगम की ओर से आजाद पार्क में आयोजित डांडिया कार्यक्रम और माता रानी की नौ दिनों तक की गई आराधना के बाद प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान महापौर अनामिका शर्मा, डिप्टी मेयर हेमंत सांखला सहित नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद गुलाल उड़ाते हुए उत्साह के साथ माता रानी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। नवरात्रि के नौ दिनों तक शहरवासियों ने माता रानी की भक्ति में लीन रहकर व्रत और उपवास किए। शहर के विभिन्न इलाकों में पंडाल सजाकर माता रानी की स्थापना की गई, जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता की आराधना की। जगह-जगह धार्मिक आयोजन, भजन-कीर्तन और डांडिया कार्यक्रमों के माध्यम से भक्तों ने नवरात्रि महोत्सव मनाया। नगर निगम की ओर से भी नौ दिनों तक माता रानी की आराधना की गई। महोत्सव के समापन पर आजाद पार्क में आयोजित कार्यक्रम में निगम के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। महापौर अनामिका शर्मा और डिप्टी मेयर हेमंत सांखला ने पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद लिया। इसके बाद गुलाल उड़ाकर और धार्मिक उल्लास के साथ विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, शहर की विभिन्न कॉलोनियों से माता रानी के भक्त ढोल-डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए आजाद पार्क पहुंचे। श्रद्धालुओं में माता रानी की विदाई को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

गरबा प्रतियोगिता का मंच

ब्यावर (निसं) शहर में इस बार गरबा प्रेमियों की मांग और उनके उत्साह को देखते हुए विशेष और आधुनिक लेकिन परम्परागत गरबा का आयोजन द ऐड इवेंट के बैनर तले कियाजा रहा है। कार्यक्रम में गरबा किंग और क्वीन के विजेताओं को लैपटॉप पुरष्कार स्वरूप दिए जाएंगे। आयोजको के अनुसार पूर्णतया सुरक्षित माहौल में गरबा आयोजन होगा जिसमे पारंपरिक वेशभूषा में गरबा नृत्य प्रतिभागियों के बीच होगा मुकाबला होगा क्योकि ये सिर्फ एक गरबा नहीं, हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा और दिलों से जुड़ा एक खूबसूरत एहसास है। ठाुप विजेताओं के लिए 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। चाइल्ड, सोलो, डुएट और ठाुप राउंड में दिखेगा गरबा का रोमांच दिखेगा क्योकि

इसमें आकर्षक लाइटिंग शो और डीजे की धुनें आयोजन की रौनक बढ़ाएगी।

भीलवाड़ा में 9 पंचायत समितियों की 326 ग्राम पंचायतों के 177 पंचायत समिति सदस्यों का चुनाव होगा

भीलवाड़ा। पंचायतराज आम चुनाव-2026 के तहत प्रथम चरण के अंतर्गत 22 अक्टूम्बर को कुल 9 पंचायत समितियों की 326 ठााम पंचायतों के 177 पंचायत समिति सदस्यों व जिला परिषद के 23 पूर्ण व 5 आंशिक वार्ड के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा ।

जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू ने बताया कि प्रथम चरण में बिजौलियां पंचायत समिति की कुल 26 ग्राम पंचायतों के 131 राजस्व ग्रामों के 216 ग्राम पंचायत वार्डो के 15 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा। जहाजपुर पंचायत समिति की कुल 32 ठााम पंचायतों के 108 राजस्व ग्राम के 288 ग्राम पंचायत वार्डो के 17 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा। खजूरी पंचायत समिति की 27 ग्राम पंचायतों के 131 राजस्व ग्राम के 217 ग्राम पंचायत वार्डो के 15 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा। कोटडी पंचायत समिति की 46 ग्राम पंचायतों के 183 राजस्व ग्राम के 444 ग्राम पंचायत वार्डो के 27 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा।

■ **प्रथम चरण में बिजौलियां पंचायत समिति की कुल 26 ठााम पंचायतों के 131 राजस्व ग्रामों के 216 ग्राम पंचायत वार्डो के 15 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा।**

मांडलगढ़ पंचायत समिति के 39 ग्राम पंचायतो के 167 राजस्व ग्रामों के 339 ग्राम पंचायत वार्डो के 21 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा। बनेडा पंचायत समिति के 29 ठााम पंचायतों के 97 राजस्व ग्रामों के 289 ग्राम पंचायत वार्डो के 17 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा।

करेड़ा पंचायत समिति की 37 ग्राम पंचायतो के 143 राजस्व ग्रामों के 279 वार्डो के 17 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा। इसी प्रकार मांडल पंचायत समिति की 36 ग्राम पंचायतो के 127 राजस्व ग्रामों के 336 ग्राम पंचायत वार्डो के 21 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा।

वहीं सुवाणा पंचायत समिति की 54 ग्राम पंचायतो 163 राजस्व ठाामो के 464 ग्राम पंचायत वार्डो के 27 पंचायत समिति सदस्यो का निर्वाचन होगा।

विराट पथ संचलन निकला

बूंदी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 19 अक्टूबर को बूंदी शहर में एक भव्य और विराट पथ संचलन निकाला गया।

इस दौरान पूरे शहर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल रहा तथा जगह-जगह स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। शाम को पथ संचलन संपन्न होने के पश्चात अतिथि आगमन एवं पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंचासीन मुख्य अतिथि कृपाल सिंह सरदार ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान प्रांत के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम जी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कृपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ईश्वर एक है और वह सर्वगुण संपन्न है। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी का स्मरण करते हुए बताया कि उन्होंने ओम के आगे एक और बाद में कार लगाकर यह संदेश दिया कि सभी में उसी ईश्वर का वास है ।

नीलकंठ क्लब ने किशनगढ़ को हराया

ब्यावर (निसं) संत पॉल स्कूल में नीलकंठ क्लब और किशनगढ़ के बीच मैत्री क्रिकेट मैच खेला गया। मुकाबले में नीलकंठ क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किशनगढ़ की टीम को हराकर जीत दर्ज की।नीलकंठ क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए किशनगढ़ की टीम ने 104 रन का लक्ष्य दिया। नीलकंठ क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए जीतू और सोनू ने 2-2 विकेट हासिल किए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीलकंठ क्लब की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 15 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

तलवार घुमाते और आँखें झपकाते रावण का दहन

अजमेर। विजयादशमी का पर्व अजमेर शहर सहित जिलेभर में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अजमेर के पटेल मैदान में नगर निगम की ओर से दशहरा महोत्सव का आयोजन किया गया।

महोत्सव में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतले आकर्षण का केंद्र रहे। रावण के पुतले को विशेष रूप से तैयार किया गया था, जिसमें वह अपने हाथ से तलवार घुमाता नजर आया, वहीं उसकी आंखें भी टिमटिमाती दिखाई दीं। इस अनूठे नजारे को देखने के लिए पटेल मैदान में शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा तथा जय श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे। दशहरा महोत्सव के तहत भगवान श्रीराम की विजय यात्रा घसेटी बाजार स्थित श्री रघुनाथ जी मंदिर से रवाना हुई। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पटेल मैदान पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान सहित उनकी सेना के स्वरूपों ने पटेल मैदान में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के साथ युद्ध का मंचन किया। इस दौरान रामायण के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने के लिए मैदान में मौजूद लोगों में खासा उत्साह रहा। नगर निगम की ओर से दशहरा महोत्सव को खास बनाने के लिए ड्रोन लेजर शो का भी आयोजन किया गया। इस शो ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। आसमान में रोशनी के आकर्षक नजारों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दशहरा महोत्सव को लेकर खास उत्साह नजर आया। शहरवासी परिवार सहित पटेल मैदान पहुंचे और भगवान श्रीराम की विजय तथा बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व के साक्षी बने। पटेल मैदान में रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचे। रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों के साथ युद्ध के मंचन और अन्य आकर्षणों ने लोगों को बांधे रखा। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक आस्था के साथ उत्सव का माहौल देखने को मिला। लोगों ने भगवान श्रीराम की विजय के प्रतीक पर्व को उत्साह के साथ मनाया। दशहरा महोत्सव में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, नगर निगम महापौर अनामिका शर्मा, उपमहापौर हेमंत सांखला और भाजपा शहर अध्यक्ष रमेश सोनी सहित अन्य भाजपा नेता तथा अधिकारी मौजूद रहे। आयोजन के दौरान पटेल मैदान और उसके आसपास सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। पुलिसकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने और कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संभाली। इसप्रकारअजमेरमेंविजयादशमीकापर्व धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। पटेल मैदान में आयोजित दशहरा महोत्सव में रावण के अनूठे पुतले, रामायण प्रसंगो के मंचन और ड्रोन लेजर शो ने आयोजन को खास बना दिया।

■ **राम-लक्ष्मण और हनुमान की सेना ने किया रावण, मेघनाद व कुंभकर्ण से युद्ध, ड्रोन लेजर शो ने मोहा मन**

■ **बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दशहरा महोत्सव को लेकर खास उत्साह नजर आया। शहरवासी परिवार सहित पटेल मैदान पहुंचे**

■ **पटेल मैदान में रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचे।**

एक दर्जन से अधिक दुकानें के उपकरण जले

बूंदी। शहर के मीरा गेट और मालन मासी बालाजी क्षेत्र में मंगलवार सुबह बिजली के तेज वोल्टेज (हाई वोल्टेज) आने से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन एक दर्जन से अधिक घरों और दुकानों के बिजली उपकरण जलकर खराब हो गए। क्षेत्रीय पार्षदों व गणमान्य नागरिकों मनोज गोचर, श्याम सैनी और सुरेश गुर्जर ने बताया कि सुबह करीब 7:00 बजे अचानक बिजली का तेज वोल्टेज आया, जिसकी चपेट में आने से कई घरों व दुकानों के उपकरण फुंक गए। श्याम सैनी के घर में वोल्टेज का झटका इतना तेज था कि एक कमरे में रखा एसी और फ्रिज नीचे गिर गए।

डीजे की धुन पर डांडिया नृत्य करते निकले श्रद्धालु

सरवाड़ । शहर में मंगलवार को माता रानी की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र महोत्सव का समापन हो गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित माता रानी की प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस निकाले गए। जयकारों और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते हुए जुलूस में शामिल हुए। पूरे शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल नजर आया। नवरात्र महोत्सव के दौरान विभिन्न स्थानों पर माता रानी की प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई थी। मंगलवार को विसर्जन के लिए अलग-अलग स्थानों से जुलूस रवाना हुए, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए खिरिया गेट स्थित सूर्य तलाई पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने शेरावाली माता के जयकारे लगाए और विधि-विधान के साथ माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुन पर युवक-युवतियां डांडिया नृत्य करते हुए आगे बढ़े। युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। जुलूस में महिला-पुरुषों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जगह-जगह माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। नौ दिनों तक चले नवरात्र महोत्सव के दौरान शहर में धार्मिक आयोजनों की धूम रही।

दुर्गा प्रतिमा विर्सजन के दौरान नाव पलटी 7 जने बहे, 3 बचे, 4 की तलाश

कोटा, (निसं)। शहर में मंगलवार को दुर्गा प्रतिमा विर्सजन के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में 80 फीट रोड़ स्थित स्टील ब्रिज के पास चंबल की दांयी मुख्य नहर में दुर्गा प्रतिमा विर्सजन के दौरान नाव पलटने से मछुआरे सहित 7 जने बह गये, समय रहते 3 को तो बचा लिया गया, लेकिन पानी का बहाव तेज होने से 4 युवक नहर में बह गये, उनकी तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार विज्ञान नगर इलाके के संजय नगर से कुछ युवक दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए नहर पर पहुंचे थे, विसर्जन के दौरान छह जने नाव में सवार थे, तभी बीच पानी में असंतुलित होने से नाव पलट गई। हादसे में केशु, गोलू, सुरेश और राहुल के डूबने की जानकारी सामने आई है, वहीं, माला कंवर और दीपक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर पीयूष समरिया और सिटी एसपी तेजस्विनी गौतम मौके पर पहुंची, मौके पर पहुंची एसडीआरएफ, नगर निगम की रेस्क्यू टीम और गोताखोर टीम ने नहर में डुबे युवकों की तलाश शुरू की। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई युवकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर भी मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य की पूरी जानकारी ली और रेसक्यू अभियान को तेज करने के निर्देश दिये। वहीं हादसे की सूचना मिलने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दुख जताया, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जिला प्रशासन को बचाव व तलाशी अभियान को तेज करने के निर्देश दिये है। जानकारी के अनुसार मछुआरे की छोटी नाव थी, मंगलवार शाम को नाव में मछुआरे सहित 7 जने सवार हुए बीच में दुर्गा माता की प्रतिमा रखी हुई थी अचानक से नाव असंतुलित होने से नाव पलटा खा गई नाविक और दो जने तो बाहर आ गये लेकिन 4 जने नहर में बह गये। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि नाव में सवार होकर कुछ युवक माता दुर्गा की प्रतिमा के विर्सजन के लिये गये, इसी दौरान नाव से माताजी की प्रतिमा का विर्सजन करने वाले थे तभी पानी के बीचो-बीच नाव असंतुलित होकर पलट गई, हादसे की सूचना मिलते ही टीमों को मौके पर बुलाकर रेसक्यू ऑपरेशन शुरू करा दिया है। शहर एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तीन जने जो तैराना जानते थे वह बाहर आ गये लेकिन चार युवक पानी में बह गये, पानी में बहे युवको की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच में है।

एसआईआर के विरोध में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

अजमेर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाताओं के नाम कथित रूप से काटे जाने के विरोध में मंगलवार को अजमेर में यूथ कांठोस ने प्रदर्शन किया। गांधी भवन चौराहे पर एकत्रित कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के रावण रूपी प्रतीकात्मक पुतले का दहन कर निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और मतदाता सूची से हटाए गए नामों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अजमेर यूथ कांठोस जिलाध्यक्ष हनीश मरोठिया ने कहा कि जिस प्रकार रावण को अपनी शक्ति का अहंकार था और हनुमानजी ने लंका दहन कर उसका घमंड तोड़ा था, उसी तरह यूथ कांग्रेस ने प्रतीकात्मक रूप से 'वोट चोरी की लंका' में आग लगाकर विरोध दर्ज कराया है। मरोठिया ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में देशभर में एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली स्थित युवा कांठोस मुख्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में 51 फीट का पुतला जलाकर विरोध जताया गया था। इसी क्रम में अजमेर में भी प्रदर्शन आयोजित किया गया।

संघ के शताब्दी वर्ष पर विभिन्न बस्तियों में निकला पथ संचलन

अलवर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर विजयादशमी उत्सव के तहत शहर की विभिन्न बस्तियों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। राठनगर, गणपति विहार, बुद्ध विहार, शिवाजी बस्ती, बसंत विहार, राजेंद्र नगर, काला कुआं, लाल डिग्गी और मानसरोवर बस्ती सहित अन्य क्षेत्रों में स्वयंसेवकों ने घोष की धुनों के साथ अनुशासित कदमताल करते हुए पथ संचलन निकाला। संचलन मार्ग पर जगह-जगह बस्तीवासियों और प्रबुद्धजनों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। संघ की स्थापना वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष 2025 में संघ ने स्थापना के 100 वर्ष पूरे किए। शताब्दी वर्ष के आयोजनों के माध्यम से संगठन, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को समाज तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। विजयादशमी को असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर निकाले गए पथ संचलन में स्वयंसेवकों का अनुशासन और घोष की धुनें आकर्षण का केंद्र रहीं। आयोजनों के माध्यम से समाज को एकजुट होकर राष्ट्रिहत में कार्य करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रमों में सामाजिक समरसता, पारिवारिक संस्कार, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर जन-जागृति का आ ान किया गया। संघ के पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और युवाओं में अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध विकसित करने का संदेश दिया गया। विभिन्न बस्तियों में आयोजित कार्यक्रमों में नागरिकों की सहभागिता और पथ संचलन के स्वागत ने आयोजन को उत्सवमय बना दिया। आयोजकों के अनुसार, इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना और संगठित समाज के निर्माण की दिशा में लोगों को प्रेरित करना रहा।

अलवर शहर में विजयादशमी उत्सव के तहत शहर की विभिन्न बस्तियों में आरएसएस के स्वयंसेवकों ने घोष की धुनों के साथ कदमताल करते हुए पथ संचलन निकाला।

■ **शताब्दी वर्ष के आयोजनों के माध्यम से संगठन, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को समाज तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है**

अलवर के प्रताप राजपूत छात्रावास में दशहरा उत्सव, 500 प्रतिभाओं का सम्मान

शस्त्र पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

अलवर। प्रताप राजपूत छात्रावास शिक्षा समिति की ओर से मंगलवार को प्रताप राजपूत छात्रावास में भव्य दशहरा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:30 बजे पारंपरिक शस्त्र पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर समाज के करीब 500 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को शैक्षिणक एवं अन्य क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह

- **आयोजन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था**

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समिति के संयोजक भावेश ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना तथा क्षेत्र के विकास और सामाजिक हितों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श

पूर्व केन्द्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह की मौजूदगी में प्रताप राजपूत छात्रावास में भव्य दशहरा उत्सव मनाया गया।

करना था। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने दशहरा उत्सव की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समाज में शिक्षा, आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक सहभागिता बढ़ाने और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई। आयोजकों के अनुसार, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करने का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना तथा समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता और प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया गया।

टाईगर श्रॉफ के हमलावरों को कड़ी सुरक्षा में मुंबई ले गई पुलिस

कोटा, (निसं)। बॉलीवुड अभिनेता टाईगर श्रॉफ फायरिंग केस में पकड़े गए आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार सुबह मुंबई पुलिस का काफिला लेकर रवाना हो गया। मुंबई में टाईगर श्रॉफ के कार पर हुई फायरिंग की घटना से जुड़े तीन आरोपियों को कोटा पुलिस ने सोमवार को पूणे-जयपुर ट्रेन से धर दबोचा था, इसके बाद कोटा पहुंची मुंबई पुलिस ने सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया था। तीनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोटा में सोमवार रात्रि को रेलवे कॉलोनी थाने के हवालात में रखा गया, इस दौरान थाने के बाहर और परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए क्विक रिस्पांस फोर्स का विशेष जाब्ता तैनात किया गया। आरोपियों का पीछा करते हुए मुम्बई पुलिस भी सोमवार को कोटा पहुंच गई थी, पुलिस टीम ने सोमवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश किया और सभी जरूरी मेडिकल टेस्ट कराए गए, न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड हासिल कर मुम्बई पुलिस मंगलवार सुबह आरोपियों को लेकर रवाना हो गई, कोटा पुलिस भी इन्हें शहर की सीमा तक एस्कॉर्ट किया। कोटा शहर पुलिस ने मामले में सूचना पर कार्यवाही करते हुए पूर्ण-जयपुर ट्रेन के जनरल कोच से दो आरोपी रेहान व ऋतिक सहित व एक नाबालिग को पकड़ा था।

सोते हुए मजदूर पर चढ़ा पानी से भरा टैंकर, मौत

बीकानेर । एक ऊन मिल में दर्दनाक हादसा हो गया। रात काम के बाद थकान के चलते एक मजदूर आराम करने के लिए खुले में पड़ी ऊन पर ही सो गया। सुबह करीब 8 बजे पानी से भरा एक टैंकर वहां से गुजरा और मजदूर के ऊपर से निकल गया। टैंकर की चपेट में आने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसका शरीर बुरी तरह कुचल गया और घटनास्थल पर खून फैल गया। हादसे के बाद मजदूर का शव पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। यह हादसा कोटगेट थाना क्षेत्र स्थित

- **मिल के अंदर सूख रही ऊन पर आराम कर रहा था, सिर बुरी तरह कुचला**

रानीबाजार इंडस्ट्रियल एरिया की गली नंबर 7 में एक ऊन मिल का है। कोटगेट थानाधिकारी विक्रम तिवारी ने बताया कि मृतक की पहचान नंदू सिंह भाटी (40) पुत्र जयराम सिंह भाटी, निवासी रीको रोड नंबर 8, गंगाशहर, बीकानेर के रूप में हुई है। वह रानीबाजार की गली नंबर 7 स्थित सुराणा टेक्सटाइल फैक्ट्री में मजदूरी करता था। कोटगेट थानाधिकारी विक्रम तिवारी ने बताया कि मजदूर मिल परिसर में खुले में पड़ी ऊन पर आराम कर रहा था। रात में काम के बाद उसे वहीं नींद आ गई। इसी दौरान 10 हजार लीटर पानी से भरा टैंकर वहां पहुंचा। टैंकर चालक को पता नहीं था कि ऊन के ऊपर मजदूर सो रहा है। ऐसे में टैंकर उसके ऊपर से निकल गया। हादसे में टैंकर का पहिया मजदूर के सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसका सिर बुरी तरह कुचल गया ।

3.74 लाख रुपए के कॉपर चोरी के मामले का खुलासा, नौ पकड़े

जोधपुर । रेलवे सुरक्षा बल ने आधुनिक तकनीक और सटीक जांच के जरिए बासनी रेलवे स्टेशन यार्ड से चोरी हुए 3.74 लाख रुपए के कॉपर वायर मामले का पर्दाफास कर दिया है। साथ ही शत-प्रतिशत बरामदगी कर सफलता की मिसाल पेश की है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) नीतीश शर्मा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 16-17 अगस्त 2026 की रात बासनी रेलवे स्टेशन यार्ड में खड़े ओएचई टावर वैगन से 1,294 मीटर कैटेनरी कॉपर वायर चोरी हुआ था। आरपीएफ पोस्ट भगत की कोठी ने मामला दर्ज कर इस

- **शत-प्रतिशत बरामदगी कर सफलता की मिसाल पेश की**

मामले की जांच शुरू की। करीब 70 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और फास्टैग रिकॉर्ड की मदद से जांच टीम प्रयागराज तक पहुंची। मामले में आठ आरोपियों और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वारदात में प्रयुक्त पिकअप भी जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि सहायक सुरक्षा आयुक्त मुकेश कुमार व टीम को निर्देश के बाद पर्यवेक्षण में टीम ने घटनास्थल और आसपास के करीब 70 कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध पिकअप की पहचान के बाद टोल प्लाजा के फुटेज और फास्टैग रिकॉर्ड से उसकी आवाजाही का पता लगाते लगाते टीम 19 अगस्त को प्रयागराज के करछना क्षेत्र स्थित देवरी खुर्द गांव पहुंची और यूपी 70 पीटी 6664 नंबर की पिकअप जब्त की। इसके बाद 23 अगस्त को नरेंद्र पटेल उर्फ कार्तिक,मनोज,शिवम पटेल,शुभम पटेल और नीरज कुमार पटेल को गिरफ्तार किया गया।

भीलवाड़ा में मतदान दलों को चुनाव सामग्री आज बांटी जायेगी

भीलवाड़ा। पंचायतराज आम चुनाव 2026 के तहत जिले में मतदान दलों के प्रशिक्षण एवं निर्वाचन सामग्री वितरण व मतदान दलों की रवानगी का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है । जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार प्रथम चरण का प्रशिक्षण 21 अक्टूबर 2026 को प्रातः 8.00 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तिलक नगर में आयोजित किया जाएगा जिसमें पंचायत समितियों के लिए नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट भी मतदान दलों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के पश्चात मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री वितरित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए हैं। प्रथम सत्रः प्रातः 8:00 बजे से 10.30 बजे तक आयोजित होगा।इस सत्र में बिजौलिया, जहाजपुर, खजूरी, कोटडी एवं मांडलगढ़ के मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अंतर्गत बिजौलिया में मतदान केंद्र संख्या 1 से 78 तक,

- **प्रथम चरण का प्रशिक्षण राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आज**
- **सेक्टर मजिस्ट्रेट भी मतदान दलों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे**

जहाजपुर में 1 से 107 तक, खजूरी में 1 से 87 तक, कोटड़ी में 1 से 164 तक तथा मांडलगढ़ में 1 से 120 तक के मतदान केंद्र शामिल हैं। इस सत्र में कुल 56 आरक्षित मतदान दलों सहित कुल 612 मतदान दल प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस सत्र के लिए आरक्षित सहित क्रमांक 1 से 62 तक के समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहेंगे। मतदान सामग्री प्राप्ति एवं वाहनों के प्रस्थान का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार द्वितीय सत्रः प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित होगा। इस सत्र में बनेड़ा, करेड़ा, मांडल एवं सुवाणा क्षेत्र के मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अंतर्गत बनेड़ा में मतदान केंद्र संख्या 1 से 108 तक, करेड़ा में 1 से 102 तक, मांडल में 1 से 127 तक तथा सुवाणा में 1 से 217 तक के मतदान केंद्र शामिल हैं। इस सत्र में कुल 55 आरक्षित मतदान दलों सहित कुल 609 मतदान दल प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस सत्र के लिए आरक्षित सहित क्रमांक 1 से 61 तक के समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहेंगे। मतदान सामग्री प्राप्ति एवं वाहनों के प्रस्थान का समय दोपहर 1 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन कार्य को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण एवं मतदान सामग्री वितरण की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रामलीला में रावण वध का रोमांचक मंचन

फुलेरा। कस्बे के रेलवे रामलीला मैदान में चल रही रामलीला के 14वें दिन राम-रावण के बीच घोर संग्राम और रावण वध का रोमांचक मंचन किया गया। युद्ध में रावण के नहीं मरने पर विभीषण ने भगवान राम को उसकी नाभि में स्थित अमृत कुंड का रहस्य बताया। इसके बाद राम ने अग्निबाण से अमृत कुंड को सुखाकर रावण का वध किया। रावण वध होते ही देवी-देवताओं ने आकाश मार्ग से पुष्पवर्षा कर भगवान राम की विजय का उत्सव मनाया।

इस दौरान काली भैरव और शिव परिवार की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। रावण वध के बाद 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। भव्य सजावट और आतिशबाजी के बीच आयोजित मेले में लोगों ने जमकर खरीदारी की **आज होगा रामलीला महोत्सव का समापन :** बुधवार को भरत मिलाप, भगवान राम के राजतिलक और पारितोषिक वितरण के साथ 15 दिवसीय रामलीला महोत्सव का समापन होगा।

भीलवाड़ा सिंधी समाज ने महानवमी पर कन्या पूजन किया

भीलवाड़ा। सिंधी समाज सेवा संस्थान (उत्तर क्षेत्र) में मंगलवार को महानवमी के उपलक्ष में कन्या पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। आरसी व्यास कॉलोनी स्थित सिंधु भवन पंच परमेश्वर झूलेलाल मंदिर में प्रातः महामाया मातारानी की विशेष पूजा अर्चना, मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया जिसमें सम्मिलित सभी यजमानों ने देश व समाज की सुख समृद्धि के

- **सम्मिलित सभी यजमानों ने देश व समाज की सुख समृद्धि के लिये आहूतियां दीं**

लिये आहूतियां दीं। मंदिर में महाआरती के पश्चात 51 कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूपा मान कर उनकी चरण वन्दना कर पूजन किया गया। अंत में सभी कन्याओं को भोजन करवा कर उन्हें फल, चॉकलेट, फ्रूटी, स्टेशनरी एवं अन्य कई उपहार भेंट किये गये। बाद में सभी श्रद्धालुओं के लिये भण्डारा प्रसादी आयोजित की गई। मीडिया प्रभारी पंकज हेमराजानी ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष लालचंद नथरानी, संरक्षक भगवानदास नथरानी, मुख्य

भीलवाड़ा सिंधी समाज सेवा संस्थान (उत्तर क्षेत्र) में महानवमी के उपलक्ष में कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया।

व्यवस्था प्रमुख तुलसीदास नथरानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार पहलवानी, उपाध्यक्ष राजकुमार बदलानी, वरिष्ठ सलाहकार वासुदेव मंघनानी, निर्मल आहूजा, दीनबंधु खत्री, ओमप्रकाश जेठानी, कोषाध्यक्ष एमडी राम, सह संगठन मंत्री सूरज नथरानी, कमलेश जेठानी, सचिव सुमित तोलानी, युवा प्रकोष्ठ प्रभारी दिपेश दत्ता, जीतू जेठानी, सदस्य घनश्याम श्यामनानी, दिनेश बत्रा, महेश नथरानी, हीरा नथरानी, सतीश हेमराजानी, रमेश अगनानी, हीरानंद प्रीतमानी सहित अनेकों पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवक की हत्या के मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार

जोधपुर । शहर की माता का थान पुलिस ने हत्या के आरोप में दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया है। हत्या की आरंभिक वजह पैसों के लेन देन की सामने आई है। फिलहाल पकड़े गए दोनों भाईयों से पुलिस पूछताछ में जुटी है। घटना में घायल की अस्पताल में मौत के बाद परिजन ने रविवार को प्रदर्शन भी किया था। पुलिस ने नामजद दोनों आरोपियों को अब गिरफ्तार कर लिया। दोनों को आज कोर्ट में पेश कर अभिरक्षा में लिया। माता का थान थानाधिकारी अनिल यादव के अनुसार प्रकरण में मूलत : सुरपुरा खुर्द भोपालगढ़ हाल शिवजी नगर, 80 फीट रोड, पुरानी प्याउ के पास रहने वाले हेमंत (27) पुत्र रतनलाल दाधीच, मोहित दाधीच (21) पुत्र रतनलाल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 15 अक्टूबर को लेनदेन को लेकर विवाद में आरोपियों ने संजय सोनी को रात 11.30 बजे के करीब बहाने बुलाया था। इसके बाद उससे बेरहमी से मारपीट की। जिसके चलते वो गंभीर रूप से घायल हो गया था। संजय सोनी की एमजीएच में उपचार के बीच मौत हो गई थी। मृतक की मां सावित्री पत्नी मनोज सोनी की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। जिसमें हेमंत, उसके भाई व अन्य के खिलाफ उनके बेटे ओर उसके दोस्त को रास्ते में रोककर मारपीट करने की।

घाटला में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

अलवर। अलवर के घाटला क्षेत्र में मंगलवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अलवर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी थाना प्रभारी अंजू ने बताया कि मंगलवार सुबह घाटला क्षेत्र में एक महिला के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। मृतका की पहचान बस्कर बानो (35) निवासी हरसाना के रूप में हुई है। उसकी ससुराल लक्ष्मणगढ़ में बताई गई है। पुलिस के अनुसार, महिला पिछले करीब एक साल से मानसिक रूप से बीमार थी और उसका इलाज चल रहा था। वह अपनी बहन के घर घाटला आई हुई थी। इसी दौरान वह अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल जीआरपी पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चिड़ावा के कबूतरखाना बस स्टैंड पर खूनी संघर्ष

दो पक्षों में जमकर चले लात-घूंसे, धारदार हथियार भी चले

चिड़ावा। शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्रों में शुमार कबूतरखाना बस स्टैंड पर मंगलवार सुबह दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बीच बाजार दोनों पक्षों के लोगों में जमकर लात-घूंसे चले और धारदार हथियारों से हमला किए जाने की बात सामने आई है। अचानक हुए घटनाक्रम से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को अलग किया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। एहतियात के तौर पर घटनास्थल के आसपास दिनभर पुलिस जाब्ता तैनात रहा। फोन पर

- **बीच बाजार मारपीट से मची अफरा-तफरी, 4 घायल अस्पताल में भर्ती**

कहासुनी के बाद दुकान पर पहुंचे अख्तर, मारपीट का आरोप मामले में वार्ड 26 निवासी अख्तर पुत्र अमीन अली ने थाने में शिकायत दी है। शिकायत के अनुसार, 19 अक्टूबर को उनके पुत्र आर्यन और वार्ड 23 के मावंडिया की ढ़ाणी निवासी समीर पुत्र पीरू के बीच फोन पर गाली-गलौच हुई थी। इसी बात को लेकर मंगलवार सुबह अख्तर कबूतरखाना बस स्टैंड स्थित समीर की दुकान पर उलाहना देने पहुंचे । अख्तर का आरोप है कि वहां समीर और उसके पिता पीरू ने उनके साथ हाथापाई और मारपीट की। इस दौरान दुकान में रखे लोहे के बांट से वार किया गया, जिससे उनके सिर में चोट आई। इसके बाद अख्तर और उस्मान ने दोनों आरोपियों को पकडने का प्रयास किया तो दुकान में पहले से मौजूद सात-आठ लोगों ने उन पर लोहे के सरियों से हमला कर दिया। मारपीट में अख्तर और उस्मान घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे अकरम और इकराम भी चोटिल हो गए। मारपीट में अख्तर पुत्र अमीन अली, अकरम पुत्र जफ्फार अली, इकराम पुत्र निशार अली और उस्मान खान पुत्र अमीन खान घायल हुए।

पैंथर की दस्तक से दहशत

मसूदा। ग्राम पंचायत किराप में पैंथर की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल है। पैंथर की गतिविधि की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग के अधिकारी हजारीलाल ने मामले की जानकारी ली और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में पिछले कुछ समय से पैंथर की गतिविधियां देखी जा रही हैं। सीसीटीवी कैमरे में भी इसकी मौजूदगी दिखाई दी है। ठाामीणों का दावा है कि पैंथर पहले भी कई बार क्षेत्र में नजर आ चुका है और मवेशियों का शिकार कर चुका है। इससे पशुपालकों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में जल्द पिंजरा लगाकर पैंथर को सुरक्षित पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी जनहानि या पशु हानि की आशंका को रोका जा सके।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में पुरानी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के दर्ज मामले में कैथून पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से वारदता में प्रयुक्त चाकू एवं मोटरसाईकिल जप्त की है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कोटा ग्रामीण में अपराधों की रोकथाम व वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन क्रिमीनल डस्टिंग चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि 15 अक्टूबर को फरियादी आरिफ हुसैन ने थाना कैथून में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके भतीजे वसीक उर्फ वसीम (23) पर अयान मेव और बिट्टू मेव ने पुरानी रंजिश के चलते चाकू से जानलेवा हमला किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक अरूण कुमार के सुपरविजन में कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार के नेतृत्व मे टीम का गठन किया गया। हमले के दो आरोपी कैथून के भीमपुरा निवासी अयान मेव (20) एवं जालखेड़ा निवासी रेहान उर्फ बिट्टू मेव (21) को गिरफ्तार किया, पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल व दो अवैध चाकू बरामद किये है ।

रियासतकालीन परंपराओं के साथ हुआ रावण दहन

कोटा रियासत के पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने मैदान में विधि-विधान के साथ ज्वारा पूजन किया

कोटा (नि.स.) कोटा की ऐतिहासिक और रियासतकालीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए रावण दहन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंगलवार को दशहरा मैदान स्थित विजयश्री रंगमंच के सामने बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक रावण धू-धू कर जल उठा। जिसमें शामिल होने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस गरिमामयी आयोजन ने एक बार फिर कोटा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। इस दौरान कोटा रियासत के पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने मैदान में विधि-विधान के साथ ज्वारा पूजन और श्री सीता जी के पाने का विशेष पूजन संपन्न किया। इन धार्मिक अनुष्ठानों के पूरा होने के बाद, परंपरा के अनुसार पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने नाभि कलश पर सटीक तीर चलाकर अमृत कलश को भेदा। उनके अमृत कलश फोड़ते ही अहंकारी रावण के कुनबे के वध और बुराई के अंत का सिलसिला शुरू हो गया। पंचांग मुहूर्त एवं तय मुहूर्त के अनुसार रात 8.24 बजे से रावण के कुनबे का दहन शुरू हुआ। पुतलों में आग लगते ही दहन स्थल पर मौजूद हर शख्स के हाथ में मोबाइल कैमरे जगमगा उठे। सबसे पहले कुंभकर्ण और फिर मेघनाद के पुतले को आग लगाई गई, और अंत में रात 8.34 बजे 105 फीट ऊंचे विशालकाय रावण के पुतले का दहन आरंभ हुआ। इस बार 105 फीट ऊंचे रावण तथा 72-72 फीट के कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतलों का निर्माण किया गया था।रावण के पुतले में पूरी तरह से ग्रीन आतिशबाजी का प्रयोग किया गया था। जिससे यह दहन पॉल्यूशन फ्री और इको-फ्रेंडली रहा। रावण की छतरी, मुकुट, नक्काशी, ढाल और कंधों में हुए आतिशी धमाकों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इससे पहले वानर सेना ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। मेला परिसर में श्रीराम रंगमंच से रंगीन और भव्य आतिशबाजी ने दर्शकों के रोमांच को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। आसमान में रंगीन अशर्फियों की छटा और गूंजने वाले पटाखों की आवाज से पूरा दशहरा मैदान जगमगा उठा। मेला मैदान में दिनभर लोगों का तांता लगा रहा ।

अपनी जड़ों से कट जाता है इतिहास भूलने वाला समाज: शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है, वह अपनी जड़ों से कट जाता है, इसलिए जरूरी है कि हम इतिहास से लगातार जुड़े रहें। मंगलवार को बीजेएस, राजपूत सभा भवन में वीर शिरोमणि महाराव शेखाजी की जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शेखावत ने कहा कि भारत के बौद्धिक ज्ञान, विज्ञान, संपदा और समृद्धि से आकर्षित होकर अनेक आक्रांता यहां आए। भारत की सभ्यता और उसकी संपन्नता ने विदेशी शक्तियों को आकर्षित किया। सिकंदर के समय से लेकर हूणों, कुषाणों और बाद के

- **महाराव शेखाजी जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित**
- **प्रतिभा सम्मान समारोह में शेखावत ने कहा कि भारत के बौद्धिक ज्ञान, विज्ञान, संपदा और समृद्धि से आकर्षित होकर अनेक आक्रांता यहां आए**

आक्रांताओं तक भारत ने लंबे समय तक बाहरी आक्रमणों का सामना किया। इसके बावजूद भारतीय सभ्यता की निरंतरता बनी रही। इसका श्रेय उन पूर्वजों के साहस, संघर्ष, त्याग और अपनी संस्कृति के प्रति अटूट निष्ठा को जाता है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी देश की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखा। केंद्रीय मंत्री ने समाज से अपने इतिहास और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित करने का आ ान करते हुए कहा कि पूर्वजों के आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, अपितु उन्हें नई पीढ़ी के संस्कारों और जीवन मूल्यों का हिस्सा बनाना चाहिए। इतिहास से जुड़ाव ही समाज को अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक बनाए रखता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इतिहास पुरुषों के शौर्य, संघर्ष और आदर्शों को केवल जयंती समारोहों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। समाज का विकास केवल राजनीतिक सामर्थ्य से नहीं, अपितु शिक्षा, संस्कार, सामाजिक एकता और चरित्र निर्माण से होता है। केंद्रीय मंत्री ने समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए सशक्त, जागरूक और संस्कारवान समाज का निर्माण करना चाहिए। इसके लिए सामाजिक एकता मजबूत करने, युवाओं को प्रोत्साहित करने और अपनी परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की आवश्यकता है। कृषि विश्विद्यालय के कुलगुरु डॉ वीरेंद्र सिंह जैतावत, प्रोफेसर कल्याण सिंह शेखावत, मारवाड़ राजपूत सभा अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राणावत, पार्षद स्वरूप सिंह सांगलिया सहित अनेक गणमान्य लोग एवं समाज के बंधु मौजूद रहे।

रितु बराला मामले में कांग्रेस का धरना जारी, प्रदर्शन के दौरान धक्का-मुक्की

धरने में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रताप सिंह खाचरियावास और अन्य नेता रातभर कमिश्नरेट परिसर में बैठे रहे

जयपुर। दिल्ली में एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव रितु बराला के साथ कथित मारपीट और अभद्रता के मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर राजस्थान में कांग्रेस और पुलिस के बीच गतिरोध मंगलवार को भी जारी रहा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का जयपुर पुलिस कमिश्नरेट परिसर में धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। वहीं,

- **सूत्रों का कहना है कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी डोटासरा को फोन कर जयपुर में एफआईआर दर्ज कराने को कहा था, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमिश्नरेट पहुंचे**

कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया।

सोमवार शाम से शुरू हुए धरने में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और अन्य नेता रातभर कमिश्नरेट परिसर में बैठे रहे। मंगलवार सुबह भी नेताओं ने धरनास्थल पर ही चाय-नाश्ता किया। बाहर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स और दीवारों पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो धक्का-मुक्की और हल्की झड़प हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और महिला कार्यकर्ता फिर धरने पर बैठ गए।

कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया।

प्रशासन ने कमिश्नरेट के दोनों मुख्य द्वारों पर बैरिकेडिंग कर परिसर में आमजन का प्रवेश बंद कर दिया। प्रदर्शन के कारण गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे और एमआई रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ।

वहीं दूसरी ओर रितु बराला सोमवार को कांग्रेस की कानूनी टीम और नेताओं के साथ मोती डूंगरी थाने पहुंची थीं। वहां संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए लिखित शिकायत दी गई। कांग्रेस विधायक रफीक खान, अमीन कागजी और अन्य नेताओं ने भी शिकायत दर्ज करने की मांग की। इसके बाद उन्हें पुलिस कमिश्नरेट जाने के लिए कहा गया। शाम करीब 6:15 बजे डोटासरा, खाचरियावास, विधायक रफीक खान और जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल कमिश्नरेट पहुंचा। वहां पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल मौजूद नहीं थे। डोटासरा ने फोन पर उनसे बात कर मामले को व्यक्तिगत मुद्दा नहीं बनाने और जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शिकायत दर्ज होने तक वे कमिश्नरेट से नहीं हटेंगे।

सूत्रों का कहना है कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी डोटासरा को फोन कर जयपुर में एफआईआर दर्ज कराने को कहा था, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमिश्नरेट पहुंचे।

जयपुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज करने से इनकार करते हुए कहा कि 13 अक्टूबर की घटना के संबंध में रितु बराला ने उसी दिन दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में शिकायत दी थी। पुलिस के अनुसार इस शिकायत पर एफआईआर संख्या 291/2026 दर्ज है और दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है। ऐसे में समान तथ्यों के आधार पर जयपुर में अलग से एफआईआर दर्ज करना विधिसम्मत नहीं माना गया है।

पुलिस ने रितु के इस कथन को भी सही नहीं माना कि इलाज में व्यस्त रहने के कारण वह दिल्ली में शिकायत दर्ज नहीं करा सकीं। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन ही दिल्ली पुलिस को शिकायत दे दी गई थी। आगे की कार्रवाई दिल्ली पुलिस की जांच के आधार पर होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी कानून की पालना नहीं कर रहे हैं और राजस्थान की बेटी को न्याय दिलाने की मांग पर कार्रवाई से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी एफआईआर दर्ज करने की बात तो करते हैं, लेकिन न रिपोर्ट दर्ज कर रहे हैं और न ही स्थिति स्पष्ट कर रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस नेता भूखे-प्यासे धरने पर बैठे हैं और रितु को न्याय दिलाने के बाद ही उठेंगे। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज होने तक आंदोलन जारी रखने की बात दोहराई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सवाल उठाया कि रितु बराला की शिकायत पर कार्रवाई की मांग के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में परेशानी क्यों हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में शिकायत देने के बावजूद मामले में कार्रवाई नहीं की गई।

झगड़े के बाद महिला की हत्या की आशंका: लिव-इन पार्टनर फरार

- **शादीशुदा होने के बावजूद महिला के साथ रह रहा था युवक**
- **दोनों मिलकर चलाते थे टिफिन सेंटर**
- **एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य**

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही 35 वर्षीय महिला का शव मंगलवार एक फ्लैट में मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को महिला के लिव-इन पार्टनर युवराज पर हत्या करने का शक है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार है। पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आरोपी की तलाश में टीमें लगाई हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला पर किसी भारी वस्तु से वार कर उसकी हत्या की गई।

थानाधिकारी कविता यादव ने बताया कि मृतका पिछले काफी समय से युवराज के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। दोनों किराए के फ्लैट में रहते थे और मिलकर टिफिन सेंटर चलाते थे। युवराज शादीशुदा था, इसके बावजूद वह अपनी पत्नी से अलग रहकर महिला के साथ रह रहा था।

पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया था। पुलिस को आशंका है कि इसी दौरान युवक ने किसी भारी वस्तु से महिला पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी महिला का शव फ्लैट के कमरे में छोड़कर फरार हो गया। हालांकि हत्या के वास्तविक कारणों और घटनाक्रम की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इसी दौरान पड़ोसी फ्लैट पर पहुंचे तो कमरे में महिला का शव पड़ा मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस को युवराज पर महिला की हत्या कर फरार होने का शक है।

माँ दुर्गा के नौवें स्वरूप की पूजा-अर्चना की

जयपुर। सार्वजनिक पूजा उत्सव समिति, मुरलीपुरा, जयपुर में आज महा-नवमी की पूजा कुमारी पूजन के साथ विधि-विधान से सम्पन्न हुई। आज के पावन अवसर पर माँ दुर्गा के नौवें स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई। परंपरा अनुसार छोटी कन्याओं का कुमारी के रूप में पूजन कर उन्हें भोग प्रसाद वितरित किया गया। सुबह से ही पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ माँ के दर्शन के लिए उमड़ी रही। समिति के सचिव समीर दण्डापाट ने बताया कि हमारा थीम पंडाल "रोली-मोली" इस वर्ष जयपुर में विशेष आकर्षण का केंद्र रहा और हजारों श्रद्धालुओं ने इसके दर्शन किए। उन्होंने बताया कि कल विजयादशमी के दिन सिंदूर खेला के साथ 5 दिवसीय दुर्गा पूजा का विधिवत समापन किया जाएगा। दण्डापाट ने पूजा को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों, प्रशासन और जयपुर वासियों का आभार व्यक्त किया।

विजयादशमी मनाई

जयपुर। छोटीकाशी के देवी मंदिरों में मंगलवार को महानवमी और विजयादशमी का पूजन हुआ। आमेर शिला माता मंदिर में मंगलवार को विजयादशमी मनाई गई। पुजारी बनवारी लाल शर्मा ने मंदिर में रखे शस्त्रों का पूजन किया। 21 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे नवरात्र उत्थापना होगा। दुर्गापुरा के दुर्गामाता मंदिर, घाटगेट स्थित काली माता मंदिर, झालाना डूंगरी स्थित कालक्या माता मंदिर, राजापार्क स्थित वैष्णो देवी मंदिर, पुरानी बस्ती स्थित चंद्र घंटेश्वरी मंदिर में नवमी पूजन के बाद दशमी तिथि पूजन हुआ।

ठिकाना मंदिर गोविन्द देव जी, के कनक घाटी आमेर रोड स्थित अधीनस्थ मंदिर देवी मनसा माता में नवरात्र महोत्सव के तहत मंगलवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्रवण नक्षत्र में महानवमी पूजन हुआ। कन्या पूजन-बटुक पूजन कर उपहार भेंट किए गए। प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का भी पूजन किया गया। इसके बाद हवन किया गया। 21 अक्टूबर को धनिष्ठा नक्षत्र में प्रातः 10:47 बजे तक अपराजिता पूजन होगा।

अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों की ऑनलाइन ठगी करने वाले साइबर गिरोह का पर्दाफाश

- **भांकरोटा में फर्जी तकनीकी सहायता कॉल सेंटर पर पुलिस की दबिश, 8 युवक और 2 युवतियां डिटेन**
- **19 मोबाइल, 12 लैपटॉप और अन्य उपकरण बरामद, एक्स-लाइट सॉफ्टवेयर, टीएफएन नंबर और टेलीग्राम के जरिए चल रहा था ठगी का नेटवर्क**

जयपुर। अमेरिकी नागरिकों को तकनीकी सहायता देने के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले साइबर गिरोह का जयपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। भांकरोटा थाना क्षेत्र में मंगलवार को फर्जी तकनीकी सहायता कॉल सेंटर पर दबिश देकर पुलिस ने 8 युवकों और 2 युवतियों सहित 10 लोगों को डिटेन किया। मौके से 19 मोबाइल फोन, 12 लैपटॉप और बड़ी मात्रा में लैपटॉप से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद की गई है। प्रारंभिक पूछताछ में गिरोह के जरिए अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों रुपए की ठगी किए जाने की बात सामने आई है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल और स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश के निर्देशन में साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अब गिरोह के संचालकों, नेटवर्क और ठगी की रकम के लेन-देन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी आईफोन में तकनीकी समस्या दूर करने के नाम पर अमेरिकी नागरिकों से संपर्क करते थे। एक्स-लाइट सॉफ्टवेयर और टीएफएन नंबरों के माध्यम से ग्राहकों से बातचीत की जाती थी। तकनीकी सहायता देने का भरोसा दिलाकर उन्हें बातचीत में उलझाया जाता और सहायता के नाम पर शुल्क वसूला जाता था।

पुलिस के अनुसार इस प्रक्रिया के दौरान ग्राहकों को विश्वास में लेकर उनके बैंक खातों से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाता था। इसके बाद इस जानकारी का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकालने की आशंका है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक गिरोह में शामिल एक युवती कथित तौर पर बैंक अधिकारी बनकर ग्राहकों से बातचीत करती थी। वह उन्हें विश्वास में लेकर बैंक खातों से संबंधित गोपनीय जानकारी हासिल करती थी। इसके बाद यह जानकारी टेलीग्राम समूह में साझा की जाती थी। गिरोह के संचालक इन जानकारियों का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकाल लेते थे। पुलिस इस पूरे तरीके और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 19 मोबाइल फोन, 12 लैपटॉप और बड़ी मात्रा में लैपटॉप से जुड़ी सामग्री जब्त की है।

'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान के लिए टीम गठित

- **अभियान के लिए मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा और प्रदेश मंत्री सीताराम को प्रदेश संयोजक बनाया**

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान ने 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान के तहत प्रदेश स्तरीय टीम का गठन किया है। इसमें मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री सीताराम पोसवाल को प्रदेश संयोजक बनाया है। वही प्रदेश सह-संयोजक की जिम्मेदारी पूर्व उप महापौर पुनीत कर्णावट और भवानीशंकर शर्मा को सौंपी गई है। अभियान के तहत सात कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए प्रमोद वशिष्ठ, लक्ष्मीकांत पारिक और योगेश सिंह सिसोदिया को जिम्मेदारी दी गई है। पदयात्रा के लिए नारायण मीणा, एकता अग्रवाल, नीरज जैन और विक्रम सिंह शेखावत को शामिल किया गया है। राष्ट्र चिंतन संवाद के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक गोपाल शर्मा, राखी राठौड़ और अटल खंडेलवाल जिम्मेदारी संभालेंगे। युवा संवाद के लिए आईदान सिंह माटी, शंकर गोरा, कैलाश वर्मा और नरेश ओझा को जिम्मेदारी दी गई है। छात्रों की प्रतिस्पर्धा के लिए अपूर्वा सिंह, श्याम सिंह राजावत और होशियार मीणा को शामिल किया गया है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सुश्री टीना कंवर से बदलकर टीना कंवर सिसोदिया कर लिया है। टीना कंवर सिसोदिया पुत्री श्री जसवंत सिंह सिसोदिया, निवासी गांव- बरखेड़ा , पोस्ट- शिवदासपुरा, जिला जयपुर, राजस्थान- 303903, भविष्य में मुझे मेरे नए नाम से जाना जावे।

I, DEEPENDRA SINGH KHANGAROT S/o BHANWAR SINGH) Address: (6-A, Vikas Nagar, JAIPUR, 302021 has changed my Name from DEEPENDRA SINGH to DEEPENDRA SINGH KHANGAROT

I have changed my name Priyaben Naranbhai Rupchandani to Priya Ravjani for all future and legal purpose. Address: 3/103, SFS, Agrawal Farm, Mansarovar, Jaipur-302020

I have changed my name Hargun Poonamben Kishanbhai to Komal Ravjani for all future and legal purpose. Address: 3/103, SFS, Agrawal Farm, Mansarovar, Jaipur-302020

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :-4296 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:- 13/10/2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में फ्लैट संख्या HD-1003 (HIG), (एरिया 63.720 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री चन्द्र शेखर शर्मा पुत्र श्री मूलचन्द्र शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 6726 दिनांक 26.08.2021 को जारी किया गया। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 10.04.2023 को प्राप्त कर लिया गया है। श्री चन्द्र शेखर शर्मा की मृत्यु दिनांक 03.10.2025 को हो जाने के कारण शपथ पत्र घोषणा पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र के आधार पर इनकी पत्नी श्रीमती शशिकला शर्मा पत्नी स्व. श्री चन्द्र शेखर शर्मा द्वारा उक्त फ्लैट स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्रीमती शशिकला शर्मा पत्नी स्व. श्री चन्द्र शेखर शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

निर्माणाधीन मकानों से एसी के कॉपर वायर चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाकर एसी के कॉपर वायर चोरी करने के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 8 किलो कॉपर वायर बरामद किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि परिवादी धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी

- **8 किलो तांबा बरामद, नशे की लत पूरी करने के लिए करता था चोरी**

कि 2 सितंबर को उनके निर्माणाधीन मकान की साइट से एसी का कॉपर वायर चोरी हो गया। इस संबंध में मुरलीपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया।

वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के साथ घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ रात के समय संदिग्ध गतिविधियों की जांच और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की पहचान कर विकास स्वामी उर्फ पंखुड़ी (27) निवासी भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

मुरलीपुरा थाना पुलिस ने वायर चोरी करने के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया।

दुर्गाबाड़ी में सिंदूर उत्सव मनाया

जयपुर। बनीपार्क स्थित दुर्गाबाड़ी में विजयादशमी के पावन अवसर पर माँ दुर्गा के प्रति अगाध श्रद्धा और पारंपरिक बंगाली संस्कृति के अनुरूप सिंदूर उत्सव पूरी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस पारंपरिक उत्सव में बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर माँ दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना की। उत्सव के दौरान महिलाओं ने सबसे पहले माँ दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर उनकी विधिवत पूजा की। इसके बाद भक्ति और उल्लास से परिपूर्ण नृत्य के माध्यम से महिलाओं ने माँ दुर्गा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। बंगाली परंपरा के इस मुख्य आकर्षण यानी सिंदूर खेला के तहत महिलाओं ने एक-दूसरे के माथे और चेहरे पर सिंदूर लगाया। इस दौरान महिलाओं ने माँ से अखंड सौभाग्य, परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तरोत्तर खुशहाली की कामना की। बंगाली संस्कृति के अनुसार, विजयादशमी के दिन माँ दुर्गा को उनके मायके से ससुराल के लिए विदाई दी जाती है, और यह उत्सव उसी विदाई बेला में सुहागिनों द्वारा माँ के सुखमय वैवाहिक जीवन की मंगलकामना के रूप में मनाया जाता है। सम्पूर्ण दुर्गाबाड़ी परिसर में भक्ति, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास का अनूठा माहौल दिखाई दिया।

'लोक कर्तव्यों का निर्वहन करने वाला लोक सेवक की श्रेणी में'

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने इंटर्नशिप एनओसी के नाम पर रिश्वत लेने से जुडे मामले में आरोपी योगेश कुमार, राजकुमार मीणा और रमेश कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में लोक कर्तव्यों का वास्तविक निर्वहन करने वाला व्यक्ति लोक सेवक की श्रेणी में आता है, उसका नियोक्ता सरकार हो गया अन्य कोई निजी संस्थान। अदालत ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के नियमों के अनुसार एनओसी जारी करने के एवज में कॉलेज द्वारा कोई शुल्क लिया जाना तय नहीं था।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक आलोक रवि ने बताया कि परिवादी रायसिंह गुर्जर ने गत 1 अक्टूबर को एसीबी में रिपोर्ट दी थी। जिसमें कहा गया कि उसकी भतीजी कल्पना गुर्जर किशनगढ़ रेनवाल आयुर्वेद कॉलेज से बीएएमएस की पढ़ाई कर रही है और वह अन्य कॉलेज से इंटर्नशिप करना चाहती है। इंटर्नशिप के लिए एनओसी प्राप्त करने हेतु जब 29 सितंबर को आवेदन किया गया, तो कार्यालय में मौजूद एलडीसी राजकुमार और डिप्टी डायरेक्टर योगेश ने 40 हजार रुपए जमा कराने को कहा। कॉलेज कैशियर रमेश शर्मा ने भी यही बात दोहराई और कहा कि यह राशि नकद ही देनी होगी। शिकायतकर्ता का कहना था कि इंटर्नशिप के लिए एनओसी जारी करने की कोई फीस नहीं लगती है। एसीबी ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए कैशियर रमेश चंद शर्मा को परिवादी से 35,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए दबोचा और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सुनवाई के दौरान आरोपियों के अधिवक्ता ने कहा कि संस्था एक प्राइवेट कॉलेज है और उसे सरकार से कोई अनुदान नहीं मिलता है। इसके साथ ही आरोपी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत लोकसेवक की परिभाषा में नहीं आते हैं। कॉलेज के संघ विधान पत्र के तहत अन्य कॉलेज से इंटर्नशिप चाहने पर कॉलेज के विकास के लिए 40 हजार रुपए शुल्क लेने का प्रावधान है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

प्रथम चरण का प्रचार थमा, आज रवाना होंगे मतदान दल

22 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक होगा जिला परिषद् एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के तहत जयपुर जिले में प्रथम चरण के मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रथम चरण के लिए बुधवार, 21 अक्टूबर को मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण के उपरांत संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगें।

मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, ईवीएम के संचालन तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद दलों को निर्वाचन सामग्री एवं निर्धारित व्यवस्थाओं के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने मंगलवार को भवानी निकेतन फार्मेसी कॉलेज परिसर में सभी संबंधित 8 पंचायत समितियों को रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य सभी चुनाव से जुड़े अधिकारियों के साथ प्रथम चरण के मतदान व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने वीसी के माध्यम से सभी संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण की निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ-साथ चुनावों से संबंधित सभी कार्मिकों को निर्वाचन को राष्ट्रीय महत्व का कार्य मानते हुए पूर्ण निष्ठा, निष्पक्षता, ईमानदारी एवं गंभीरता से संपादित करने के निर्देश प्रदान किए हैं।

उन्होंने मतदान के उपरांत ईवीएम का संग्रहण संबंधित पंचायत समिति मुख्यालय पर कर उसे भवानी निकेतन फार्मेसी कॉलेज परिसर में सुरक्षित पहुँचाने के निर्देश दिए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने अधिकारियों के साथ प्रथम चरण के मतदान व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

- **निर्वाचन कार्य को राष्ट्रीय महत्व का कार्य मानते हुए पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा, निष्पक्षता एवं गंभीरता से करें संपादित - जिला निर्वाचन अधिकारी**

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए गुरुवार, 22 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण में पंच एवं सरपंच पदों के लिए शुक्रवार, 23 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके बाद शनिवार, 24 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा।

पंचायती राज में भाजपा की जीत से खुलेगी ग्रामीण विकास की राह: मदन राठौड़

- **ग्रामोत्थान से ही राष्ट्रोत्थान का मार्ग होगा प्रशस्तः मदन राठौड़**
- **भाजपा को जीताकर कांग्रेस की कट-कमीशन वाली संस्कृति को करें समाप्तः मदन राठौड़**

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित गांव ही विकसित राजस्थान और विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। भाजपा सरकार का लक्ष्य है कि गांवों में रहने वाले प्रत्येक परिवार तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचे और ग्रामीण नागरिकों को बेहतर सुविधाओं के लिए शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत 2047 का संकल्प ग्राम विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ग्राम के विकास के बिना भारत का विकास संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि पंचायती राज में भाजपा के कार्यकर्ताओं का निर्वाचन ना केवल ग्रामीण विकास को गति देगा, बल्कि विकसित भारत के संकल्प को भी साकार करेगा। इसलिए भाजपा ने ग्राम संकल्प पत्र जारी कर अपनी मंशा और प्रतिबद्धता जाहिर की है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा के लिए गांव, गरीब सदैव महत्वपूर्ण रहे है। अंत्योदय का विचार गांव और गरीब को संबल बनाने की दिशा में काम करता है। ग्रामोत्थान ही राष्ट्रोत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। इसलिए गांवों में ईमानदार और विचार के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं का चुनाव जीतना जरूरी है ताकि जनता के लिए बन रही कल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत क्रियान्वयन हो सके और कांग्रेस द्वारा विकसित की गई कट-कमीशन की संस्कृति को समाप्त किया जा सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, किसानों की समृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गांवों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ कृषि, पशुपालन, ग्रामीण उद्योग और स्वरोजगार को प्रोत्साहन देना आवश्यक है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो और स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर सृजित हों। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाना और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की वास्तविक प्रगति तभी सुनिश्चित होगी, जब गांवों का विकास प्राथमिकता के आधार पर होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, सिंचाई, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किसानों, मजदूरों तथा ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित को केंद्र में रखकर ग्रामीण विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण जनता के सामूहिक प्रयासों से गांव आत्मनिर्भर बनेंगे और राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

मुझसे कौन ही बात करेगा। और क्यों बात करेगा। टीम इंडिया के कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में नहीं हूं, इसलिए कोई मेरी तरफ क्यों देखेगा।

– मोहम्मद शमी

पूर्व भारतीय गेंदबाज, चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट से नाराज होते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल फुटबॉल फेडरेशन ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 30 दिन का प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही उन पर करीब 27,154 रुपये (255 यूरो) का जुर्माना भी लगाया गया है। फेडरेशन ने यह कार्रवाई पुर्तगाल के ट्रेनिंग कैंप से बिना अनुमति चले जाने के मामले में की है। रोनाल्डो ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान कैंप छोड़ दिया था, जिसके बाद उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई। यह फैसला 30 सितंबर से लागू माना गया है। इसके चलते 41 वर्षीय रोनाल्डो 14 नवंबर को पुर्तगाल के अगले अंतरराष्ट्रीय मैच से वापसी कर सकेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी (264 रन, बनाम श्रीलंका, 2014) खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है।

भारत ने जिम्बाब्वे पर किया क्लीन स्वीप, आखिरी मैच में 92 रनों से हराया

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है। टीम इंडिया ने स्मृति मंधाना की कप्तानी में रायपुर में खेले गए तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज की है। मंगलवार को खेले गए आखिरी मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 92 रनों से करारी शिकस्त दी है। सीरीज का पहला मुकाबला भारत ने 4 विकेट से जीता था, जबकि दूसरे मुकाबले में मेहमान टीम को 9 विकेट से शिकस्त दी थी।

मंगलवार, 20 अक्टूबर को खेले गए आखिरी मुकाबले भारतीय टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत इस मुकाबले में अच्छी रही और शानदार तरीके से बल्लेबाजों ने रन बनाए। हरमनप्रीत कौर की 91 और शैफाली वर्मा की 69 रनों की पारी की मदद से भारत ने जिम्बाब्वे के सामने 217 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। इस विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 124 रन ही 7 विकेट के नुकसान पर बना सकी।

भारत ने अनुष्का शर्मा के रूप में अपना पहला विकेट खोया। उन्होंने 20 गेंदों में 28 रन बनाए। मंधाना आज अभी तक बैटिंग करने नहीं आईं। अनुष्का के बाद निक्की प्रसाद भी 9 रन 12 गेंदों में बनाकर आउट हो गईं। शैफाली वर्मा ने 27 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। शैफाली वर्मा 37 गेंदों में 69 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 गेंदों में 91 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 10 चौके और पांच छक्के जड़े। जिम्बाब्वे की बल्लेबाज शार्ने मेयर्स ने अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 49 गेंदों में 60 रन बनाए जबकि प्रिय बिजा ने 50 गेंदों में 44 रनों की पारी खेली।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर शेफाली वर्मा को आधिकारिक फटकार

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। भारतीय महिला क्रिकेटर शेफाली वर्मा को जिम्बाब्वे के खिलाफ रविवार को खेले गए दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई गई है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। शेफाली को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए निर्धारित आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह अनुच्छेद अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान क्रिकेट के उपकरणों, कपड़ों, मैदान के उपकरणों या अन्य सुविधाओं के दुरुपयोग से संबंधित है यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 12वें ओवर में हुई। भारतीय गेंदबाज श्री चरणी की गेंद पर शेफाली ने मिड-ऑफ पर चिपो मुगेरी-तिरिपानो का कैच छोड़ दिया।

फ्रेंच ओपन : तन्वी ने प्री-क्वार्टर फाइनल की ओर बढ़ाया कदम

पेरिस, 20 अक्टूबर। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने फ्रेंच ओपन-2026 में अपनी हमवतन ईशारानी बरुआ को हराकर अगले दौर में जगह बना ली। मंगलवार को खेले गए महिला एकल के मुकाबले में तन्वी ने 22 वर्षीय ईशारानी को 21-12, 21-12 से शिकस्त दी। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला। इस जीत के बाद तन्वी का अगले दौर में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से सामना हो सकता है। आन को पहले दौर में डेनमार्क की अमाली शुल्ज से खेलना है। तन्वी हाल ही में डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में आन से यंग को चुनौती दे चुकी हैं, हालांकि उन्हें 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा था।

रणजी ट्रॉफी : गायकवाड़ का शतक, साई किशोर के 10 विकेट, पंजाब, बंगाल और यूपी की जीत

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के तीसरे दिन मंगलवार को बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ ने शतक जड़ा, जबकि तमिलनाडु के साई किशोर ने 10 विकेट लेकर उत्तराखंड के खिलाफ टीम को पारी और 66 रन से जीत दिलाई। पंजाब के हरप्रीत बराड़ और बंगाल के शाहबाज अहमद ने भी गेंद से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश और बंगाल के साथ विदर्भ ने भी जीत दर्ज की।

साई किशोर के 10 विकेट, तमिलनाडु की बड़ी जीत

साई किशोर ने पहली पारी में 40 रन देकर चार और दूसरी पारी में 34 रन देकर छह विकेट झटके। उनके इस प्रदर्शन से तमिलनाडु ने उत्तराखंड को पारी और 66 रन से हराया। उत्तराखंड की टीम पहली पारी में 134 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में तमिलनाडु ने प्रदोष रंजन पॉल के 136 और बाबा इंद्रजीत के 77 रन की मदद से 313 रन बनाए। पहली पारी में 179 रन से पिछड़ने के बाद उत्तराखंड दूसरी पारी में 113 रन पर ढेर हो गया। प्रदोष को शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ऋतुराज और बावने के शतक से महाराष्ट्र मजबूत

झारखंड के पहली पारी के 169 रन के जवाब में महाराष्ट्र ने तीसरे दिन अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 527 रन बनाकर घोषित कर दी। ऋतुराज गायकवाड़ ने 172 गेंदों में 101 रन बनाए, जबकि अंकित बावने ने 358 गेंदों पर 169 रन की पारी खेली। बावने का यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 26वां शतक था। महाराष्ट्र को पहली पारी में 358 रन की बढ़त मिली। दिन का खेल समाप्त होने तक झारखंड ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 130 रन बना लिए थे। शिखर मोहन 74 और उत्कर्ष सिंह 45 रन बनाकर नाबाद थे।

चोट के कारण इगा स्वियातेक निंगबो ओपन से हटी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जांघ की चोट के कारण निंगबो ओपन से नाम वापस ले लिया है। इस फैसले के साथ ही साल के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए सीधे क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें भी समाप्त हो गई हैं। स्वियातेक को वुहान ओपन के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन माजा च्वालिंस्का के खिलाफ मुकाबले के दौरान बाएं जांघ में चोट लगी थी। इस मुकाबले में उन्हें 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा था। चोट के कारण वह मैच के दौरान भी असहज नजर आई थीं और उन्होंने पैर के उपचार के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया था। निंगबो ओपन के आधिकारिक सोशल मीडिया खाते पर जारी बयान के अनुसार, स्वियातेक ने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह से उनकी बाईं जांघ में लगातार परेशानी बनी हुई है। उन्होंने सोच-विचार के बाद टूर्नामेंट से हटने और आराम कर चोट से उबरने का फैसला किया है।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए क्राइस्टचर्च पहुंची भारतीय टीम, कल से टी-20 सीरीज का आगाज

क्राइस्टचर्च, 20 अक्टूबर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी बहु-प्रारूप दौरे के लिए क्राइस्टचर्च पहुंच गई है। दौरे का आगाज 22 अक्टूबर को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से होगा। दोनों टीमों के बीच 1 दिसंबर तक पांच टी-20, पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मुकाबले खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने भारतीय दल के क्राइस्टचर्च हवाई अड्डे पर पहुंचने की तस्वीरें साझा की हैं। पहले दल में मुख्य कोच गौतम गंभीर, भुवनेश्वर कुमार, नितीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, नमन धीर और वैभव सूर्यवंशी शामिल हैं।

बीसीसीआई और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुरू किया अंपायरों का आदान-प्रदान कार्यक्रम

मेलबर्न, 20 अक्टूबर। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंपायरों के अनुभव और कौशल को बढ़ाने के लिए आपसी आदान-प्रदान कार्यक्रम की घोषणा की है। इसके तहत ऑस्ट्रेलियाई अंपायर बेन ट्रेलोर भारत में रणजी ट्रॉफी के दो मुकाबलों में अंपायरिंग करेंगे, जबकि भारतीय अंपायर पराशर जोशी ऑस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड के दो मैचों और एक वनडे कप मुकाबले में जिम्मेदारी संभालेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेलोर 18 से 21 अक्टूबर तक दिल्ली में दिल्ली और गुजरात के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबले में अंपायरिंग करेंगे। इसके बाद वह 26 से 29 अक्टूबर तक मुंबई में मुंबई और हरियाणा के बीच होने वाले मैच में अंपायर की भूमिका निभाएंगे।

राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा 26 से अंडर-14 यूथ कप का आयोजन

जयपुर, 20 अक्टूबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा 26 अक्टूबर से अंडर-14 यूथ कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक टीम को 50-50 ओवर के तीन लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा। क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल मुकाबले भी 50-50 ओवर के होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला दो दिवसीय प्रारूप में खेला जाएगा।

रेलवे अकादमी और सीकर अकादमी सेमीफाइनल में

जयपुर, 20 अक्टूबर। जयपुर के स्थानीय डॉक्टर सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फर्स्ट कर्नल बिशन सिंह राठौड़ क्रिकेट टूर्नामेंट में मुकाबला रेलवे अकाडमी और सीकर अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे क्रिकेट अकादमी ने 166 रन बनाए।

70वीं स्कूल नेशनल वुशू चैम्पियनशिप में राजस्थान वुशू टीम ने लहराया परचम, जीता चैम्पियनशिप का खिताब

जयपुर, 20 अक्टूबर। श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में 14 से 20 अक्टूबर तक आयोजित हुई 70वीं स्कूल नेशनल अंडर -17 (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता 2026 में राजस्थान की बालक एवं बालिका वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में देश की 35 टीमों ने भाग लिया, जिसमें राजस्थान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल टीम चैंपियनशिप में प्रथम स्थान तथा बालिका टीम में प्रथम स्थान तथा बालक वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त कर राजस्थान का नाम रोशन किया। हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि राजस्थान की टीम ने कुल 12 पदक अपने नाम किए, जिनमें 6 स्वर्ण, 2 रजत एवं 4 कांस्य पदक शामिल हैं। बालिका टीम ने 4 स्वर्ण एवं 1 कांस्य पदक तथा बालक टीम ने 2 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीते। तथा निरीक्षा कँवर ने प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बालिका खिलाडी का ख़िताब जीता।

22 से 27 अक्टूबर तक जयपुर में आयोजित होगी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

जयपुर, 20 अक्टूबर। जयपुर में 22 से 27 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाली जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के 24 चयनित खिलाड़ी प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। राजस्थान तीरंदाजी संघ द्वारा जारी टीम सूची में रिकर्व, इंडियन राउंड और कंपाउंड स्पर्धाओं के महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। न्राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के सभी खिलाड़ी इस समय अच्छी फॉर्म में हैं। खिलाड़ियों की तैयारी और प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद है कि टीम प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेगी और राजस्थान के लिए पदक जीतने में सफल रहेगी। संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि राजस्थान की टीम राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाएगी।

रणजी ट्रॉफी : तीसरे दिन राजस्थान मजबूत, रेलवे पर फॉलोऑन का खतरा

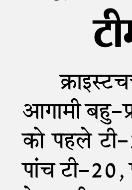

जयपुर, 20 अक्टूबर। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान और रेलवे के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे दिन राजस्थान ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। राजस्थान के पहली पारी में बनाए गए 497 रन के जवाब में रेलवे ने दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट पर 305 रन बना लिए हैं। रेलवे अभी भी राजस्थान से 192 रन पीछे है। रेलवे की ओर से भार्गव मेराई ने 73, ईशान गोयल ने 64 और रवि सिंह ने 53 रन की पारियां खेलीं। राजस्थान की ओर से अजय सिंह कुकना ने 88 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि आकाश सिंह, डेनिश भाभू, चेतन शर्मा और मोहित छांगरा ने 1-1 विकेट हासिल किया। मैच का अंतिम दिन बुधवार को खेला जाएगा। रेलवे को फॉलोऑन से बचने के लिए अभी 43 रन और बनाने हैं।

अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी: बंगाल ने बनाई बढ़त – जयपुरिया ग्राउंड पर राजस्थान और बंगाल के बीच खेले जा रहे अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबले के दूसरे दिन बंगाल ने राजस्थान के 152 रन के जवाब में 8 विकेट पर 308 रन बना लिए। इस तरह बंगाल ने पहली पारी में 156 रन की बढ़त हासिल कर ली है। बंगाल की ओर से सुमित नाग ने नाबाद 100 रन की शतकीय पारी खेली। शशांक सिंह ने 89 और जीत ठाकुर ने 50 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने 53 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि अंकित कुमार और आयुष अमेरिया को 1-1 विकेट मिला।

अंडर-23 महिला टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी: टीम डी ने टीम सी को हराया – अंडर-23 महिला टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में टीम डी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 152 रन बनाए। टीम की ओर से काव्या विश्नोई ने 60 और प्रियांशी जैन ने 52 रन की पारियां खेलीं। जवाब में टीम सी 20 ओवर में 6 विकेट पर 120 रन ही बना सकी। टीम की ओर से औली श्रीमाली ने 23 रन बनाए। टीम डी की गेंदबाजी में मनीषा चौधरी ने 14 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि प्रिया सामोता ने 9 रन देकर 2 विकेट लिए।

महिला टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी: टीम बी की जीत – एक अन्य मुकाबले में टीम ए ने 13 ओवर के निर्धारित मैच में 5 विकेट पर 51 रन बनाए। टीम की ओर से अक्षिता शारदा ने 17 और प्रियांशी चौधरी ने 16 रन बनाए। टीम बी की ओर से अनुष्का शर्मा, लावण्या शर्मा, सुमन तंवर और हतिका ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम बी ने 1 विकेट के नुकसान पर 55 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम की ओर से अंशु सैनी ने नाबाद 23 और शिवानी चौधरी ने 21 रन बनाए।

// एशियाई पैरा खेल //

एशियाई पैरा खेल - भारत के लिए ऐतिहासिक रहा दूसरा दिन 5 स्वर्ण सहित जीते रिकॉर्ड 24 पदक

आइची-नागोया, 20 अक्टूबर। एशियाई पैरा खेलों में भारत ने दूसरे दिन (खेलों के आधार पर) रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए एथलेटिक्स, पैरा टेबल टेनिस, निशानेबाजी, पावरलिफ्टिंग और तैराकी में कुल 24 पदक अपने नाम किए, जिनमें 5 स्वर्ण, 6 रजत और 13 कांस्य पदक हैं। भारत अब 35 पदकों (9 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य) के साथ पदक तालिका में छठे स्थान पर है।

चक्का फेंक में भारत का क्लीन स्वीप, देवेंद्र ने स्वर्ण, राकेश को रजत और प्रदीप ने जीता कांस्य

भारत ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की चक्का फेंक स्पर्धा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए तीनों पदक अपने नाम किए। देवेन्दर कुमार ने स्वर्ण, राकेश ने रजत और प्रदीप कुमार ने कांस्य पदक जीतकर भारतीय तिरंगे का मान बढ़ाया। यह मुकाबला एफ-43, एफ-44, एफ-62 और एफ-64 वर्गों के खिलाड़ियों के बीच आयोजित किया गया।

निषाद कुमार ने खेलों के रिकॉर्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण

भारत के स्टार पैरा एथलीट निषाद कुमार ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने 2.04 मीटर की छलांग लगाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। यह इन खेलों में निषाद का दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे एक दिन पहले उन्होंने पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा (टी-47) में भी 7.11 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था। निषाद ने प्रतियोगिता में 1.88 मीटर और 1.98 मीटर की ऊंचाई आसानी से पार की। इसके बाद उज्बेकिस्तान के मुहम्मदअबदुल्लोह तुर्सुनजोनोव 1.96 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। तुर्सुनजोनोव ने 1.94 मीटर की छलांग के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके बाद निषाद ने 2.04 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और खेलों का नया रिकॉर्ड कायम किया।

सिमरन ने स्वर्ण जीतकर बनाया खेलों का नया रिकॉर्ड, डामोर को कांस्य

भारत की पैरा एथलीट सिमरन शर्मा ने एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, पदार्पण कर रहीं भारत की तेजलबेन डामोर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक जीते। सिमरन ने फाइनल में 24.80 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने ईरान की हज्जर सफरजादेह को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 25.02 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता। तेजलबेन ने 25.23 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की याकिन शेन 26.49 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। सिमरन ने इस बार उन्होंने अपने समय में 1.32 सेकंड का सुधार करते हुए स्वर्ण पदक जीता और खेलों का नया रिकॉर्ड कायम किया।

प्रणव सूरमा ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, राम रतन सिंह को रजत

भारत के प्रणव सूरमा और राम रतन सिंह ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की चक्का फेंक स्पर्धा के एफ-51 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। प्रणव ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि राम रतन दूसरे स्थान पर रहे। प्रणव ने 11.66 मीटर दूर चक्का फेंककर 932 रजा अंक हासिल किए। राम रतन ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 10.35 मीटर की दूरी दर्ज करते हुए 809 रजा अंक प्राप्त किए और रजत पदक जीता। ईरान के अलीरेजा हेमामी तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि, उपलब्ध विवरण में उनके प्रदर्शन को एफ-53 वर्ग से जोड़ा गया है, इसलिए उनके परिणाम की वर्गवार पुष्टि आवश्यक है।

दीप्ति जीवनजी ने लगातार दूसरी बार 400 मीटर का गोल्ड जीता

तेलंगाना की 23 साल की दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर 20 स्पर्धा में 56.36 सेकेंड का समय निकालकर गोल्ड जीता। उन्होंने अपने ही 2022 के गेम्स रिकॉर्ड 56.59 सेकेंड को 0.23 सेकेंड से बेहतर किया। जापान की नीना कानो ने सिल्वर और अकारी काटो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

निरंजन मुकुंदन ने तैराकी में जीता कांस्य पदक

भारत के निरंजन मुकुंदन ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में तैराकी की पुरुषों की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले एसएम-7 स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। निरंजन ने फाइनल में 2 मिनट 57.01 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इसी स्पर्धा में भारत के सुयश नारायण जाधव 3 मिनट 03.40 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। चीन के झांग यिलोंग ने 2 मिनट 37.69 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता और नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। फिलीपींस के अर्नी ग्विलन ने 2 मिनट 52.72 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

एशियाई पैरा खेल में एथलीट प्रीति पाल ने 200 मीटर दौड़ में जीता रजत पदक

भारत की पैरा एथलीट प्रीति पाल ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 200 मीटर टी-35 स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। प्रीति ने फाइनल में 29.53 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की झोउ शिया ने 28.03 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता और खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। इराक की फातिमा सुवेद 30.82 सेकंड में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं।

एशियाई पैरा खेल में हिमांशु ने तैराकी में जीता कांस्य

भारतीय पैरा तैराक हिमांशु नंदल ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस-11 स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी और पायल नाग की जोड़ी ने महिला कंपाउंड युगल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाकर भारत का एक और पदक पक्का कर दिया है। हिमांशु ने चार तैराकों के फाइनल में 5 मिनट 10.91 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। जापान के उचू तोमिता ने रजत और चीन के सुन चुआनझेन ने स्वर्ण पदक जीता। सुन ने इस दौरान एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया। हिमांशु का कांस्य इस संस्करण में पैरा तैराकी में भारत का दूसरा पदक है। इस स्पर्धा में भारत के रवि कार्तिक बुडिगिना 5 मिनट 41.70 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहे। रवि इससे पहले पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस-13 स्पर्धा में रजत पदक जीत चुके हैं।

शीतल-पायल की जोड़ी स्वर्ण पदक से एक कदम दूर

पैरा तीरंदाजी की महिला कंपाउंड युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में शीतल देवी और पायल नाग ने थाईलैंड की फन्निबा स्त्राथोंगमाएव और वासना खुथाविसाप की जोड़ी को 151-135 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब भारतीय जोड़ी 21 अक्टूबर को सुबह 5 बजकर 55 मिनट (भारतीय समयानुसार) से होने वाले स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की जोड़ी से भिड़ेगी। भारतीय जोड़ी की इस जीत के साथ देश का एक और पदक सुनिश्चित हो गया है। अब शीतल और पायल की नजरें स्वर्ण पदक पर होंगी।

निशानेबाजी में सृष्टि और मनीष ने भी दिलाए पदक

इससे पहले भारतीय निशानेबाज सृष्टि अरोड़ा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उन्होंने फाइनल में 214.7 अंक हासिल किए। ईरान की फाएजेह अहमदी ने 237.3 अंकों के साथ स्वर्ण और सारा जावानमर्दी ने 237.0 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

जेहान मदन ने टेबल टेनिस पुरुष एकल वर्ग-1 में जीता कांस्य

भारत के जेहान दोराब मदन ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुष एकल वर्ग-1 टेबल टेनिस स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया है। इस स्पर्धा में यह भारत का पहला और एकमात्र पदक है। जेहान ने राउंड रॉबिन चरण में एक मुकाबला जीता और तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत हमवतन संदीप डांगी को 3-1 से हराकर की। इसके बाद उन्हें सऊदी अरब के राकान अलसल्मी, कजाखस्तान के अरदाक नूरमागाम्बेतोव और दक्षिण कोरिया के ह्योनुक किम के खिलाफ हार मिली। पूल में चौथे स्थान पर रहने के बावजूद जेहान ने स्पर्धा में दिए जाने वाले दो कांस्य पदकों में से एक अपने नाम किया।

गोला फेंक में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ प्रवीण शर्मा ने जीता कांस्य

भारतीय पैरा एथलीट प्रवीण शर्मा ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की गोला फेंक एफ-11 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया। अपने पदार्पण एशियाई पैरा खेल में 19 वर्षीय प्रवीण ने अंतिम प्रयास में 13.86 मीटर गोला फेंककर व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और तीसरा स्थान हासिल किया।

मलिक ने रचा इतिहास, पावरलिफ्टिंग में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में 192 किग्रा भार उठाकर जीता रजत

भारतीय पैरा पावरलिफ्टर अशोक कुमार मलिक ने एशियाई पैरा खेल-2026 में इतिहास रचते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीत लिया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने इस संस्करण में पैरा पावरलिफ्टिंग में अपना पहला पदक हासिल किया। अशोक ने अपने दूसरे प्रयास में 192 किलोग्राम भार सफलतापूर्वक उठाकर दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। उन्होंने पहले प्रयास में 187 किलोग्राम भार उठाया था। स्वर्ण पदक के लिए उन्होंने अंतिम प्रयास में 201 किलोग्राम भार उठाने की चुनौती स्वीकार की, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सके।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में श्री चरणी और दीप्ति शर्मा का दबदबा बरकरार

दुबई, 20 अक्टूबर। भारतीय स्पिन गेंदबाज श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपना दबदबा बरकरार रखा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाली तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ ने गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है। भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। रायपुर में खेले गए शुरुआती दो मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने दोनों मैचों में कुल तीन विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजों में जगह बनाई। इसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला और वह 26 स्थान की छलांग लगाकर 45वें पायदान पर पहुंच गईं। क्रांति गौड़ भी नौ स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गईं। वहीं, श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ किफायती गेंदबाजी करते हुए क्रमशः पहला और दूसरा स्थान बरकरार रखा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिली- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब आतंकवाद व नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही की जा रही है

जयपुर, 20 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व केवल रावण वध का स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त बुराइयों और कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लेने का भी पर्व है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को जयपुर के आदर्श नगर में विजयादशमी के अवसर पर आयोजित रावण दहन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के साथ,

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के आदर्श नगर में विजयदशमी पर आयोजित रावण दहन महोत्सव को संबोधित किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के आदर्श नगर में विजयादशमी के अवसर पर आयोजित रावण दहन महोत्सव में शामिल हुए।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन का ऐतिहासिक कार्य हो रहा है। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास, उज्जैन में महाकाल लोक का निर्माण और सोमनाथ की गौरवशाली विरासत के स्मरण जैसे कार्यों ने देश की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार, सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। वहीं, नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई से देश में शांति और सुरक्षा का वातावरण मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर में राम दरबार के दर्शन और पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की।

यूसुफ पठान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिस्थितियाँ भी बदलती रहीं। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी के नियंत्रण वाले वडोदरा नगर निगम ने 2024 में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीतने के तुरंत बाद पठान को अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया था। पठान ने इस नोटिस को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

हाल के महीनों में न्यायिक जाँच तेज होने के साथ यह कानूनी लड़ाई एक अहम मोड़ पर पहुँच गई। उच्च न्यायालय ने हाल ही में जमीन पर कब्जे को लेकर कड़ी नाराजगी जताई और सवाल उठाया कि अंतिम आवंटन तथा उचित वित्तीय मंजूरी के बिना नगर निगम की जमीन का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है।

अदालत की सख्त चेतावनियों और संभावित जुर्माने को देखते हुए, क्रिकेटर के कानूनी प्रतिनिधियों ने उच्च न्यायालय में लंबित अपीलें बिना किसी शर्त के वापस लेने का फैसला किया। इससे प्रशासन को इस मामले पर नए सिरे से विचार-विमर्श करने का रास्ता मिल गया।

पटाखा मुक्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस्थानों, आवासीय कल्याण संघों और स्थानीय समुदायों तक पहुंच बनाई जाएगी। इसमें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत शामिल 130 शहरों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

'लोकतंत्र में समस्याएं तो बनी रहेंगी और इस कारण से आंदोलन भी होंगे'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने दशहरा उद्बोधन में यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शनों से समाज में विभाजन पैदा नहीं होना चाहिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। विरोध प्रदर्शन किसी समस्या को लेकर लोगों को एकजुट कर सकते हैं, लेकिन जब आंदोलन ही समाज में विभाजन का कारण बनने लगें, तो क्या होगा? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को नागपुर में विजयादशमी के अपने संबोधन में इस सवाल पर बात की।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन होना स्वाभाविक है, लेकिन उनका उद्देश्य समस्याओं का समाधान करना होना चाहिए, न कि समाज में दूरियों या मतभेदों को और बढ़ाना।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत में नीट-यूजी के प्रश्नपत्र लीक होने और हाल ही में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई है।

भागवत ने कहा, "समस्याएँ तो बनी रहेंगी। इन समस्याओं के कारण आंदोलन भी होंगे और लोकतंत्र में आंदोलन होना स्वाभाविक है। लेकिन आंदोलन किसलिए होने चाहिए? उनका उद्देश्य समाधान निकालना होना चाहिए।"

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों के कारण दुश्मनी या समाज में विभाजन पैदा न हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सभी पक्षों की है। इसमें आंदोलन करने वाले समूह, सरकार, प्रशासन और राजनीतिक नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा, "हमारी भावनाएँ कितनी भी तीव्र क्यों न हों, संविधान और कानून के तहत हमारे काम करने की कुछ सीमाएँ हैं। इसके अलावा, सभ्य सार्वजनिक आचरणों के नियमों के अनुसार भी, हमारी बातचीत और व्यवहार की कुछ सीमाएं तय हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे काम इन सीमाओं के दायरे में ही रहें।"

भागवत ने पश्चिमी देशों के बारे में बात करते हुए आरोप लगाया कि भारत को कमज़ोर करने की कोशिश करने वाली ताकतें देश में अस्थिरता पैदा करने और आंतरिक घटनाक्रमों को प्रभावित करने के लिए अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल कर रही हैं।

मोहन भागवत ने आरोप लगाया है कि वैश्विक ताकतें सत्ता परिवर्तन की कोशिशों के जरिए भारत को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि देश में ऐसी कोशिशें पहले से ही चल रही हैं और इन्हें राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित, सत्ता के भूखे नेता समर्थन दे रहे हैं।

छात्र आंदोलन का असर सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने तथा स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए मिले संवैधानिक अधिकारों का पर्याप्त सम्मान किया गया? यह घटनाक्रम यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए भारत के लंबे समय से चल रहे अभियान की पृष्ठभूमि में सामने आया है। इसके साथ ही, भारत खुद को विकासशील देशों की एक प्रमुख आवाज़ और एक अधिक समावेशी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समर्थक के रूप में स्थापित करने का भी प्रयास कर रहा है। भारत का तर्क है कि सुरक्षा परिषद की वर्तमान संरचना, जो 1945 की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को दर्शाती है, आज की वैश्विक शक्ति और जनसंख्या वितरण का सही प्रतिनिधित्व नहीं करती है। नई दिल्ली ने अपनी आर्थिक ताकत, राजनयिक पहुंच, बहुपक्षीय संस्थाओं में भागीदारी और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व विकास में अपनी भूमिका के ज़रिए अपना पक्ष मज़बूत करने की कोशिश की है। हालाँकि, स्थायी सदस्यता का मुद्दा अंततः अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और संस्थागत सुधार से जुड़ा है, यह कोई ऐसा इनाम नहीं है, जो केवल किसी देश के घरेलू राजनीतिक रिकॉर्ड के आधार पर दे दिया जाए। सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए यूएन चार्टर में बदलाव की ज़रूरत होगी, जिसमें मौजूदा स्थायी सदस्यों की मंज़ूरी और यूएन के सदस्य देशों द्वारा ज़रूरी अनुसमर्थन शामिल है। फिर भी, लोकतांत्रिक शासन और मौलिक अधिकारों का सम्मान उस व्यापक अंतरराष्ट्रीय संदर्भ का हिस्सा हैं, जिसके आधार पर वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत के दावों का आकलन किया जाता है। प्रभावशाली विदेशी मीडिया में की गई आलोचनात्मक रिपोर्टिंग, भारत को लोकतांत्रिक शासन के एक आदर्श के रूप में पेश करने के प्रयासों को मुश्किल बना सकती है। ऐसा तब और भी होता है, जब आरोप छात्रों, पत्रकारों और चुनावी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने वाले नागरिकों के साथ किए गए व्यवहार से जुड़े हों। इन बातों का बहुत ज़्यादा मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। अख़बारों में छपी आलोचनात्मक रिपोर्टों को विदेशी सरकारों का सामूहिक फ़ैसला नहीं माना जा सकता, और न ही इससे यह साबित होता है कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं ने काम करना बंद कर दिया है। भारत का संवैधानिक ढांचा, प्रतिस्पर्धी चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका और सक्रिय नागरिक समाज, इसके व्यापक मूल्यांकन के महत्वपूर्ण हिस्से बने हुए हैं। लेकिन अगर पुलिस की अत्यधिक सख्त कार्रवाई के आरोपों की विश्वसनीय जांच नहीं होती है, पत्रकारों पर पाबंदियां बनी रहती हैं, या मतदाता सूची में बदलाव को लेकर उठने वाली चिंताओं का समाधान पारदर्शी तरीके से नहीं किया जाता है, तो इससे भारत की छवि को और ज्यादा नुकसान पहुँच सकता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती सिर्फ़ अपने ख़िलाफ़ आने वाली अंतरराष्ट्रीय ख़बरों का जवाब देने की नहीं है, बल्कि यह साबित करने की है कि उसकी लोकतांत्रिक संस्थाएं असहमति को जगह दे सकती हैं, प्रेस की रक्षा कर सकती हैं, और नागरिकों के अधिकारों से जुड़े विवादों में प्रभावी समाधान प्रदान कर सकती हैं। जैसे-जैसे नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में अपनी अधिक प्रभावी भूमिका की मांग कर रही है, उसके तर्कों की विश्वसनीयता न केवल उसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत पर निर्भर करेगी, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करेगी कि वह विश्व मंच पर जिन लोकतांत्रिक सिद्धांतों की वकालत करती है, उन्हें कितनी निरंतरता के साथ लागू करती है।

प्रियंका गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीटों की सूची में शामिल किया गया है। इसके अलावा, इस सूची में पार्टी के प्रमुख नेताओं जैसे अजय राय, अजय लल्लू, सुप्रिया श्रीनेत और नदीम जावेद से जुड़ी सीटें भी शामिल हैं। कांग्रेस अमेठी, रायबरेली और सहारनपुर की उन सीटों पर भी अपना दावा करना चाहती है, जहाँ फिलहाल समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। इसके अलावा, पार्टी की नज़र लगभग एक दर्जन ऐसी सीटों पर भी है, जहाँ समाजवादी पार्टी जीती थी।

यूपी के सभी जिलों में सरदार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समुदाय की अच्छी-खासी मौजूदगी है और माना जाता है कि ये लगभग 48-50 विधानसभा क्षेत्रों में काफी प्रभाव रखते हैं। वर्तमान में, राज्य विधानसभा में सबसे ज्यादा कुर्मी विधायक, (लगभग 40 कुर्मी विधायकों में से करीब 27) विधायक भाजपा के पास हैं। इसके अलावा, पार्टी के संगठन में भी कुर्मी समुदाय के लोगों को अहम पदों पर रखा गया है और कुर्मी-बहुल अपना दल (एस) के साथ भाजपा का गठबंधन भी है। हालांकि, कुछ सर्वे बताते हैं कि 2019 से 2024 के बीच कुर्मी समुदाय के एनडीए के समर्थन में कुछ कमी आई है, इसलिए अब इस रिश्ते को फिर से मजबूत करने की कोशिशें की जा रही हैं।

इस पहल के जरिए, भाजपा का लक्ष्य राज्य में लंबे समय से चली आ रही अपनी 'सामाजिक गठबंधन' रणनीति के तहत, गैर-यादव ओबीसी समुदायों को और अधिक मजबूती से अपने साथ जोड़ना है।

राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव की पटेल की विरासत को समकालीन राजनीति से जोड़कर, पार्टी इन समूहों के बीच प्रतीकात्मक और संगठनात्मक लाभ हासिल करना चाहती है। साथ ही, वह विभाजनकारी जाति - राजनीति के खिलाफ अपने नैरेटिव को और मजबूत करना चाहती है। विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी द्वारा इस कदम के जवाब में "पीडीए" (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान को तेज किये जाने देने की उम्मीद है। वे सामाजिक न्याय, गैर-यादव ओबीसी समुदायों को अधिक प्रतिनिधित्व देने, और किसानों, रोजगार तथा कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर मौजूदा सरकार के कामकाज की आलोचना करने पर जोर देंगे। समाजवादी पार्टी पहले ही कुर्मी समुदाय के प्रतिनिधित्व को बढ़ा चुकी है और वह आगे भी इस समुदाय के नेताओं को अहमियत दे सकती है, साथ ही ओबीसी के मुद्दों पर भाजपा की गंभीरता पर सवाल उठा सकती है।

कांग्रेस संभवतः जाति जनगणना की मांग को जोर-शोर से उठाएगी और राष्ट्र-निर्माण में अपने ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित करेगी। वहीं, छोटे दल किसी भी विपक्षी गठबंधन में सीटों के बड़े हिस्से की मांग कर सकते हैं या अपने स्वतन्त्र एवं निर्दलीय अस्तित्व पर जोर देने के प्रयास कर सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908